- प्रधानमंत्री मोदी बोले -मंगोलिया के विकास में भारत दृढ़ साझेदार - 12

- मांग बढ़ने से सितंबर माह में बढ़ा रत्न आभूषण का निर्यात - 12

- अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट वैश्विक दृष्टिकोण जरूरी - 13

- सलामी बल्लेबाज केएल राहुल का नाबाद अर्धशतक, भारत ने किया क्लीन स्वीप - 14

आज का मौसम

31.0° अधिकतम तापमान

18.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.13

सूर्यास्त 05.43

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष नवमी 10:34 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 15 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 326, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

सरकार ने 16वें वित्त आयोग का कार्यकाल 30 नवंबर तक बढ़ाया

नई दिल्ली। सरकार ने 16वें वित्त आयोग का कार्यकाल एक महीने बढ़ाकर 30 नवंबर तक कर दिया है। सरकार ने 31 दिसंबर 2023 को 16वें वित्त आयोग का गठन किया था और नीति आयोग के पूर्व वाइस चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया का इसका चेयरमैन बनाया गया था। इस आयोग को 31 अक्टूबर तक अपनी रिपोर्ट देनी थी। आयोग मुख्य तौर पर एक अप्रैल 2026 से शुरू होने वाली पांच साल की अवधि के लिए केंद्र एवं राज्यों के बीच करों के वितरण पर सिफारिशें करता है। वित्त मंत्रालय ने 10 अक्टूबर को अधिसूचना में कहा कि 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट दाखिल करने करने की तिथि 30 नवंबर तक बढ़ाई जा रही है।

एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम दो आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एलओसी पर सेना के जवानों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया। सोमवार देर रात कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा पर जवानों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और घुसपैठियों को चुनौती दी। दोनों पक्षों के बीच कुछ देर के लिए गोलीबारी हुई। श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने कहा, पुलिस की विशिष्ट खुफिया जानकारी और सूत्रों व एजेंसियों की पुष्टि के आधार पर कुपवाड़ा में एक संयुक्त अभियान शुरू किया था।

जैसलमेर में चलती एसी बस में लगी आग, 20 यात्री जिंदा जले

57 यात्री थे सवार, आग से बचने के लिए लोग बस से कूदे

जैसलमेर, एजेंसी

जैसलमेर-जोधपुर राजमार्ग पर मंगलवार को जैसलमेर से जोधपुर जा रही एक एसी बस में आग लगने से 20 यात्रियों की जिंदा जल गए। बस में 57 यात्री सवार थे। आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है।

उन्होंने कहा, राजस्थान के जैसलमेर में हुए हादसे में हुई जान-माल की हानि से व्यथित हूं. इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। पीएम ने मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। जोधपुर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) राजेश मीणा ने बताया कि गंभीर रूप से घायल यात्रियों को जोधपुर रेफर कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार, बस जैसलमेर से जोधपुर जा रही थी तभी अपराह्न करीब तीन बजे थईयात गांव के पास उसके पिछले हिस्से से अचानक धुआं निकलने लगा और चालक ने बस को सड़क किनारे रोका। हालांकि कुछ ही पलों में आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय निवासी और राहगीर मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य में मदद की। दमकल और पुलिस को सूचित किया और घायलों को जैसलमेर के जवाहर अस्पताल ले जाया गया। जिला कलेक्टर प्रताप सिंह ने इस घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की है और संबंधित अधिकारियों को तत्काल राहत एवं चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

राजस्थान के जैसलमेर जिले के थईयात गांव के पास आग लगने के बाद धू-धूकर जलती बस। ● एजेंसी

कई यात्रियों की हालत नाजुक, मुख्यमंत्री लेते रहे हादसे से संबंधित फीडबैक

यात्रियों की हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे में मारे गए लोगों की पहचान के लिए जिला प्रशासन ने कवायद शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान के लिए डीएनए की जांच की जाएगी। इसके बाद ही शव सौंपे जाएंगे। मुख्यमंत्री हादसे के संबंध में फीडबैक लेते रहे। मुख्यमंत्री शर्मा ने 'एक्स' पर लिखा, जैसलमेर में बस में लगी आग की घटना अत्यंत हृदय विदारक है। इस दुखद हादसे से प्रभावित नागरिकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार एवं प्रभावितों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। राज्यपाल बागडे, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत व पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी हादसे पर शोक जताया है।

जिला पंचायतों में तैनात होंगे सिविल इंजीनियर, आर्किटेक्ट

सीएम ने ग्राम सचिवालयों में आधार केंद्र खोलने के दिए निर्देश

- पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पारदर्शिता, तकनीक और संसाधनों के उपयोग पर बल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पारदर्शिता व तकनीकी उपयोग के माध्यम से ग्राम पंचायतों की राजस्व प्राप्ति और जनसेवा की गुणवत्ता दोनों में सुधार सुनिश्चित करने पर बल दिया है। यह निर्देश भी दिया कि विकास प्राधिकरणों के अतिरिक्त जिला पंचायतों के अधीन क्षेत्रों में भवन मानचित्र स्वीकृति के लिए जिला पंचायतों के पास दक्ष मानव संसाधन की उपलब्धता होनी चाहिए। इसके लिए जिला पंचायतों में सिविल इंजीनियर अथवा आर्किटेक्ट की तैनाती की व्यवस्था की जाए, जिससे स्थानीय निर्माण कार्यों में गुणवत्ता व पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

सीएम ने ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाने के लिए ग्राम सचिवालयों में आधार केंद्र खोलने के निर्देश दिए। कहा, आधार कार्ड निर्माण, संशोधन, बायोमेट्रिक अपग्रेडेशन आदि कार्यों के लिए यह सुविधा उपलब्ध कराई जाए, जिससे नागरिकों को सुविधा मिले और मिलने वाले शुल्क से ग्राम पंचायत की आय में भी वृद्धि हो।

पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक में योगी ने कहा कि पंचायतें केवल प्रशासनिक इकाइयां नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास की आत्मा हैं। पंचायतों को आर्थिक आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्यों से नवाचारों को प्रोत्साहित करने पर बल देते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों के पास जितनी अधिक स्व-वित्तीय क्षमता होगी, उतनी ही तेजी से ग्रामीण विकास के कार्य आगे बढ़ेंगे। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों को वित्तीय प्रबंधन, डिजिटल सेवा व जनसुविधा संचालन का प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए।

पंचायतों का ऑन सोर्स ऑफ रेवेन्यू बढ़ाए जाने के संबंध में बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

तालाबों, पोखरों पर स्पष्ट नियमावली तैयार हो

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि पंचायती राज विभाग द्वारा तालाबों, पोखरों की सूचीकरण और उपयोग नीति पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि ग्राम पंचायत तथा जिला पंचायत के अधीन तालाबों व पोखरों का समयबद्ध पट्टा किया जाए और इनसे प्राप्त राशि को हर घर नल, जल संरक्षण और ग्राम्य हित के कार्यों में ही उपयोग किया जाए। उन्होंने इसके लिए एक स्पष्ट नियमावली तैयार करने के निर्देश भी दिए।

दिवंगत आईपीएस पूरन कुमार पर गंभीर आरोप लगा एएसआई ने की आत्महत्या

चंडीगढ़, एजेंसी

- छह मिनट का वीडियो और तीन पन्नों का सुसाइड नोट छोड़ा
- बोला- करप्शन में बदनामी के डर से पूरन ने किया सुसाइड

हरियाणा में एक सहायक उप-निरीक्षक ने मंगलवार को रोहतक जिले में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने दिवंगत आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए छह मिनट का वीडियो व तीन पन्नों का एक सुसाइड नोट छोड़ा है।

पुलिस ने बताया कि एएसआई संदीप कुमार ने पूरन कुमार के सहयोगी और हेड कांस्टेबल सुशील की गिरफ्तारी में अहम भूमिका निभाई थी। संदीप ने वीडियो में पूरन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भगत सिंह ने भी बलिदान दिया व एक कठिन रास्ता अपनाया, जिसके बाद देश जागृत हुआ। वीडियो में यह भी सुना जा सकता है कि 'ईमानदार अधिकारी' नरेंद्र बिजारणिया ने पूरन से सवाल किए थे। पूरन का नाम हाल ही में एक रिश्वत कांड में सामने आया था। रोहतक में शराब के एक ठेकेदार ने हेड कांस्टेबल सुशील कुमार के खिलाफ रिश्वतखोरी का मामला दर्ज कराया था। ठेकेदार ने आरोप लगाया कि सुशील ने पूरन के नाम पर 2.5 लाख की रिश्वत मांगी थी। सुशील कुमार को हाल ही में गिरफ्तार किया गया था।

डीजीपी छुट्टी पर भेजे गए

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने आईपीएस अधिकारी की आत्महत्या मामले को लेकर विपक्ष के हमले के बीच राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शत्रुजीत कपूर को छुट्टी पर भेज दिया। सरकार ने इससे पहले रोहतक के पूर्व पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारणिया का तबादला कर दिया था।

अयोध्या में बनेगा एनएसजी का केंद्र आपात स्थिति पर तुरंत पहुंचेंगे कमांडो

मानेसर। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सरकार उत्तर प्रदेश के अयोध्या में ब्लैक कैट कमांडो बल एनएसजी का एक और क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करेगी।

मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद और गांधीनगर के मौजूदा केंद्रों के बाद यह राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) का छठा क्षेत्रीय केंद्र होगा। एनएसजी केंद्र इसके कमांडो को किसी भी आपात स्थिति में तुरंत और प्रभावी ढंग से पहुंचने में मदद करते हैं। आतंकवाद रोधी कमांडो बल के 41वें स्थापना दिवस पर मुख्यालय में आयोजित समारोह में शाह ने कहा, मोदी सरकार जल्द एनएसजी की कार्यप्रणाली में बड़ा बदलाव लाने वाली है।

- गृह मंत्री शाह ने एनएसजी के 41वें स्थापना दिवस पर की घोषणा

प्रदेश के 14.82 लाख राज्य कर्मचारियों को मिलेगा बोनस

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने दीपावली के मौके पर राज्य सरकार के लगभग 14 लाख 82 हजार कर्मचारियों को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बोनस देने का निर्णय लिया है। इस पर कुल व्ययभार 1,022 करोड़ रु. आएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय कर्मचारियों के परिश्रम और निष्ठा के प्रति राज्य सरकार की सराहना का प्रतीक है। सीएम के निर्देश पर वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, राज्य सरकार के कर्मचारियों को उत्पादकता असम्बद्ध बोनस अनुमन्य किया गया है। बोनस मासिक परिलब्धियों की सीमा 7,000 रु. के आधार पर 30 दिनों की परिलब्धियों का आगणन करते हुए दिया जाएगा, जिससे प्रत्येक पात्र कर्मचारी को 6,908 रु. का लाभ मिलेगा।

- दीपावली से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी खुशखबरी
- बोनस बांटकर 1,022 करोड़ का व्ययभार वहन करेगी सरकार

ऐलान अमेरिका के बाहर भारत में सबसे बड़ा एआई केंद्र होगा स्थापित

गूगल एआई केंद्र के लिए 15 अरब डॉलर का करेगा निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका की कंपनी गूगल अगले पांच वर्ष में विशाखापत्तनम में एक कृत्रिम मेधा (एआई) केंद्र स्थापित करने के लिए 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी। इसमें अडाणी समूह के साथ साझेदारी में देश का सबसे बड़ा डेटा सेंटर भी शामिल होगा।

प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी ने कहा कि आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में यह एआई केंद्र अमेरिका के बाहर गूगल का सबसे बड़ा केंद्र होगा। इसमें एक गीगावाट का डाटा सेंटर परिसर, नए बड़े पैमाने के ऊर्जा स्रोत एवं विस्तारित फाइबर-ऑप्टिक नेटवर्क शामिल होगा। कंपनी के एक कार्यक्रम में गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन ने कहा, यह अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा एआई केंद्र होगा जिसमें हम निवेश करने जा रहे हैं। कार्यक्रम में औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह घोषणा नयी दिल्ली में गूगल द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'भारत एआई शक्ति' के दौरान की गई। यह कार्यक्रम भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से पहले आयोजित किया गया।

आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, वित्त मंत्री सीतारमण और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात करके बहुत अच्छा लगा, हमने विशाखापत्तनम में पहले गूगल एआई केंद्र के लिए अपनी योजनाओं को साझा किया जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। पिचाई ने लिखा, यह केंद्र गीगावाट स्तरीय कंप्यूटिंग क्षमता, एक नया अंतरराष्ट्रीय सब-सी गेटवे और विशाल ऊर्जा अवसंरचना को एक साथ लाता है। इसके माध्यम से हम अपनी उद्योग-अग्रणी प्रौद्योगिकी को भारत के उद्यमों एवं उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाएंगे । इसके अलावा अरबपति गौतम अडाणी के समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज ने कहा कि उसकी संयुक्त उद्यम कंपनी अडानीकॉनेक्स और गूगल, विशाखापत्तनम में भारत का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर परिसर और नई हरित ऊर्जा अवसंरचना विकसित करेंगे।

गूगल एआई केंद्र डिजिटल अर्थव्यवस्था को देगा बढ़ावा : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि विशाखापत्तनम में गूगल एआई केंद्र की स्थापना प्रौद्योगिकी के लोकतांत्रीकरण में एक बेहद महत्वपूर्ण कदम होगा। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, आंध्र प्रदेश के शहर विशाखापत्तनम में गूगल एआई केंद्र की स्थापना को लेकर काफी खुश हूं।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार,15 अक्टूबर 2025

पीलीभीत

शहर में आज

- गांधी सभागार में दिशा की बैठक दोपहर 12 बजे।
- पुलिस लाइन समेत चार स्थानों पर परिवार परामर्श केंद्र शिविर सुबह 10 बजे।
- भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति की बिलसंडा ब्लॉक में मासिक पंचायत सुबह 11 बजे।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।
- बीसलपुर के रसिया खानपुर में स्वास्थ्य शिविर सुबह 10 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

युवक को घेरकर नकदी छीनने का आरोप

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के काला मंदिर निवासी सचिन ने थाना जहानाबाद पुलिस को तहरीर देकर बताया 11 अक्टूबर को वह डेकोरेशन का सामान लेने बरेली गया था। इस दौरान वह घर लौट रहा था। जहानाबाद क्षेत्र में सियाबाड़ी पट्टी निवासी ललित के घर रुपये लौटाने जा रहा था। तभी रेलवे क्रासिंग के समीप उसको चार युवकों ने रोक लिया। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट करते हुए 50 हजार छीन लिए।

डीएम ने वेयरहाउस में परखीं व्यवस्थाएं

पीलीभीत, अमृत विचार : डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने मंगलवार को जिला निर्वाचन कार्यालय परिसर स्थित ईवीएम एवं वीवी पैट वेयरहाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भवन की स्थिति, अग्निशमन उपकरणों, सुरक्षा व्यवस्था एवं सीसीटीवी कैमरों के साथ मशीनों के रखरखाव की व्यवस्था को देखा और साफ सफाई रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एडीएम वित्त ऋ तु पूनिया, भाजपा प्रतिनिधि विपिन मिश्रा, बसपा प्रतिनिधि जितेंद्र आजाद, भाजपा नगराध्यक्ष इन्द्रेश सिंह समेत अन्य रहे।

घर में घुसकर महिला से मारपीट

पीलीभीत,अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइन साउथ निवासी सोनी ने एसपी को शिकायती पत्र देकर बताया उसका एक मकान गणेशपुर गौटिया में स्थित है। उसके पास में ही उसके जेठ बाबूराम का परिवार रहता है। 11 अक्टूबर को शाम 4 :30 बजे वह गणेशपुर गौटिया वाले मकान में खाना बना रही थी। तभी जेठानी रामबेटी ने उसके साथ मारपीट की। उसकी पुत्री ने अपने मोबाइल से वीडियो बनाई। तो उसका मोबाइल छीनकर तोड़ दिया।

धान खरीद : 17 फीसदी से कम नमी, फिर भी एमएसपी नहीं

आढ़तों पर नीलामी की औपचारिकता, 132 क्रय केंद्रों पर चल रही है सरकारी खरीद, अब तक खरीदा जा चुका 800 मीट्रिक टन धान

वैभव शुक्ला, पीलीभीत

अमृत विचार: धान खरीद में किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ दिलाने के लिए तमाम प्रयास करने के दावे किए जा रहे हैं। इसे लेकर राजनीति भी गरमाई है। व्यवस्थाओं पर उठते सवालों के बीच मंडियों में किसान अभी भी लूट रहा है। मानक के अनुरूप धान होने के बाद भी उसे न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ नहीं मिल पा रहा। जिम्मेदार भले सेंटरों से हटकर दो हजार रुपये क्विंटल में धान बिकवाने का दावा करते हो, लेकिन हकीकत में मानक वाला धान भी 1700 से 1800 रुपये प्रति क्विंटल में बिका। अधिकांश किसान मजबूरी का हवाला दे गए तो कई ने व्यवस्था पर सवाल उठाए। फिलहाल मंडी में लगे धान के ढेरों पर बिक्री के बाद लगी पर्चियां हकीकत बयां कर रही हैं।

3 अक्टूबर से धान खरीद शुरू हो चुकी है। 132 क्रय केंद्रों पर सरकारी खरीद कराई जा रही है। अभी तक 800 मीट्रिक टन खरीद सरकारी आंकड़ों में हो चुकी है, जबकि इससे कई गुना धान आढ़त और राइस मिल पर खरीदा जा चुका है। तीन दिन से मंडियां धान से पटी हुई है। अभी कुछ दिन पहले ही अधिकारियों ने दावे किए। ये कहा गया कि अब धान की नमी कम होने लगी है और सेंटरों पर भी खरीद हो रही है। मानक के अनुसार सरकारी क्रय केंद्रों पर 17 फीसदी नमी तक का धान खरीदा जा सकता है। इससे कुछ एक फीसदी आगे-पीछे वाला भी मैनेज किया जा सकता है। ये दावे किए जा रहे हैं कि आढ़तों पर भी बोली लगाकर 2000 रुपये प्रति क्विंटल तक धान का दाम दिलवाया जा रहा है। मगर, इसकी जमीनी हकीकत कुछ और ही है। मानक के अनुसार वाला धान भी मंडियों में 1700से 1800 के बीच ही बिक रहा है। एक दिन पूर्व सोमवार को मरौरी ब्लॉक क्षेत्र के कई किसान धान लेकर मंडी पहुंचे और उनका धान 1775 तो किसी का 1800 रुपये क्विंटल में बिका। खास बात रही कि 1800 रुपये क्विंटल में बिके एक किसान के धान की जब सरकारी क्रय केंद्र पर नमी कराई गई तो वह 16.4 निकली। यानी के ये धान मानक के अनुसार ही रहा लेकिन आढ़त में एमएसपी से 569 रुपये प्रति क्विंटल कम दाम मिले। इतना ही नहीं जिस धान की नमी 20 के पार जा रही थी, उसका दाम भी महज 30 से 50 रुपये कम में बिक रहा था। इसी तरह से मंगलवार को भी क्रय केंद्रों के अलावा आढ़तों पर नीलामी के बाद बिके अधिकांश ढेर 1680 से 1800 रुपये प्रति क्विंटल तक के थे।

मंडी समिति पीलीभीत में हर तरफ लगे धान के ढेर। ● अमृत विचार

नमी चेक करता कर्मचारी।

धान की नमी निकली 16 .4 प्रतिशत।

अठारह सौ रुपये क्विंटल में बिक्री की पर्ची।

एक ही धान के ढेर, मापक यंत्र बता गए अलग-अलग नमी

अभी कुछ दिन पहले ही भाकियू चढ़ूनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने पीलीभीत पहुंचकर अधिकारियों से मुलाकात की थी। इस दौरान धान खरीद में खेल से जुड़े कई बिंदुओं के साथ ही क्रय केंद्रों पर रखे नमी मापक यंत्रों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे। कुछ इसी तरह का हाल मंडी में आढ़त पर बोली लगाकर बिके धान में भी देखने को मिला। जब यहां एक ही धान के ढेर से कुछ धान उठाकर एक केंद्र पर चेक कराया गया तो उसकी नमी पहले 16 .4 और फिर 17 .6 निकली थी। यहां सेंटर पर मौजूद जिम्मेदारों ने तर्क दिया कि एक आध प्रतिशत नमी धान मुट्ठी में भरकर लाने से भी बढ़ सकती है। दबी जुबां से क्रय केंद्र पर रखे नमी मापक यंत्र को लेकर दिक्कतों के बारे में भी बताया। इसके बाद इसी धान की दूसरी सेंटर पर कराई गई जांच में नमी 22 प्रतिशत तक पहुंच गई। हालांकि इसे लेकर भी जिम्मेदारों का अपना तर्क रहा। फिलहाल इसे लेकर चर्चाएं तेज रही।

किसानों की मजबूरी तो कहीं अव्यवस्था

धान खरीद में किसान को न्यूनतम समर्थन मूल्य न मिल पाने के पीछे किसानों से हुई बातचीत के बाद कई तर्क भी निकलकर सामने आए। कुछ किसानों का कहना था कि फसल लगाने के समय ही लाला जी से रुपये उधार लिए थे। ऐसे में उनका कर्ज भी चुकता किया जाना था। कुछ किसानों की मजबूरी नगद दाम लेने को लेकर थी। कुछ बिचौलियों के चक्कर में फंस गए थे तो उनको सेंटर पर ले जाने के बजाय सीधे आढ़त पर पहुंचा दिया गया। इससे किसानों को उचित उनकी फसल का उचित भाव नहीं मिल पा रहा है।

धान खरीद को लेकर क्रय केंद्र पर मुहैया नमी मापक यंत्र ठीक हैं। कई बार ऐसा होता है कि मंडी में धान का ढेर धूप में रखा रहा। जिसकी वजह से ऊपरी हिस्से पर धान सूखने से उसकी नमी कम आती है और जब भीतर से हाथ डालकर निकाला जाए तो उसकी नमी बढ़ी हुई होती है ।कम से तीन चार हिस्सों से धान लेकर नमी मापी जानी चाहिए। मानक का धान नियमानुसार पहुंचने पर खरीदा जा रहा है। अब तक 800 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है।

– वीके शुक्ला, डिप्टी आरएमओ

खटीमा से लौट रहे व्यापारी से 1.90 लाख रुपये लूटे

पीलीभीत, अमृत विचार: खटीमा से काम निपटा कर लौट रहे व्यापारी से नकदी और मोबाइल एसेसरीज रखा बैग लूट लिया गया। दो बाइक पर सवार चार बदमाशों ने घटना की दूसरे दिन मामले की तहरीर न्यूरिया थाने में दी ।

सुनगढ़ी थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरा भगु निवासी जितेंद्र कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया वह शहर के सेंट्रल मार्केट में मोबाइल एसेसरीज का काम करते हैं। पेमेंट उठाने के लिए भी उन्हें बाहर जाना पड़ता है। 13 अक्टूबर को वह काम से बनबसा उत्तराखंड गए थे। इस दौरान परिचित शुभम ने कॉल कर कहा कि खटीमा से 1.90 लाख का पेमेंट भी ले आएं और दुकान पर जमा कर दें। शाम करीब 5 बजे खटीमा से पेमेंट लिया। पेमेंट वाले बैग में नौ पावर बैंक भी रखे हुए थे। शाम 7:15 बजे मझोला से बाइक से पीलीभीत के लिए चल गए। टांडा विजेसी गांव के पास पहुंचते ही टनकपुर रोड पर पल्सर बाइक पर सवार दो व्यक्ति और दो स्पलेंडर बाइक पर सवार होकर आए। उन्होंने चाबी निकाल ली। इसके बाद नकदी और पावर बैंक रखा बैग लूटकर भाग गए। आरोपी पीलीभीत की ओर भाकर आए।

खाद नहीं मिलने से किसान नाराज

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: ग्राम गुलेदा गौटिया स्थित ग्यासपुर किसान सहकारी समिति पर खाद का वितरण न होने से ग्रामीणों ने हंगामा किया। प्रदर्शन कर नारेबाजी की गई। ग्रामीणों के विरोध के चलते खाद वितरण करने वाला कर्मचारी समिति पर ताला लगाकर भाग गया। मामले की शिकायत जिला अधिकारी से की गई है।

बता दें कि मंगलवार को क्षेत्र के कई ग्रामों के ग्रामीण ग्राम गुलैदा गौटिया स्थित ग्यासपुर किसान सहकारी समिति पर खाद लेने पहुंचे। आरोप है कि सचिव ने कई काश्तकारों को खाद वितरण करने के लिए धनराशि जमा कर ली थी। इसके बाद भी उनके द्वारा खाद का वितरण नहीं किया गया। ग्रामीण खाद लेने के लिए पिछले कई दिनों से चक्कर लगा रहे थे। उनके सब्र टूट गया। ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया और प्रदर्शन कर विरोध जताया। स्थिति की नाजुक्ता को भांप कर समिति पर खाद्य वितरण के लिए मौजूद सचिव मुन्ना लाल पहले ही खिसक लिए, दूसरा कर्मचारी दीनदयाल ताला लगाकर चला गया। ग्रामीण काफी देर तक डेरा डाले रहे। ग्रामीणों ने मामले की शिकायत जिलाधिकारी से की है। प्रदर्शन का नेतृत्व हिंदू महासभा के महामंत्री अवनीश रतन ने किया। इस मौके पर बाबूराम वर्मा,महेंद्र मौर्य,द्वारिका प्रसाद,धर्मपाल वर्मा, राजीव कुमार, सत्यपाल, रामनिवास त्रिगुणायत, अखिलेश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

खाद न मिलने पर विरोध जताते ग्रामीण। ● अमृत विचार

● नाराज किसानों ने समिति के बाहर जमकर हंगामा किया

केंद्र पर सहयोगी देख भड़के एसडीएम

बीसलपुर, अमृत विचार: मंडी समिति परिसर में संचालित धान क्रय केंद्रों का मंगलवार को एसडीएम नागेंद्र पांडेय ने निरीक्षण किया। उन्होंने धान क्रय केंद्रों पर मिली कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। क्रय केन्द्रों पर एक- एक सहायक मौजूद मिला।

उन्होंने सहायकों की नियुक्ति करने वाले के बारे में पूछा तो केंद्र प्रभारी उत्तर नहीं दे सके। इसी दौरान वहां मौजूद डिप्टी आरएमओ वीके शुक्ला ने कहा केंद्र प्रभारियों की मदद के लिए सहायक लगे हैं। एसडीएम ने क्रय केंद्रों पर किसानों को शासन द्वारा मुहैया कराई गई सुविधाओं को देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंडी समिति स्थित सभी धान क्रय केंद्रों पर मौजूद किसानों से भी वार्ता कर उनको मंडी समिति में धान क्रय केंद्रों पर मिल रही सुविधाओं के बारे में जाना। क्रय केंद्र प्रभारी से धान की खरीद बढ़ाने के निर्देश दिए।

बिना टेक्नीशियन के चल रहीं तीन ओटी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● ओटी टेक्नीशियन समेत स्टाफ नर्स की भी किल्लत, दो स्टाफ नर्स से लिया जा रहा काम

● बीते दिनों अनदेखी के चलते हैं हेपेटाइटिस से ग्रसित मरीजों का हो चुका था ऑपरेशन

अमृत विचार : जिला अस्पताल की लापरवाही एक बार फिर उजागर हुई है, जहां बिना ओटी टेक्नीशियन के तीन-तीन ऑपरेशन थिएटर चल रहे हैं। स्टाफ की भारी कमी के बावजूद रोजाना मरीजों का ऑपरेशन किया जा रहा है। हाल यह है कि ओटी टेक्नीशियन तो दूर, स्टाफ नर्स की भी भारी किल्लत है। केवल दो नर्सों के सहारे पूरा सिस्टम टिका हुआ है।

बीते दिनों लापरवाही की हद तब पार हो गई। जब बिना समुचित जांच के हेपेटाइटिस से ग्रसित मरीजों का भी ऑपरेशन कर दिया गया था। यह स्थिति न केवल अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर गई थी बल्कि मरीजों की सुरक्षा को भी गंभीर खतरे में डाल रही है। हालांकि जिम्मेदार बहुत जल्द ही स्टाफ बढ़ाने की बात कह रहे हैं। संयुक्त चिकित्सालय के दौरान यहां एक ओटी का संचालन किया जाता है, मगर मेडिकल कॉलेज में तब्दील होने के बाद तीन ऑपरेशन थिएटर बना दिए गए हैं।

समस्त बीमारियों से जुड़े ऑपरेशन शुरु हो चुके है, लेकिन ओटी शुरु होने के बाद यहां स्टाफ का मानक अभी भी संयुक्त चिकित्सालय वाला ही चल रहा है। नियम है कि प्रत्येक ओटी पर एक ओटी टेक्नीशियन, एक ओटी इंचार्ज के साथ दो स्टाफ नर्स होना अनिवार्य है। मगर यहां तीन ओटी पर एक ही ओटी इंचार्ज सबिता जिम्मेदारी संभाल रही है। अन्य दो स्टाफ नर्स, एक वार्ड ब्वॉय और एक स्वीपर की तैनाती चल रही है।

बिना जांच रिपोर्ट देखे कर दी सर्जरी

आलम यह है कि बिलसंडा निवासी राजेंद्र प्रसाद नाम के व्यक्ति का गले में सूजन की समस्या पर ईएनटी विभाग की महिला असिस्टेंट प्रोफेसर को दिखाया था। जहां उसकी हेपटाइटिस सी की रिपोर्ट देख बिना ही ऑपरेशन कर दिया गया था। जब जानकारी हुई। तो ओटी इंचार्ज पर ठिकारा फोड़ दिया गया था। ऐसे ही न जाने कितने केस में हो चुका है। मगर जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे है। स्टाफ की कमी होने के कारण मरीजों को ऑपरेशन के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। इसको लेकर मंगलवार को स्टाफ नर्स स्टाफ की कमी बताते हुए सीएमएस डॉ. रमाकांत सागर से कहीं थी। इस पर सीएमएस ने सीएमओ डॉ. आलोक कुमार को पत्राचार कर दो स्टाफ नर्स की डिमांड की है। ताकि दिवाली तक व्यवस्था बनी रहे।

बोनट पर बैठें असलहा लहराते युवकों का वीडियो वायरल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● वीडियो में एक वर्दीधारी भी मौजूद जिम्मेदार खोजबीन में जुटे

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व के सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो ने जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं।

दरअसल सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में एक वर्दीधारी गाड़ी के बोनट पर बैठकर असलहा लहराता नजर आ रहा है। मामला संज्ञान में आने पर जिम्मेदारों ने इसकी जांच पड़ताल शुरू कर दी है ।सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो पीलीभीत टाइगर रिजर्व की दियोरिया रेंज का होना बताया जा रहा है। वीडियो में एक वर्दीधारी गाड़ी के बोनट पर बैठकर असलहा लहराते हुए रील बनाता दिखाई दे रहा है। तेज म्यूजिक भी बज रहा है और वर्दीधारी के अलावा अन्य युवक भी बोनट पर बैठे नजर आ रहे हैं। इधर वायरल वीडियो का मामला टाइगर रिजर्व प्रशासन के भी संज्ञान में आया।

पीटीआर के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो की जानकारी प्राप्त हुई है। फिलहाल यह पता कराया जा रहा है कि यह किस क्षेत्र का है। इधर सामाजिक वानिकी के डीएफओ भरत कुमार डीके ने भी मामले की जांच कराने और संबंधितों पर कार्रवाई की बात कही है।

पांच क्विंटल बदबूदार सोनपापड़ी कराई नष्ट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की ओर से चलाए जा रहे अभियान के दौरान टीम ने बरखेड़ा क्षेत्र में एक प्रतिष्ठान पर छापेमारी कर 5 क्विंटल सड़ी मिठाई पकड़ ली। टीम ने जब्त की गई मिठाई को नष्ट करा दिया। साथ ही कारोबारी को कड़ी चेतावनी दी है। बता दें कि सुरक्षा विभाग की टीम अब तक जनपद में 866 किलो दूषित मिठाईयों को नष्ट करवा चुकी है।

दीपावली समेत त्योहारों के मद्देनजर शासन के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की ओर से मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए 8 अक्तूबर से जनपद भर में अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रभारी अभिहीत अधिकारी स्वतंत्र कुमार श्रीवास्तव के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने मंगलवार को सूचना के आधार पर बरखेड़ा क्षेत्र के दौलतपुर पट्टी में छापेमारी की। इस दौरान टीम ने गंगाशरण पुत्र हरीशंकर के प्रतिष्ठान पर सोन पापड़ी की जांच की। जांच के दौरान करीब 05 क्विंटल सोनपापड़ी में अत्याधिक रंगयुक्त और बदबू पाई गई। जिस पर टीम ने मिठाई को नष्ट करवा दिया। साथ ही कारोबारी को कड़ी चेतावनी भी दी है। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी शांतुन कुमार, प्रेम कुमार यादव, सतीश कुमार आदि शामिल रहे। प्रभारी अभिहीत अधिकारी स्वतंत्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बीते 08 अक्तूबर से जारी विशेष अभियान में अब तक प्रतिष्ठानों पर औचक निरीक्षण करते हुए 20 खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। अब तक अभियान के दौरान 866 किग्रा दूषित मिठाईयों को नष्ट कराया गया है। जिसकी अनुमानित मूल्य 92440 रुपये है। इसके अलावा 50 किग्रा संदिग्ध रिफाइंड तेल भी जब्त किया गया है। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार एवं आम जनमानस को पर्वों पर मिलावट से बचाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा, आम जनमानस से अपील की कि अत्यधिक रंगीन मिठाइयों को खरीदने से बचें।

दौलतपुर पट्टी में प्रतिष्ठान कर जांच करती एफएसडीए की टीम। ● अमृत विचार

● एफएसडीए टीम ने सूचना के आधार पर की छापेमारी

● अब तक 866 क्विंटल मिठाईयां करवाई जा चुकी नष्ट

असम हाईवे पर फिर लगने लगा जाम, राहगीर परेशान

असम हाईवे पर हरदोई नहर पुल पर लगे जाम में फंसे वाहन। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● वैकल्पिक रास्तों पर भी वाहनों के फंसने से वाहन सवार हुए परेशान

● सोमवार देर शाम घंटों जाम लगा रहा, एंबुलेंस भी घंटों फंसी रही

अमृत विचार: असम हाईवे के हरदोई ब्रांच पुल पर लगने वाला जाम इन दिनों मुसीबत का सबब बना हुआ है। यहां हरदोई ब्रांच पर बने संकरे पुल पर पिछले तीन-चार दिनों से लगभग रोजाना ही जाम लग रहा है। घंटों गाड़ियां जाम में फंसी रहती है। कहने को यहां पुलिस की भी तैनात रहती है, मगर जाम लगने के बाद ही उनकी मौजूदगी देखी जाती है। बीते सोमवार देर शाम भी संकरे पुल पर घंटों जाम लगा रहा। घंटों लोग जूझते रहे। एंबुलेंस से लेकर कई जरुरतमंद भी जाम के झाम में घंटों फंसे रहे। जाम न खुलने की आशंका पर कई वाहनों ने वैकल्पिक रास्तों को चुना, मगर घंटों लगे जाम के चलते वैकल्पिक मार्गों पर भी वाहनों की संख्या बढ़ने से जाम की स्थिति बनी रही।

असम-बस्ती मार्ग, जिसे असम हाईवे के नाम से जाना जाता है। इन दिनों यह हाईवे मुसीबत का सबब बना हुआ है। पीलीभीत से पूरनपुर तक 40 किमी का सफर तय करने में तीन से चार घंटे का समय लग सकता है या फिर पूरी रात में ही 40 किमी का सफर तय हो, कुछ कहा नहीं जा सकता है। इसकी वजह हाईवे पर हरदोई ब्रांच नहर पर बना संकरा पुल है। यह पुल ब्रिटिश हुकुमत के दौरान बनवाया गया था। मियाद निकल चुकी है, मगर जोड़-तोड़ कर इस जर्जर संकरे पुल से बाइकों से लेकर ओवरलोड बड़े वाहनों तक को गुजारा जा रहा है। संकरा पुल तो पहले से ही गुजरने वालों के लिए मुसीबत बना हुआ था, मगर पिछले कुछ दिनों भूसी भरे ट्रकों और अन्य बड़े वाहनों के लगातार गुजरने से रोजाना की जाम की स्थिति बन रही है। सोमवार शाम 8.30 बजे नहर पुल पर जाम लग गया। हाईवे के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। स्थिति तब और बिगड़ गई जब पीलीभीत की ओर से कुछ ट्रक और कार वाले बेतरतीब ढंग से कतार में खड़ी गाड़ियों के बराबर में अपने वाहनों को लगाकर खड़े हुए।

पुल निर्माण की रफ्तार धीमी

असम हाईवे पर संकरे पुल से निजात दिलाने को हरदोई ब्रांच नहर पर 27 .41 करोड़ रुपये की लागत से 74 .8 मीटर लंबे पुल निर्माण कराया जा रहा है। नहर पर स्टील ब्रिज बनाया जा चुका है। इस पुल के दोनों तरफ 300-300 मीटर एप्रोच रोड बनाई जा रही है। मगर एप्रोच रोड बनाने का कार्य इतना धीमी गति से चल रहा है कि यह साल के आखिर तक संचालन के लिए तैयार होगा भी या नहीं। फिलहाल संकरे पुल पर लगने वाले जाम से जिम्मेदारों को कोई सरोकार नहीं है।

एलएच चीनी मिल में हुआ बॉयलर पूजन जुटे मिल अधिकारी

पीलीभीत, अमृत विचार: एलएच चीनी मिल में मंगलवार को पेराई सत्र 2025-26 के लिए बॉयलर पूजन किया गया। इस दौरान हवन किया गया। पेराई सत्र नवंबर में होना संभावित है। मुख्य यजमान उपाध्यक्ष यांत्रिकी आरसी मिश्रा रहे। पंडित अंशुमान मिश्र, नरोत्तम भट्ट, मणिकांत मिश्र, विवेक मिश्र ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूरा हवन और आरती कराई। बॉयलर में अग्नि प्रज्वलित की गई। इस मौके पर उपाध्यक्ष उत्पादन जीपी गोयल, उपाध्यक्ष गन्ना केबी शर्मा, प्रधान प्रबंधक पावर प्लांट नवीन कुमार, कारखाना प्रबंधक आशीष गुप्ता, श्रम कल्याण अधिकारी संजय कुमार, राजवीर सिंह, अनिल यादव, प्रदीप अग्रवाल, इंद्रेश वर्मा आदि मौजूद रहे।

डीजल चोरी और कूड़ा निस्तारण की निगरानी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● डंपिंग ग्राउंड पर पहुंचने वाली गाड़ियों की लोकेशन कराई जाएगी ट्रेस

● गड़बड़ी मिलने पर संबंधित कर्मचारी का नगर पालिका काटेगी वेतन

अमृत विचार : कूड़ा निस्तारण के लिए चल रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली के चालक अब डीजल चोरी और कूड़ा अन्य स्थानों पर फेंकने के आरोपों से बच सकेंगे। इसको लेकर नगरपालिका ने वाहनों की मॉनिटरिंग कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए एक कर्मचारी को जिम्मेदारी दी है। जोकि वाहनों की निगरानी करेगा। वाहन मीरापुर कितने बजे पहुंचा और कितने बजे शहर से कूड़ा लेकर निकला। साथ ही हर माह चेक होने वाली लॉक बुक से मिलान किया जाएगा। अगर गड़बड़ी मिली, तो वेतन से कटौती की जाएगी।

बता दें कि शहर में कूड़े का उठान करने के लिए नगरपालिका की ओर से करीब संसाधन के तौर पर नए पुराने मिलाकर 45 से अधिक वाहन मौजूद हैं। पालिका के मुताबिक इसमें मात्र छह ट्रैक्टर-ट्राली, 26 लोडर, दो जेसीबी, एक कैटल कैचर और एक सीवर टैंक साफ करने वाली मशीन है,जिससे प्रतिदिन शहर में कूड़े का उठान कराया जाता है। कूड़े का उठान करने के बाद उसके निस्तारण के लिए वर्ष 2018 में डंपिंग ग्राउंड बनाने के लिए मीरापुर में छह एकड़ जगह ली गई थी। जहां कूड़े की छंटनी करने के बाद उसका निस्तारण किया जाना था। इसके लिए यहां पर कूड़े को अलग-अलग करने के लिए मशीनें भी लगाई जानी थीं। शहर में प्रतिदिन करीब 75 मीट्रिक टन से अधिक कूड़ा निकलता है। जिसको उठाने करने के लिए नगर पालिका के पास 175 सरकारी सफाई कर्मचारी के अलावा 196 आउटसोर्सिंग कर्मचारी कार्यरत हैं। नियम है कि नगर पालिका के वाहन दोपहर 12 बजे तक समस्त कूड़े का संग्रह कर उसे मीरापुर में बनाए गए डंपिंग ग्राउंड में डालेंगे। मगर अधिकांश वाहन चालक डीजल बचाने के चलते कूड़ा हाईवे किनारे या अन्य स्थानों पर फेंक देते हैं, बीते दिनों डपिंग ग्राउंड जाने वाला रास्ता खराब होने की वजह से वाहनों चालकों ने कूड़ा रोडवेज के सामने खाली पड़ी जमीन पर एकत्र कर दिया था।

इस पर पालिका के ऊपर 20 हजार रुपये का जुर्माना डाला गया था। जिसके बाद नगर पालिका ने रास्ता ठीक करने के बाद अब वाहनों चालकों की निगरानी शुरु की। पालिका के एसआई साबिर अली के अनुसार वाहन कितने शहर से कूड़ा लेकर निकला और कितने बजे डंपिंग ग्राउंड लेकर पहुंचा। उसके लिए उन्हें जीपीएस लोकेशन के साथ फोटो पालिका के ग्रुप में शेयर करना होंगे। साथ ही एक कर्मचारी को जिम्मेदारी दी गई है। वह प्रत्येक चालक से गाड़ी के पहुंचने का समय रजिस्टर पर अंकित करेगा। ग्रुप में आने वालों वाहनों का औचक निरीक्षण भी किया जाएगा। प्रत्येक माह चालकों की लॉक बुक से वाहनों की कुल गाड़ियों की संख्या का मिलान किया जाएगा। अगर लापरवाही मिली। तो संबंधित कर्मचारी का वेतन कटना तय होगा। सफाई निरीक्षक साबिर अली ने बताया कि लगातार मिल रही शिकायतों को देखते हुए इस व्यवस्था को लागू किया जा रहा है। वाहन चालकों को कूड़ा उठान से लेकर डपिंग ग्राउंड पहुंचने तक के फोटो अपलोड करना होगें।

मंडलीय स्पर्धा के लिए खिलाड़ी रवाना

पीलीभीत, अमृत विचार: जनपद की एथलेटिक टीम का एक जत्था बस से बदायूं में आयोजित होने वाली 69 वीं मंडलीय एथलेटिक प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए मंगलवार को रवाना हुआ।

जिला क्रीड़ा सचिव राजेश शुक्ला ने बताया जिले से अंडर-19, 17, 14 में 28 छात्रा, 26 छात्रों सहित कुल 54 प्रतिभागियों की टीम मंडलीय क्रीड़ा रैली में विभिन्न खेलों, ऊंची-लंबी कूद, भाला फेंक, चक्का और गोला फेंक आदि प्रतियोगिता में भाग लेगी। डीआईओएस राजीव कुमार, गुरु नानक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करनापुर शाहगढ़ के प्रधानाचार्य डॉ. आरपी द्विवेदी, छत्रपति शिवाजी इंटर कॉलेज जोगीठेर के प्रधानाचार्य डॉ. योगेश गंगवार ने अच्छे प्रदर्शन की अपेक्षा की है। टीम के साथ अनीता जोशी, सपना , कोमल, प्रशांत शुक्ला, यासीन खां, संजय सरकार, शिवम कुमार आदि गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

शराब खरीदने गए भाइयों से मारपीट

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव पिपरिया मंडन के रहने वाले ताराचंद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह अपने भाई मुनेंद्रपाल के साथ 10 अक्टूबर की रात के 9 बजे शराब भट्टी पर शराब खरीदने गए थे। वहां पर मौजूद गांव निवासी बदालू ने दोनों से गाली गलौज करना शुरु कर दी। विरोध करने पर बदालू, नितिन, सागर और निर्दोष ने मिलकर लाठी डंडों से मारपीट की। जिसमें दोनों भाई घायल हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है।

मारपीट में चार लोगों पर एफआईआर

दियोरियाकलां, अमृत विचार : पकड़िया ताल्लुके दियोरिया निवासी वेदप्रकाश ने कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया उसके गांव का प्रेमशंकर, अतुल,दीप, पप्पू शर्मा उनके मकान के बाहर आकर भाई को गाली देने लगा। विरोध करने पर उसके भाई को मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में छात्रा समेत तीन घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : पीलीभीत मार्ग पर स्थित विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की छुट्टी के बाद ग्राम नगरिया निवासी शेर सिंह की पुत्री विद्या पटेल साइकिल से घर जा रही थी। बाइक सवार सूर्यांश निवासी मोहल्ला ग्यासपुर और अनुभव मोहल्ला बख्तावर लाल तेजी से जा रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक साइकिल पर जा रही, जिससे विद्या समेत तीनों लोग घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस से भर्ती कराया गया। सूर्यांश और विद्या पटेल को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

हादसे में बुजुर्ग की मौत मामले में रिपोर्ट

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली में दी गई तहरीर में बरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम पुरैना निवासी हेमराज ने बताया कि उसके उसके पिता रूपलाल 13 अक्टूबर को बीसलपुर तहसील काम से गए थे। वापस टेंपो से लौट रहे थे। टेंपो पीलीभीत मार्ग स्थित मुद्रिका पेट्रोल पंप पर सीएनजी भरवाने लगा। वह उतरकर पंप पर खड़े हो गए। इसी दौरान बीसलपुर की ओर से तेजी से एक कार आई। उसने पंप पर पेट्रोल डलवाया। इसके बाद वह कार चालक असलम ने लापरवाही से कार चलाई। जिसकी चपेट में आकर पिता की मौत हो गई। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

कचहरी में हत्यारोपी अधिवक्ता पर जानलेवा हमला

पहले से चली आ रही मुकदमेबाजी की रंजिश में किया गया हमला, एसपी समेत कई अधिकारी पहुंचे और जुटाई जानकारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: हत्या के पुराने मुकदमे की रंजिश में तारीख पर कचहरी आए अधिवक्ता पर जानलेवा हमला कर दिया गया। तीन हमलावरों ने छतरी में छिपाकर लाए गए बांका से अधिवक्ता पर वार करके लहूलुहान कर दिया गया। घटना के बाद दो आरोपियों को मौके से ही पकड़ लिया गया, जबकि तीसरा भाग गया। एसपी समेत कई अधिकारियों ने मौका मुआयना कर जानकारी की। सुरक्षा के भी सख्त इंतजाम कराए जा रहे हैं। पुलिस मामले में कार्रवाई में जुटी है।

बता दें कि बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बरखड़ी निवासी ओपी वर्मा अधिवक्ता हैं। वर्ष 2022 में दो पक्षों में गांव में विवाद हुआ था, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। दोनों ओर से क्रॉस रिपोर्ट दर्ज की गई थी। एक पक्ष से दर्ज कराई गई हत्या की रिपोर्ट में अधिवक्ता ओपी वर्मा भी आरोपी हैं। ये मुकदमा सत्र न्यायालय में विचाराधीन है। बताते हैं कि मंगलवार को इस मुकदमे की तारीख थी। जिसके चलते एडवोकेट ओपी वर्मा कचहरी पहुंचे थे। वह अपने अधिवक्ता के बिस्तर की तरफ जा रहे थे। इसी बीच दूसरे पक्ष के तीन लोग आ गए। उन्होंने छतरी में छिपाकर लाए गए बांके से उन पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। लहूलुहान हालत में भागकर उन्होंने शोर मचाया। अधिवक्ता पर हुए हमले का नजारा देख खलबली मच गई। सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मी भी मुस्तैद हो गए। इसके बाद दो हमलावरों को मौके से ही पकड़ लिया गया।

बताते हैं कि आरोपी के परिवार के ही सदस्य की हत्या तीन साल पहले हुई थी, जिसमें घायल अधिवक्ता भी आरोपी है। आनन-फानन में घायल को मेडिकल कॉलेज इमरजेंसी भिजवाया गया। वहां चिकित्सकों ने इलाज किया। तमाम अधिवक्ता भी पहुंच गए। एसपी अभिषेक यादव, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी, कोतवाल सत्येंद्र कुमार पुलिस बल के साथ अस्पताल आए। एसपी ने घायल अधिवक्ता से बात कर घटना की जानकारी की। जिसमें पुराने मुकदमे की रंजिश में ही हमला करने की बात सामने आई। पकड़े गए आरोपियों से भी पुलिस पूछताछ कर रही है। घायल अधिवक्ता को मेडिकल कॉलेज से प्राथमिक इलाज के बाद रेफर कर दिया गया है। परिसर में लगे हुए सीसीटीवी की फुटेज भी चेक कराई जा रही है।

मेडिकल कॉलेज में घायल अधिवक्ता का इलाज करते डॉक्टर। ● अमृत विचार

मेडिकल कॉलेज पहुंचकर जानकारी करते एसपी अभिषेक यादव। ● अमृत विचार

बचारने में दरोगा-सिपाही हुए चोटिल

इस घटना के बाद कचहरी परिसर में सुरक्षा में लगे दरोगा अरविंद त्यागी और सिपाही रहीश पाल सिंह की खासा सराहना की गई। बताते हैं जब हमलावर अधिवक्ता पर हमला कर रहे थे, तो ये दोनों आगे आए। सिपाही ने एक आरोपी को पकड़ लिया, जबकि दरोगा ने बांके से किए जा रहे वार को रोका, जिसमें दरोगा भी घायल हो गए। अधिवक्ताओं ने भी इसे लेकर उनके साहस की सराहना की गई।

दिनदहाड़े अधिवक्ता पर जानलेवा हमला दुर्भाग्यपूर्ण है। अधिवक्ताओं की सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिए। कचहरी परिसर में सीसीटीवी प्रत्येक प्रवेश द्वार पर लगवाए जाएं, ताकि आवागमन करने वालों की निगरानी हो सके। अधिवक्ता सुरक्षा कानून शीघ्र लागू किया जाए।

– **धीरेंद्र मिश्र एडवोकेट**, अध्यक्ष जिला संयुक्त बार एसोसिएशन

प्रवेश के रास्ते पर बैरियर लगवाते सीओ।

कचहरी में अधिवक्ता पर हमला किया गया था। मौजूद पुलिसकर्मियों ने दो आरोपियों को पकड़ लिया। एक दरोगा को भी चोट आई है। कचहरी की सुरक्षा के लिहाज से भी कदम उठाए गए हैं। मामले में कार्रवाई की जा रही है। – **अभिषेक यादव**, एसपी

वारदात के बाद शुरू की चेकिंग

अधिवक्ता पर हुए हमले के बाद कचहरी की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए गए। हमलावरों के असलहा के साथ पहुंचने की बात कही गई तो अफसर भी इसे लेकर गंभीर हुए हैं। एसपी, सीओ सिटी ने कचहरी पहुंचकर घटनास्थल देखा। न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं से वार्ता की गई। वैसे तो दोनों गेट पर पुलिस बल तैनात रहता है। मगर, सामने आया कि बनकटी रोड की तरफ से आसानी से लोग प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे में तत्काल सुरक्षा बंदोबस्त को लेकर एसपी ने सख्ती कराई। उन्होंने प्रवेश पर दो स्थानों पर बैरियर लगवाए और पुलिस बल को भी निर्देशित किया कि बिना चेकिंग के कोई भी नहीं निकलेगा। तारीख पर आने वाले हो सके तो मुख्य गेट से प्रवेश कराएं, जहां पर डीएफएमडी लगा हुआ है। अधिवक्ताओं से भी व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की गई।

कुत्ते के काटने के दो माह बाद युवक की मौत

बरखेड़ा, अमृत विचार : कुत्ते के काटने के बाद लापरवाही करने पर। एक युवक की दो माह बाद मौत हो गई। गांव गजरहा निवासी मुकेश (39) की मंगलवार को कुत्ते के काटने के करीब दो माह बाद मौत हो गई। मृतक ने उस समय एंटी रैबीज वैक्सीन लगवाने के बजाय झाड़-फूंक का सहारा लिया था।

मुकेश मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। दो महीने पहले उसे एक आवारा कुत्ते ने काट लिया था। परिवार वालों ने झाड़-फूंक कराई, लेकिन एंटी रैबीज टीका नहीं लगवाया। चार दिन पहले उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी और वह बार-बार बकवास करने लगा। हालत गंभीर देख परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे भर्ती करने से मना कर दिया। इसके बाद मुकेश को वापस घर लाया गया, जहां मंगलवार को उसने दम तोड़ दिया। युवक की मौत से घर में कोहराम मच गया। पत्नी विमला देवी और बच्चे बेसुध थे। सूचना पर पहुंची बरखेड़ा पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इंस्पेक्टर प्रमेंद्र कुमार ने घटना की पुष्टि की है।

धार्मिक स्थल पर फिर शुरू हुआ संतों का धरना

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: ग्राम सखिया स्थित धार्मिक स्थल के पास पट्टे की जमीनों पर तारो को खिंचवाकर रास्ता बंद कर देने से महात्माओं के तेवर एक बार फिर उग्र हो गए। उन्होंने पुनः अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है।

क्षेत्र क गांव सखिया में स्थित ढकुलिया बाबा ब्रह्म देव के नाम से चर्चित धार्मिक स्थल लगातार विवादों के घेरे में घिरता जा रहा है। सोमवार को इस धार्मिक स्थल के पास पेट्टे के खाली पड़े खेतों ग्रामीणों ने जुतबाकर रास्ता बंद कर दिया गयास। जिससे श्रद्धालुओं को धार्मिक स्थल तक पूजा अर्चना करने के लिए आने में काफी परेशानी हो रही है। रास्ता बंद किए जाने से साधु संत गुस्सा गए। मंगलवार को बरेली से आए महात्मा अलखनाथ के नेतृत्व में साधु -सतों ने धार्मिक स्थल के रास्ता को बंद किए जाने के विरोध में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। जूना अखाड़ा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सत्य गिरी महाराज ने बताया कि धार्मिक स्थल के लिए आने बाले मार्ग को बंद कर दिया गया है।इससे श्रद्धालु पूजा अर्चना करने नहीं पहुंच पा रहे हैं। पुलिस श्रद्धालुओं को लाने वाले गरीब ई रिक्शा चालकों के साथ मारपीट कर रही है। जब तक रास्ता नहीं खोला जाएगा धरना जारी रखेंगे।शीघ्र ही भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि जूना अखाड़ा को मामले से अवगत करा दिया है। बता दें कि गत दिनों साधु संत धार्मिक स्थल पर पूजा अर्चना किए जाने की अनुमति दिए जाने को लेकर पिछले कई दिनों तक भूख हड़ताल पर बैठे थे। एसडीएम से हुई वार्ता के बाद अनशन समाप्त हो गया था। निर्णय लिया गया था कि धार्मिक स्थल पर निर्मल गिरी महात्मा रहकर नियमित पूजा अर्चना करेंगे। यहां मेला नहीं लगेगा। धार्मिक स्थल की देखरेख क लिए रजिस्टर्ड कमेटी बनाई जाएगी।इस सहमति के बाद अब धार्मिक स्थल पर पूजा अर्चना करने को श्रद्धालु आने शुरू हो गए थे। सुरक्षा की दृष्टि से धार्मिक स्थल के पास अभी भी पुलिस बल तैनात किया गया है।

ढकुलिया बाबा ब्रह्म देव पर धरने पर बैठे साधु संत। ● अमृत विचार

● कार्रवाई न होने पर दी गई भूख हड़ताल करने की चेतावनी

शादी का झांसा देकर महिला से किया दुष्कर्म

पीलीभीत, अमृत विचार : तलाकशुदा महिला को युवक ने प्रेम जाल में फंसा लिया। शादी का झांसा देकर उससे दुष्कर्म किया। जब पीड़िता ने शादी करने के लिए कहा तो आरोपी ने इंकार कर दिया। पीड़िता ने एसपी को शिकायती पत्र देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पीड़िता ने बताया कॉलोनी के रहने वाले एक युवक ने उसे प्रेम प्रसंग में फंसा लिया। उसका तलाक हो चुका है। वह आठ साल से मायके में रह रही है। आरोप है कि इसके बाद जब उसने आरोपी से शादी करने की बात कही तो वह शादी करने के झूठे दिलासे देता रहा। इस दौरान उसने उसका शोषण किया।

पहचान छिपाकर महिला का किया शोषण

संवाददाता, बरखेड़ा

● अश्लील वीडियो वायरल करने की दी धमकी, पुलिस ने शुरू की जांच

● पीड़िता का आरोप आरोपी ने उससे 80 हजार रुपये ले लिए

अमृत विचार: विधवा महिला को युवक प्रेम जाल में फंसाकर और धर्म छिपाकर लंबे समय तक शारीरिक शोषण करता रहा। आरोपी न केवल महिला से दुष्कर्म करता रहा, बल्कि उसकी अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देते हुए धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने लगा। पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है।

थाना क्षेत्र कीर एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके पति की मौत कुछ वर्ष पूर्व हो चुकी है। करीब नौ माह पहले थाना कोतवाली दियोरिया कलां क्षेत्र के रहने वाले एक युवक ने हमदर्दी का दिखावा करते हुए उससे संपर्क किया। धीरे-धीरे उसका विश्वास जीतकर प्रेम संबंध स्थापित कर लिया। इस दौरान उसने अपना नाम और धर्म दोनों छिपाए रखे। बाद में शादी का झांसा देकर आरोपी ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और कई बार अप्राकृतिक कृत्य करने की भी कोशिश की। पीड़िता के अनुसार आरोपी ने छलपूर्वक उसके पास से 80 हजार रुपये ले लिए और मोबाइल फोन भी छीन लिया। इसी बीच उसने गुप्त रूप से उसकी अश्लील वीडियो बना ली। जब महिला को आरोपी की असलियत का पता चला और उसने विरोध किया, तो आरोपी ने वीडियो वायरल करने और जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं, महिला जब आरोपी के घर शिकायत करने पहुंची तो उसके परिजनों ने भी आरोपी का पक्ष लिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर प्रमेन्द्र कुमार ने बताया कि आरोप गंभीर हैं, जांच के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

24 साल पहले खरीदी जमीन पर कब्जे की कोशिश

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार : पुरानी खरीदी हुई जमीन को लेकर विवाद उस समय गहराया जब विक्रेता का भाई कब्जे की नीयत से निर्माण रुकवाने पहुंच गया। विरोध करने पर पीड़ित को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। पीड़ित ने एसपी को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है।

थाना क्षेत्र के गावं मुसरहा निवासी राजकुमार ने एसपी को दिए गए शिकायती पत्र में बताया 24 साल पहले उसने गांव के ही एक व्यक्ति से 104 वर्ग मीटर जमीन खरीदी थी। कुछ वर्ष पहले उसने आधी जमीन पर मकान बना लिया था, जबकि रुपये की कमी के कारण आधी जगह खाली पड़ी थी। करीब दो महीने पहले जब उसने शेष हिस्से पर निर्माण कार्य शुरू किया तो विक्रेता के भाई ने कब्जे की नीयत से विवाद करने लगा। पीड़ित का कहना है कि उसने ग्रामीणों के सामने खरीद संबंधी अभिलेख भी दिखाए, लेकिन आरोपी पक्ष नहीं माना। पुलिस ने पहुंचकर जांच भी की, इसके बावजूद आरोपी हरकतों से बाज नहीं आया। पीड़ित का आरोप है कि जब वह विक्रेता के घर पहुंचा तो पहले उसकी पत्नी ने कब्जा हटवाने का आश्वासन दिया, बाद में वह भी आरोपी का साथ देने लगी। पीड़ित ने बताया कि अब विरोध करने पर उसे झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जा रही है।

वेतन ले रहे पूरे माह का, काम कर रहे सिर्फ तीन दिन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● मेडिकल कॉलेज में पांच से अधिक डॉक्टर करते हैं सप्ताह में एक दिन ओपीडी, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

● निजी प्रैक्टिस को लेकर भी उठ चुके हैं सवाल, सर्जरी विभाग के एचओडी के खिलाफ एडी ने भेजा था पत्र

अमृत विचार : मेडिकल कॉलेज के कई डॉक्टर ऐसे हैं जो पूरे महीने की तनख्वाह ले रहे हैं, लेकिन ओपीडी में महज तीन दिन ही दिखाई देते हैं। पांच से अधिक डॉक्टर ऐसे हैं जो सप्ताह में केवल एक दिन ओपीडी करते हैं। जबकि नियमानुसार वरिष्ठ चिकित्सकों को सप्ताह में चार दिन ड्यूटी करनी चाहिए।

बता दें कि मेडिकल कॉलेज बनने के बाद यहां डॉक्टरों की संख्या तेजी से बढ़ी है। जिनमें खासकर ईएनटी, सर्जरी, मेडिसिन, नेत्र, डेंटल और अन्य विभाग शामिल है। जिसके बाद अस्पताल में रोजाना सैकड़ों मरीज इलाज के लिए घंटों कतारों में खड़े रहते हैं, लेकिन डॉक्टरों की कमी और मनमानी ड्यूटी के चलते मरीजों को निराश होकर लौटना पड़ता है। खासतौर पर न्यूरो सर्जन की ओपीडी सप्ताह में केवल सोमवार को होती है, जिसके चलते उस दिन छह नंबर कमरे के बाहर सबसे ज्यादा भीड़ रहती है और मरीजों को दो-दो घंटे इंतजार करना पड़ता है।जबकि न्यूरो की समस्या से ग्रसित मरीज प्रतिदिन आते हैं। ईएनटी, सर्जरी, मेडिसिन, नेत्र और डेंटल विभागों में भी हालात कुछ अलग नहीं हैं।

ईएनटी विभाग में दो असिस्टेंट प्रोफेसर और एक जेआर तैनात हैं, मगर यहां भी डॉक्टरों ने आपस में ओपीडी के दिन बांट लिए हैं। कई डॉक्टर सर्जरी विभाग में तो तैनात हैं, लेकिन सर्जरी नाम मात्र की ही हो रही है। जबकि समस्त विभागों में एपी ने बतौर सर्जरी करने के लिए ज्वाइन किया है, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। बीते दिनों निजी प्रैक्टिस को लेकर भी सवाल खड़े हुए थे।

28 अगस्त को बरेली के एक निजी अस्पताल में सर्जरी विभाग के एचओडी डॉ. जगदंबा शरण पर ऊधम सिंह नगर के किच्छा क्षेत्र के एक मरीज का गलत ऑपरेशन करने का आरोप लगा था। इस मामले में एक संगठन के केंद्रीय महामंत्री ने शिकायत की थी, जिस पर एडी बरेली ने प्राचार्य को पत्र भेजकर जवाब मांगा है। हालांकि अब तक इस पर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। जानकारों का कहना है कि मेडिकल कॉलेज बनने के बाद यहां डॉक्टरों की संख्या तो बढ़ी, लेकिन जिम्मेदारी घट गई है। कई डॉक्टर एनपीए (नॉन प्रैक्टिस अलाउंस) लेने के बावजूद निजी प्रैक्टिस में लिप्त हैं। बावजूद जिम्मेदार अधिकारी इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। सीएमएस डॉ. रमाकांत सागर ने बताया कि एनपी लेने वाले डॉक्टर निजी प्रैक्टिस नहीं कर सकते हैं। अगर ऐसा हो रहा है तो जानकारी करने के बाद प्राचार्य को पत्राचार किया जाएगा। सभी को निर्देश है कि वह ओपीडी में समय से बैठकर मरीजों को परामर्श दें।

गोमती उद्गम स्थल पहुंची यूपीपीसीएल की टीम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: केंद्रीय मंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद की पहल पर मां गोमती तीर्थ स्थल के पुनरोद्धार एवं पर्यटन के दृष्टिकोण से विकसित करने के उद्देश्य से जहां जल शक्ति मंत्रालय की ओर से टीमें लगातार दौरा कर प्रोजेक्ट बनाने में जुटी हैं।

टेंट सिटी की मंजूरी के साथ हेलीपैड बनाने की कवायद भी चल रही है। प्रदेश सरकार अब मां गोमती उद्गम तीर्थ स्थल को सजाने संवारने की तैयारी कर रही है। इसी कड़ी में बीते दिवस उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन की टीम ने भी उदगम स्थल पर पहुंचकर सर्वे किया। टीम ने उदगम स्थल का भ्रमण कर तमाम संभावनाओं को तलाशा। टीम के प्रोजेक्ट मैनेजर के मुताबिक अब सर्वेयरों की टीम भेजी जाएगी। पिछले माह उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एक दिवसीय दौरे पर पीलीभीत पहुंचे थे। यहां उन्होंने भाजपा कार्यालय में प्रबुद्धजनों के सम्मेलन को संबोधित करने के साथ अफसरों की बैठक कर जनपद में संचालित हो रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा थी। बैठक के दौरान ही उन्होंने पर्यटन विभाग को गोमती उद्गम स्थल, शारदा सागर डैम व अन्य स्थानों को चिन्हित कर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने संबंधी प्रस्ताव तैयार कर भेजने के निर्देश दिए थे। हालांकि माधोटांडा स्थित मां गोमती उदगम तीर्थ स्थल के पुनरोद्धार एवं विकसित करने को जल शक्ति मंत्रालय की ओर से कई स्तर पर प्रोजेक्ट तैयार करने की कवायद चल रही है। इधर उप मुख्यमंत्री के निर्देश पर पर्यटन विभाग ने मां गोमती उदगम तीर्थ स्थल को विकसित करने के लिए उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन (यूपीपीसीएल) को निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में बीते दिवस यूपीपीसीएल के असिस्टेंट प्रोजेक्ट मैनेजर भानू प्रकाश, जेई अंकित शर्मा, जेई मनोज कुमार और आर्किटेक्ट सादिक खान गोमती उदगम स्थल पर पहुंचे। टीम ने गोमती उदगम स्थल परिसर को सर्वे किया। साथ ही टीम ने गोमती से जुड़े ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य कुंवर निर्भय सिंह आदि से भी उदगम स्थल पर होने वाले कार्यों की जानकारी ली। प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि पर्यटन विभाग के निर्देश पर टीम ने गोमती उदगम स्थल को विकसित किए जाने के संबंध में सर्वे किया है। अब सर्वेयरों की टीम भेजी जाएगी। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गोमती उद्गम स्थल का सर्वे करती यूपीपीसीएल की टीम। ● अमृत विचार

● अब सर्वेयरों की भेजी जाएगी टीम उप मुख्यमंत्री ने दिए थे निर्देश

● गोमती उद्गम स्थल परिसर का किया सर्वे, तैयार की रूपरेखा

केंद्रीय मंत्री की पहल पर कई स्तर से चल रही कवायद

गोमती नदी का उद्गम स्थल माधोटांडा के समीप है। मगर, जनपद का यह प्रमुख तीर्थ स्थल लंबे अरसे से उपेक्षा का शिकार चल रहा है। हालांकि उदगम स्थल के पुनरोद्धार को लेकर पूर्व में तत्कालीन डीएम अखिलेश मिश्रा एवं पुलकित खरे खासी रुचि दिखाई। तत्कालीन डीएम पुलकित खरे ने तो शाहजहांपुर बार्डर तक पैदल यात्रा कर तमाम कार्य भी करवाए, मगर उनके जाने के बाद कोई ठोस प्रयास नहीं किए गए। इधर मां गोमती ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य निर्भय सिंह, योगेश्वर सिंह समेत क्षेत्रवासियों ने गत वर्ष केंद्रीय मंत्री एवं पीलीभीत के सांसद जितिन प्रसाद से गोमती उदगम स्थल का पुनरोद्धार कराने का आग्रह किया था। केंद्रीय मंत्री ने भी दिलचस्पी दिखाते हुए गोमती उदगम स्थल को पर्यटन के लिहाज से विकसित करने के लिए केंद्रीय जलशक्ति मंत्री से मुलाकात कर आग्रह किया था। जिसके बाद केंद्रीय मंत्री के पहल पर जल शक्ति मंत्रालय की ओर से गोमती उदगम स्थल के पुनरोद्धार और पर्यटन के रूप में विकसित करने की कवायद तेजी से चल रही है। अब तक कई बड़ी संस्थाएं उदगम स्थल का सर्वे कर प्रोजेक्ट बनाने में जुटी हैं। वहीं कई प्रोजेक्टों का प्रस्तुतीकरण भी किया जा चुका है।

पिछले दिनों उप मुख्यमंत्री जनपद दौरे में आए थे। बैठक के दौरान उन्होंने गोमती उदगम स्थल समेत कुछ अन्य स्थलों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए थे। विगत वर्षों में गोमती उदगम स्थल पर कुछ कार्य कराए भी जा चुके हैं। अब इसके समेकित विकास की कवायद शुरू की जा रही है। गोमती उदगम स्थल को भी पर्यटन के लिहाज से विकसित किया जाना है। इसी क्रम में यूपीपीसीएल की टीम द्वारा सर्वे किया गया है। – **रविंद्र कुमार**, उपनिदेशक, पर्यटन, बरेली एवं मुरादाबाद मंडल

न्यूज ब्रीफ

कविता ने प्राप्त की पीएचडी की उपाधि

पीलीभीत, अमृत विचार : उपाधि महाविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर कविता कनौजिया ने समाजशास्त्र में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। प्राचार्य डॉ. दुष्यंत कुमार ने बताया कि कविता कनौजिया ने अपना शोध पूर्ण कर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उनके शोध का विषय भोटिया जनजाति की महिलाओं की प्रस्थिति का समाजशास्त्रीय अध्ययन उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के विशेष संदर्भ में था। इस शोध कार्य के मार्ग प्रदर्शक प्रोफेसर डॉ. सत्येंद्र नारायण रहे।

डीआईओएस के समक्ष रखी मांग

पीलीभीत, अमृत विचार: उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट के जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा ने डीआईओएस राजीव कुमार से मुलाकात की। राष्ट्रीय पेंशन योजना के अंतर्गत कटौती और खातों में जमा के बीच की अवधि में ब्याज की मांग की राष्ट्रीय पेंशन योजना के अंतर्गत कटौती 2016 से शुरू हुई थी, जबकि खातों में यह राशि 2023 में जमा हुई थी। बीच की अवधि का जीपीएफ पर देय ब्याज की दर से ब्याज देने की मांग की। शासनादेश हो चुका है। शासनादेश की प्रति कार्यालय में दी गई। डीआईओएस ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश पटल सहायक को दिए।

शिक्षकों के साथ छात्रों ने की साफ सफाई

जहानाबाद, अमृत विचार: एसके नेशनल पब्लिक इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति के तहत कार्यक्रम हुआ। जिसमें छात्राओं को हेल्पलाइन नंबर और शासन की योजनाएं बताई गई। उन्हें साइबर अपराध से बचने के तरीके बताता गया। विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें शिक्षकों के साथ बच्चों ने सफाई की। इस मौके पर प्रधानाचार्य शेषपाल सक्सेना, योगेंद्र गंगवार, हरिदेव शर्मा, अजमी, नीलोफर, आसमां आदि मौजूद रहे।

बलजिंदर को भाकियू चढ़ूनी में जिम्मेदारी

पीलीभीत, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी में पूरनपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम मुजहाकलां के निवासी बलजिंदर सिंह जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें प्रदेश प्रवक्ता पद पर मनोनीत किया गया है।

न्याय पंचायत स्तरीय स्पर्धाओं में बच्चों ने दिखाया दम, कई पुरस्कृत

100 मीटर बालक वर्ग की दौड़ में बिलगवां के अनुज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

लंबी कूद प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मरौरी ब्लॉक क्षेत्र की एक दिवसीय न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं की शुरुआत मंगलवार को खंड शिक्षाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने कराई। जूनियर हाई स्कूल टाहपौटा के खेल मैदान में न्याय पंचायत हिम्मतनगर और न्याय पंचायत मरौरी की खेलकूद प्रतियोगिता हुई।

सबसे पहले खंड शिक्षाधिकारी ने प्राथमिक स्तर की 100 मीटर बालक वर्ग की दौड़ को हरी झंडी दिखाकर शुरू कराया। इसमें बिलगवां के अनुज प्रथम, ललपुरिया के केशव द्वितीय स्थान पर रहे। खंड शिक्षाधिकारी ने बच्चों, शिक्षकों, खेल अनुदेशकों को संबोधित कर कहा कि खेलों से बच्चों में शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास भी होता है इसलिए खेल तो जरूरी है ही, साथ में पढ़ाई का भी विषय ध्यान दें। खेलों में बच्चे अपना भविष्य भी बना सकते हैं। शासन पढ़ाई के साथ-साथ खेलों पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। 50 मीटर प्राथमिक स्तर की वर्ग की दौड़ में हिम्मतनगर के अनिकेत प्रथम, पौटाखुर्द के गौरव द्वितीय, 200 मीटर दौड़ में बिलगवां के अनुज प्रथम, हिम्मतनगर के रंजीत द्वितीय रहे। प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग की 50 मीटर दौड़ में टाह की झलक प्रथम, पौटाखुर्द की संध्या द्वितीय, 100 मीटर दौड़ में टाहपौटा की झलक प्रथम, सोनाक्षी द्वितीय रही। 200 मीटर दौड़ में बिलगवां की वंदना प्रथम, जोनापुरी की ज्योति द्वितीय स्थान पर रही। 400 मीटर बालक वर्ग की दौड़ में बिलगवां के विकास प्रथम, टाह के लक्ष्मीकांत द्वितीय रहे। 400 मीटर बालिका वर्ग में टाह की सोनम प्रथम, पौटाखुर्द की लक्ष्मी द्वितीय रहीं। इसके अलावा खो-खो, कबड्डी, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, चक्का फेंक, बाधा दौड़ भी कराई गई। इस मौके पर खेल अनुदेशक आदित्य गंगवार, राजीव कुमार, भारत सिंह, नमिता गंगवार, सवाअजहर, अंजू सिंह, शालिनी राजपूत, खेल प्रभारी अजय कुमार, जिला व्यायाम शिक्षक राजीव कुमार, प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष बाबूराम गंगवार, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के ब्लॉक मंत्री खूबकरन शर्मा, रामगोपाल वर्मा, राजीव त्रिवेदी, सत्येंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

● मरौरी ब्लॉक की न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

कबड्डी में भानदांडी स्कूल विजेता

ललौरीखेड़ा ब्लॉक की संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता प्राथमिक विद्यालय उगनपुर में कराई गई। इसकी शुरुआत अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ संतोष कुमार गंगवार ने कराई। जूनियर बालक वर्ग 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में कंपोजिट विद्यालय बिठुआ के दीपक प्रथम रहे। जूनियर बालक वर्ग लंबी कूद में भानदांडी के रिषभ ने बाजी मारी। प्राथमिक स्तर बालक वर्ग लंबी कूद में असद प्रथम रहे। जूनियर बालिका वर्ग लंबी कूद में कंपोजिट स्कूल भानदांडी की अनामिका प्रथम रहीं। जूनियर बालिका वर्ग कबड्डी में कंपोजिट स्कूल भानदांडी विजयी रहा। इस मौके पर दीपक जायसवाल, पुष्पेंद्र कुमार, जितेंद्र कुमार, वीर सिंह, अयोध्या प्रसाद, वीरेंद्र कुमार, रंजीत सिंह, डॉली सिंह, लीना, प्रीति गंगवार, सत्य प्रकाश गंगवार, कुसुम, अनुदेशक भगवान दास, मोहम्मद अब्दुल आदि मौजूद रहे।

हिंदी और अंग्रेजी भाषा की स्पेल बी प्रतियोगिता संपन्न

पीलीभीत, अमृत विचार: प्राथमिक विद्यालय टाह पौटा में विद्यालय स्तरीय हिंदी और अंग्रेजी भाषा की स्पेल बी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। इस दौरान शिक्षकों ने बच्चों को प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया और खुलकर सवाल का उत्तर देने के लिए कहा।

हिंदी भाषा की श्रुतलेख प्रतियोगिता में कौशल राज और रेनू कुमारी, सुलेख प्रतियोगिता में ऋषभ और झलक वर्मा, हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कृष्णा और प्रांशी, कविता पाठ प्रतियोगिता में आकाश और झलक वर्मा, हिंदी निबंध प्रतियोगिता में कृष्णा और प्रांशी विजेता बने। अंग्रेजी भाषा की श्रुतलेख प्रतियोगिता में आकाश और रेनू कुमारी, सुलेख प्रतियोगिता में ऋषभ और पल्लवी, स्पेल बी में कौशल राज और सोनी, कविता पाठ प्रतियोगिता में आर्यन कुमार मौर्य और गुंजन, क्विज में पल्लव मौर्य और आयुषी सागर विजेता बने। विजेताओं और प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर अंजना शुक्ला, प्रगति धामी, ममता देवी आदि मौजूद रहे। प्रधानाध्यापक ने बताया बच्चों के विकास के प्रतियोगिताएं जरूरी है।

अमरिया बार एसोसिएशन की छठवें दिन भी हड़ताल

हड़ताल पर गए अमरिया के अधिवक्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, अमरिया

अमृत विचार: तहसील बार एसोसिएशन के अधिवक्ता छठवें दिन भी हड़ताल पर रहे। तहसील अमरिया में भ्रष्टाचार व्याप्त होने का आरोप लगाया। प्राइवेट कर्मचारियों को हटाने की मांग ,पेशकार का तहसील अमरिया से स्थानांतरण करने की मांग की गई। एसडीएम मयंक गोस्वामी को ज्ञापन दिया था।

अधिवक्ताओं ने डीएम ज्ञानेंद्र सिंह से भी एक दिन पूर्व मुलाकात की और मांग पत्र सौंपा। ये बताया एसडीएम अमरिया ने 10 अक्टूबर को तहसील के अधिवक्ता हबीब अहमद को अपने आफिस में बुलाया। वार्ता होते समय न्यायालय के पेशकार भी कार्यालय में आ गए।आरोप है कि अधिवक्ता हबीब अहमद से पेशकार ने अभद्र व्यवहार किया। पेशकार को समझाने की कोशिश की, जिस पर पेशकार नाराज हो गए और तहसील के कर्मी एकत्र हो गए। इसके बाद अधिवक्ता हबीब अहमद को एसडीएम कार्यालय से एसडीएम के चैम्बर से बाहर ले आए। अधिवक्ताओं ने पेशकार के व्यवहार पर भी सवाल उठाए और कार्य प्रभावित करने के आरोप लगाए। पेशकार का तहसील अमरिया से स्थानांतरण कराने की मांग की गई। इस मौके पर हबीब खां, शेखर त्यागी, एमएम मदार, तनवीर अंसारी, हसनैन मलिक, सुंदरलाल चतुर्वेदी,छत्रपाल,महिपाल गंगवार, शिवचरण, नदीम मलिक आदि अधिवक्ता शामिल रहे।

धूमधाम से मनाया श्रीश्याम महोत्सव

मझोला, अमृत विचार: कस्बे में 14वां श्री श्याम महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। खेल मैदान में श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से किए गए आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिलन हुए और श्रद्धा भाव के साथ भजन गाए। कलाकारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

दिल्ली से साक्षी मिश्रा, रुद्रपुर से शुभम सक्सेना, जयपुर से अजय शर्मा और वृंदावन से अमन मिश्री पहुंचे और सुरीली में भजनों की प्रस्तुति दी। बाबा श्याम के भजनों पर झूमते श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। बाबा का दरबार आकर्षण का केंद्र रहा। जिसे देखने के लिए श्रद्धालु देर रात तक पंडाल में जुटे रहे। दरबार की भव्य सजावट और पुष्प सज्जा ने भक्तों का मन मोह लिया। इस मौके पर श्री श्याम मित्र मंडल के प्रेमचंद्र गोयल, उत्तम, मुकेश सक्सेना, मनीष पटेल, सोमनाथ मौर्य, अंकित, चंदन गोयल, अमित गर्ग, मनोज सिंघल का विशेष योगदान रहा। उत्तराखंड के जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य ने भी बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाई। उनके साथ मंडल सदस्य सोमनाथ मौर्य और रविंद्र राणा भी शामिल हुए। बाबा श्याम के जयकारों से परिसर गूंजता रहा।

कार्यक्रम में सजा श्रीश्याम बाबा का दरबार। ● अमृत विचार

बार बेंच के सहयोग से मिलता रहेगा सस्ता न्याय

विधि संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जिला एवं सत्र न्यायाधीश रविंद्र कुमार ने कहा बार बेंच के सहयोग से वादकारियों को सस्ता सुलभ न्याय मिलता रहेगा। जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के सभाकक्ष में हुए स्वागत समारोह के दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने ये विचार रखे।

उन्होंने अधिवक्ताओं के सहयोग से बेहतर न्याय उपलब्ध कराने की बात कही। अधिवक्ताओं ने जनपद न्यायाधीश का माल्यार्पण कर स्वागत किया। जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेंद्र मिश्र और महासचिव आनंद मिश्रा ने उन्हें बांसुरी भेंट की। जनपद न्यायाधीश सहित सभी न्यायिक अधिकारियों का दोशाला ओढ़ाकर एवं बांसुरी भेंट कर सम्मान किया गया। परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश संजीव कुमार सिन्हा, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार डुंगराकोटी , विशेष न्यायाधीश राम किशोर, स्पेशल जज टीएन पासवान ,अपर जिला जज महेशानंद झा आदि ने विचार व्यक्त किये।

इस मौके पर अपर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय श्वेता दीक्षित, एएसजे आतिफ शमीम ,अपर सत्र न्यायाधीश छांगुर राम, सीजेएम मंगल देव सिंह, एसीजेएम सुंदर पाल,अपर सिविल जज सतीश कुमार, सिविल जज आनंद कुमार, सेंट्रल बार अध्यक्ष सरोज बाजपेई, सचिव विमल सिंह, बाबूराम शर्मा ,रामावतार रस्तोगी, राजीव अवस्थी, पूर्व अध्यक्ष एजाज अहमद खान ,रामसनेही गौतम, अशोक शर्मा , तेज सिंह वर्मा,विद्या राम वर्मा,आशा रानी, वृंदावन मौर्य, महेंद्र मिश्रा, नरेश गंगवार,संजय सिंह, सुधीर मिश्रा,माखनलाल सैनी, सैयद हैदर जाफरी ,अशोक वाजपेई,विवेक मोहत्सिम मालिक आदि मौजूद रहे।

न्यायाधीश रविंद्र कुमार को बांसुरी भेंट करते बार अध्यक्ष व महासचिव।

आंगनबाड़ी और शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता, बिलसंडा

अमृत विचार: ब्लॉक संसाधन केंद्र पर वंडर बॉक्स प्रशिक्षण मंगलवार को शुरू हो गया। जिसमें ब्लॉक के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और नोडल शिक्षकों को बारीकी से जानकारी दी गई। बताया गया कि वंडर बॉक्स के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्र पर पंजीकृत नौनिहालों को कैसे बुनियादी शिक्षा से जोड़ा जाए और क्या-क्या उसके नवाचारी तौर तरीके हैं।

अंडर बॉक्स में छोटी-छोटी खिलौने जैसी अन्य ज्ञान वर्धक वस्तुओं की जानकारी देकर आंगनबाड़ी केंद्र पर पंजीकृत बच्चों में अभिरुचि पैदा की जाएगी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और बेसिक शिक्षा परिषद के नोडल शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। इसका मुख्य उद्देश्य प्री प्राइमरी के बच्चों को गतिविधियों आधारित शिक्षा देना है। ट्रेनिंग में शिव प्रकाश मिश्रा,शारदा, रेनू गंगवार ने प्रशिक्षण दिया। खंड शिक्षा अधिकारी शिव शंकर मौर्य ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण का महत्व बताया। कहा कि मुख्य उद्देश्य बाल वाटिका और कक्षा एक ,दो के बच्चों को आसान विधि से शिक्षा देना, शिक्षा के प्रति रुचि को बढ़ाना और उन्हें निपुण बनाना है। वंडर बॉक्स प्रशिक्षण में विकासखंड बिलसंडा के 81 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व 81 नोडल शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

● वंडर बॉक्स के माध्यम से बच्चों को पढ़ाने का तरीका बताया

व्यापारी की पत्नी की चेन चोरी करने के मामले में रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार: शहर के मोहल्ला शेखचांद निवासी अजय अग्रवाल ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया सोमवार को उनकी पत्नी शशि अग्रवाल और बहू साक्षी अग्रवाल बच्चों को लेकर ई-रिक्शा से दवा दिलाने जा रही थी। सुनहरी मस्जिद के कुछ आगे हनुमान मंदिर के पास से तीन महिलाएं और उनके साथ छोटी बच्ची भी उस रिक्शा में बैठ गई। पत्नी द्वारा गले में पहनी गई सोने की चेन महिलाओं के कहने पर पर्स में रख ली। लाल रोड पर महिलाएं उतर गई। जब पत्नी ने पर्स चेक किया तो उसमें चेन नहीं थी।रिक्शे में सवार महिलाओं पर चोरी करने का आरोप लगाया। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

रसिया खानपुर में दो और बुजुर्गों की मौत एक को बुखार तो दूसरे को थी अन्य बीमारी

संवाददाता, बीसलपुर (पीलीभीत)

अमृत विचार : रसिया खानपुर में तीन दिन के बाद दो और बुजुर्गो की मौत हो गई। इनमें एक बुजुर्ग की मौत उनकी बीमारी से बताई जा रही है, जबकि दूसरे की बुखार से होने की पुष्टि एमओआईसी बीसलपुर कर रहे हैं। सूचना मिलने पर टीम गांव पहुंचकर जांच पड़ताल कर रही है। साथ ही उनके परिवार के लोगों की भी जांच कराई जा रही है।

बीसलपुर ब्लॉक के गांव रसिया खानपुर में अब तक नौ लोगों की बुखार से मौत हो चुकी है। जबकि हर घर में कोई न कोई बुखार से पीड़ित है। सरकारी अस्पताल में 27 मरीज भर्ती है। शेष का प्राइवेट और बरेली में इलाज चल रहा है। मंगलवार को इसी गांव के रहने वाले बुंदन (75) और कुदरतुल्ला (65) की मौत हो गई। एमओआईसी के अनुसार कुदरतुल्ला कई दिनों से बुखार से पीड़ित थे। उनका पहले इलाज बीसलपुर में किसी निजी चिकित्सक के यहां चल रहा था। हालात बिगड़ने पर परिवार वाले मंगलवार को बरेली ले गए थे, जहां उनकी मौत हो गई। जबकि बुंदन की मौत पुरानी बीमारी से हुई है। उन्हें पहले से टीबी और श्वास की समस्या से ग्रसित चल रहे थे। मौत की सूचना पर पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौत की वजह से जाने के लिए उनकी इलाज की बीएसटी आदि से पड़ताल कर रहे हैं। गांव में मलेरिया की टीम ने गांव में फॉगिंग और एंटी लार्वा दवा का छिड़कावं कराया है। जिम्मेदारों का कहना है कि पहले से स्थिति कंट्रोल है। एमओआईसी डॉ. आलमगीर ने बताया कि दो ग्रामीणों की मौत की सूचना मिली है। एक मरीज पहले से बीमार चल रहाथा। दूसरा बुखार से होने की बात सामने आ रही है। जांच कराई जा रही है।

गांव में जानकारी करती स्वास्थ्य टीम। ● अमृत विचार

● सूचना मिलने पर गांव पहुंची टीम, शुरू किया पड़ताल

● श्वास और टीबी की बीमारी से ग्रसित था एक बुजुर्ग

न्यूज डायरी

तीसरी बार लिटिल एंजेल्स स्कूल बना विजेता

पीलीभीत, अमृत विचार : लिटिल एंजेल्स स्कूल ने तीसरी बार सीमा अग्रवाल मेमोरियल इंटर स्कूल कबड्डी टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इसे लेकर शिक्षक व अन्य स्टाफ ने खुशी जताई। दो दिवसीय टूर्नामेंट के तहत मंगलवार को पहला सेमीफाइनल स्प्रिंगडेल कॉलेज और गोस्वामी मॉम्स प्राइड के बीच हुआ। जिसमें गोस्वामी माम्स प्राइड स्कूल ने जीत दर्ज की। दूसरे सेमीफाइनल में लिटिल एंजेल्स स्कूल ने बेनहर गुरुकुल को हराकर फाइनल में जगह बनाई ।फाइनल मुकाबला लिटिल एंजेल्स स्कूल और गोस्वामी माम्स प्राइड के बीच खेला गया। प्रबंधक डॉ संजीव अग्रवाल, प्रधानाचार्य एनसी पाठक, कार्यकारी निदेशक उज्जवल अग्रवाल, उप प्रधानाचार्या अंजू सक्सेना, हेड मिस्ट्रेस नीना मेहरोत्रा, अकाउंटेंट राजेश गंगवार समेत अन्य ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया एवं खेल भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया। फाइनल मैच में लिटिल एंजेल स्कूल नें गोस्वामी मोम्स प्राइड स्कूल को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। अतिथियों ने टीमों एवं खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया ।

बच्चों ने चलाया सफाई अभियान

बिलसंडा, अमृत विचार : सस्टेनेबिलिटी एवं जल पर प्रोजेक्ट रिपोर्ट विप्रो एवं सीईई के तत्वाधान में हैप्पी ब्लू बर्ड के बच्चों की ओर से बनाई जा रही है। विद्यालय की सीरत,शानवी,आराध्या, विभा, परिधि ने अपने गाइड शिक्षक वैभव अवस्थी के साथ ग्राम हेमपुर का भ्रमण किया और प्रधान गुड्डी देवी से मुलाकात की। प्रधान ने बताया उन्होंने गांव को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। जिसमें कचरा प्रबंधन एवं स्वच्छ जल की व्यवस्था महत्वपूर्ण कार्य है। बच्चों ने विद्यालय के डायरेक्टर डॉ .गौरव शुक्ला और प्रबंधक विक्रम नरेश जायसवाल के निर्देशन में गांव में स्वच्छता अभियान चलाया। बच्चों ने सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।

बच्चों ने अभिभावकों के साथ खरीदे मिट्टी के दीये

पीलीभीत, अमृत विचार : गोस्वामी मॉम्स प्राइड स्कूल में मंगलवार को मिट्टी की कला और ऑर्गेनिक चीजों को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम किया गया। कुम्हारों को स्कूल में आमंत्रित किया गया। इसके बाद उनके हाथों से बने मिट्टी के दीये व अन्य वस्तुएं खरीदी गई। चेयरपर्सन सोनिया गोस्वामी ने कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ शिक्षा देना नहीं बल्कि बच्चों को भारतीय संस्कृति से जोड़ना भी है। अभिभावकों व छात्रों ने बढ़-चढ़कर मिट्टी के उत्पाद खरीदे। एमडी निशांत गोस्वामी का मार्गदर्शन रहा। इसके साथ ही लोगों को स्वदेशी उत्पदा खरीदने को प्रेरित किया।

दीपावली पर छात्रों ने लगाई प्रदर्शनी

पीलीभीत, अमृत विचार : बल्लभनगर कॉलोनी स्थित लॉर्ड कृष्णा स्कूल में दीपावली के उपलक्ष्य में एक चैरिटेबल एग्जीबिशन का आयोजन किया गया। कक्षा पीएनसी से आठ तक के बच्चों ने कलाकृतियां बनाई। संस्थापिका सीमा दीक्षित,प्रबंधक सनी दीक्षित, प्रधानाचार्या रोजी दीक्षित ने शुरुआत कराई। सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीपदान और पुष्पांजलि दी गई। सभी कक्षाओं के छात्र वालंटियर के रूप में अपने-अपने स्टॉल पर खड़े होकर अभिभावकों को अपने - अपने स्टॉल की ओर आकर्षित करते दिखे। अभिभावकों ने छात्रों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की प्रशंसा की। छात्रों ने कंदील, दीये,वॉल हैंगिंग, आसन, दीया स्टैंड ,बंदनवार, आरती की थाल ,रंगोली, झूमर, माता के चरण, शुभ लाभ, स्वास्तिक,ओम फ्लावर पॉट, होम डेकोर में सजावटी आईने, घर को सजाने के समान आदि बनाए। इस चैरिटेबल एग्जीबिशन के द्वारा इकट्ठा किया गया धन दान में वितरित किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

मझगई में दिखा जंगली जानवर, दहशत

मझगई, अमृत विचार : कस्बे में सोमवार शाम एक गैस एजेंसी के पास जंगली जानवर देखे जाने से हड़कंप मच गया। एजेंसी के पास मुख्य रूप से गन्ने के खेत हैं, जहां अचानक तेंदुए के शावक जैसे दिखने वाले जानवर ने लोगों को सकते में डाल दिया। हालांकि वन विभाग ने जानवर को फिशिंग कैट बताया है। एजेंसी के कर्मचारी शादाब खान ने बताया कि गन्ने के खेत से निकलते हुए तेंदुए जैसी शकल वाला हिंसक जानवर दिखाई दिया। यह देख ग्राहकों में दहशत फैल गई और आसपास के ग्रामीण भी मौके पर इकट्ठा हो गए। मौके पर पहुंचे फॉरेस्ट गार्ड भूपेंद्र सिंह ने कहा कि जांच के दौरान फिशिंग कैट के पगचिह्न मिले हैं। उनका कहना है कि जानवर के बच्चे बाघिन, तेंदुए के नहीं थे।

मोबाइल चोर और हत्या के प्रयास में गिरफ्तार

उचौलिया अमृत विचार : पुलिस एक मोबाइल चोर और हत्या के प्रयास में नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार नई बस्ती निवासी उस्मान के पास से चोरी के चार मोबाइल बरामद किए हैं। इसके अलावा हत्या के प्रयास में नामजद आरोपी धर्मेन्द्र निवासी रंजीतपुर मजरा रामपुर ग्रंट को गिरफ्तार किया है। उस पर 16 सितंबर को रंजीतपुर निवासी विशाल राबर्ट पुत्र जितेन्द्र पर गांव के बाहर अपने तीन साथियों सहित जानलेवा हमले का आरोप है।

एसडीएम-सीओ ने किया दुकानों का निरीक्षण

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : एसडीएम मोहम्मदी चालुबराजु आर ने सीओ मोहम्मदी अरुण कुमार सिंह के साथ कस्बा जेबीगंज में पटाखे की दुकानों का निरीक्षण किया और उनके लाइसेंस आदि कागजात देखे। साथ ही दुकानदारों को सुरक्षा मानकों का शत प्रतिशत पालन करने के सख्त निर्देश दिए। अफसरों ने कहा कि बिना लाइसेंस पटाखा बेचने पर कार्रवाई की जाएगी।

सेंट्रल बार एसोसिएशन की बैठक कल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : सेंट्रल बार एसोसिएशन की ऑडिट कमेटी ने 16 अक्टूबर को दोपहर 12.30 बजे से संघ सभागार में बैठक आहूत की है। आडिट कमेटी के अधिवक्ता नरेश सिंह तोमर ने बताया कि संघ की ऑडिट कमेटी ने अपनी रिपोर्ट 22 सितंबर को पूर्ण कर जानकारी कार्यकारिणी को दे दी थी। किंतु कार्यकारिणी ने बैठक नहीं बुलाई, जिससे आडिट रिपोर्ट पर चर्चा के लिये 16 अक्टूबर को विशेष सामान्य सभा अधिवक्ता भवन के सभागार में बुलाई गई है।

सत्यापन तो कहीं बिजली समस्या, आधे केंद्रों पर खरीद नहीं

संसाधनों की कमी और मिलों के भरोसे रफ्तार नहीं पकड़ पा रही धान खरीद

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: संसाधनों की कमी और मिलों के भरोसे चली आ रही पुरानी व्यवस्था के चलते धान खरीद रफ्तार नहीं पकड़ पा रही है। जिन केंद्रों पर एक या दो ट्राली खरीद हुई भी है, वहां किसान के सत्यापन का अड़ंगा है। कुछ केंद्र प्रभारी खाली बैठे नजर आए। पूछने पर कहा कि बिजली नहीं आ रही, जिससे थ्रेसर नहीं चल पा रहे और तौल भी नहीं हो पा रही। बहरहाल, अभी तक 50 फीसदी केंद्रों पर खरीद नहीं हो पाई है। वहीं अखबारों में खबरें छपने के बाद विपणन विभाग का यही प्रयास है कि हर सेन्टर पर धान खरीद का खाता खुल जाए।

जिला प्रशासन के निर्देश पर जिले में 124 केंद्रों पर तीन अक्टूबर से सरकारी धान खरीद शुरू की गई थी। छह एजेंसियों को खरीद का जिम्मा दिया गया है। धान खरीद का लक्ष्य दो लाख 22 हजार मीट्रिक टन दिया गया है। इस बार धान का न्यूनतम मूल्य 2369 रुपये और ग्रेड ए धान की कीमत 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई है। हकीकत यह है कि अधिकांश केंद्रों पर सिर्फ बैनर टंगे हुए हैं। खाद्य विभाग के कुछ केंद्रों पर खरीद शुरू कराकर खाना पूर्ति कर दी गई है, हालांकि जो खरीद की गई है, उसका अभी सत्यापन भी नहीं हो पाया है।

खरीद केंद्रों पर बिजली की समस्या का भी केंद्र प्रभारियों को सामना करना पड़ रहा है तो सबसे बड़ी समस्या सत्यापन न होना है। किसान इन केंद्रों पर धान लेकर जाते हैं और मायूस होकर लौटते हैं। वहीं जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी नमन पांडेय का दावा है कि प्रत्येक केंद्र पर धान खरीद शुरू कर दी गई है।

सरकारी खरीद केंद्रों के सामने आढ़तियों ने लगा रखे धान के ढेर। ● अमृत विचार

सरकारी केंद्र के सामने आढ़ती ने लगाया धान का ढेर

मंडी में मंगलवार को खाद्य विभाग के सेंटरों पर अधिकारी कर्मचारी बैठे नजर आए, लेकिन एजेंसियों के केंद्र पर सिर्फ बैनर लटकते मिले। यहां दो युवक बैठे थे, जिन्होंने बताया कि साहब कहीं गए हैं। यहां अभी खरीद शुरू नहीं हो पाई है। वहीं इन केंद्रों के सामने ही आढ़ती ने धान के ढेर लगा रखे हैं। इस बात का भी केंद्रों प्रभारियों पर कोई फर्क नहीं। क्योंकि जहां उन्हें धान के ढेर लगाने चाहिए, वहीं आढ़ती लगा रहे हैं। इससे भी धान खरीद की हकीकत का अंदाजा लगाया जा सकता है।

माफिया के साये में धान खरीद, भटक रहे किसान

मौके ● अमृत विचार

सरकारी धान खरीद शुरू हो गई है। सभी केंद्रों पर धान खरीदा जा रहा है, लेकिन अभी भी नमी की मात्रा अधिक होने की वजह से उसे सुखाकर लाने को कहा जा रहा है। जो किसान जागरूक हैं, वह धान सुखाकर ही ला रहे हैं। – **नमन पांडेय**, जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी।

क्या कहते हैं किसान

निपनिया के किसान विशाल कुमार ने बताया कि किसान धान लेकर मंडी के क्रय केंद्रों पर जा रहे हैं, लेकिन उनके धान को नमी बताकर वापस कर देते हैं। किसान बाजार में धान को 1500 से 1700 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से बेच रहे हैं। किसान सचिन ने बताया कि धान लेकर सेंटर पर जाते हैं, लेकिन सेंटर वाले धान खरीदने में रुचि नहीं दिखाते। ज्यादातर किसानों के खेतों में धान कटकर गेहूं बो चुका है, इसके बाद भी खाद्य एवं विपणन विभाग की खरीद जारी है और जनवरी तक जारी रहेगी। यह फर्जी खरीद नहीं तो क्या है।

एडीएम ने देखे धान खरीद सेंटर, कड़ी चेतावनी दी

लखीमपुर खीरी, सरकारी धान खरीद शुरू न होने की शिकायतों पर जिला प्रशासन गंभीर है। मंगलवार को एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने कृषि उत्पादन मंडी समिति, राजापुर पहुंचे और औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर विभिन्न क्रय केंद्रों की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और प्रभारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप निष्पक्ष, समयबद्ध और पारदर्शी खरीद प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। उन्होंने किसी भी तरह की लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी।एडीएम ने धान तौल प्रक्रिया, भुगतान रजिस्टर, भंडारण व्यवस्था और किसानों के सत्यापन की स्थिति का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र प्रभारी से धान की गुणवत्ता और खरीद की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी ली। केंद्र प्रभारी ने बताया कि जिन किसानों का धान नमीयुक्त है, उनका धान मंडी परिसर में सुखाकर खरीदा जा रहा है। किसानों से लगातार अपील की जा रही है कि वे सूखाकर धान लेकर ही मंडी आएं, ताकि तौल और भुगतान की प्रक्रिया में कोई विलंब न हो। एडीएम ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान बिक्री करने के लिए किसानों को प्रेरित करने को कहा। उन्होंने चेतावनी दी कि खरीद प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही, गड़बड़ी या देरी पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय करते हुए तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

औषधि निरीक्षक ने मेडिकल स्टोर स्वामी के घर मारा छापा

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: स्वास्थ्य विभाग की टीम ने औषधि निरीक्षक के साथ मंगलवार को नगर की सिनेमा रोड स्थित एक मेडिकल संचालक के आवास पर छापा मारकर प्रतिबंधित दवाई बरामद की, जिन्हें आवश्यक कार्यवाही के बाद जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा।

मंगलवार को सिनेमा रोड स्थित पीयूष मेडिकल हॉल पर औषधि निरीक्षक बबीता रानी ने पुलिस टीम के साथ छापा मारकर प्रतिबंधित दवाएं बरामद की, जिन्हें कोतवाली भिजवाया, जहां कार्रवाई के बाद जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। ड्रग इंस्पेक्टर बबिता रानी ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि गोला क्षेत्र में कुछ मेडिकल संचालक प्रतिबंधित दवाओं का भंडारण कर बिक्री कर रहे हैं। पीयूष मेडिकल हाल स्वामी के आवास पर तलाशी में घर से प्रतिबंधित दवाओं की खेप बरामद की है। ड्रग इंस्पेक्टर ने बताया कि दवाओं के नमूने एकत्र किए हैं, जिन्हें परीक्षण को भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई से मेडिकल कारोबारियों में हड़कंप मच गया।

अयोध्या के दीपोत्सव में जलेंगे खीरी की माटी के दीये

गोबर के दीपकों से भरे वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते सीडीओ अभिषेक कुमार।

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इको-फ्रेंडली दीपोत्सव के संकल्प को साकार करने में लखीमपुर की माटी ने अपनी खुशबू भी मिलाई और करामात भी दिखा दी। सीडीओ अभिषेक कुमार की पहल और बीडीओ धौरहरा संदीप कुमार के नेतृत्व में आकांक्षी ब्लॉक धौरहरा की ग्रामीण व स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने गोबर से 25 हजार दीपक तैयार कर एक अनोखी मिसाल कायम की है। मंगलवार को सीडीओ अभिषेक कुमार ने प्रशिक्षु आईएएस मनीषधारवे के साथ विकास भवन परिसर से इन इको-फ्रेंडली दीयों से भरे वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये दीपक अब अयोध्या के भव्य दीपोत्सव में राम की पैरी (अयोध्या धाम) को रौशन करेंगे। सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि अयोध्या का दीपोत्सव केवल रोशनी का नहीं, बल्कि जनसहभागिता और स्वावलंबन का उत्सव है। लखीमपुर की महिलाओं ने इस अभियान में जो योगदान दिया है, वह गर्व का विषय है। बीडीओ संदीप कुमार ने बताया कि महिलाओं ने कुछ ही दिनों में गोबर से इतने सुंदर व पर्यावरण हितैषी दीए तैयार किए हैं, जिनसे न केवल आय सृजन हुआ बल्कि आत्मनिर्भरता का दीप भी जला। ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और सृजनशीलता से तैयार ये दीए अब अयोध्या की पवित्र भूमि पर जलकर उस संदेश को फैलाएंगे। गोबर का हर दीया, आत्मनिर्भर भारत की ज्योति है।

नरैना बाबा के लोग बोले दूसरे समुदाय के दबाव में नहीं डालते वोट

धौरहरा, अमृत विचार: विकास खंड धौरहरा के गांव नरैना बाबा के ग्रामीणों ने आगामी प्रधानी चुनाव से पहले अपने गांव में ही मतदान केंद्र बनाए जाने की मांग उठाई है। ग्रामीणों ने तहसील मुख्यालय पहुंचकर एसडीएम धौरहरा शशिकांत मणि को ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत जुगुनूपुर के मजरा नरैनाबाबा में करीब 1800 मतदाता हैं, लेकिन मतदान केंद्र जुगुनूपुर के सविलियन विद्यालय में होने के कारण हर चुनाव में दिक्कत होती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मतदान के दिन जुगुनूपुर के दूसरे समुदाय के लोग महिलाओं को डराते-धमकाते हैं, जिससे कई मतदाता मतदान से वंचित रह जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि निष्पक्ष और निर्भीक मतदान सुनिश्चित करने के लिए मतदान केंद्र उनके ही गांव के प्राथमिक विद्यालय नरैना बाबा में बनाया जाए। एसडीएम धौरहरा शशिकांत मणि ने बताया कि ग्रामीणों का ज्ञापन प्राप्त हुआ है। शासन से जब मतदान केंद्रों की रिपोर्ट मांगी जाएगी, तब जांच कर प्रस्ताव भेजा जाएगा।

ज्वैलर्स से लूट और चोरी ने खोली पुलिस गश्त की पोल

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: दिवाली जैसा बड़ा त्योहार नजदीक आने पर डीजीपी और एसपी स्तर से पुलिस को सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखने, भ्रमणशील रहने और गश्त तेज करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन थाना मितौली की कस्ता पुलिस चौकी से कुछ कदम की दूरी पर हुई ज्वैलर्स की दुकान में लाखों की चोरी और सरेशाम थाना सिंगाही क्षेत्र में स्टेट हाईवे पर ज्वैलर्स से लूट की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है।

होली, दिवाली हो या अन्य कोई बड़ा त्योहार। पुलिस चोरी और लूट जैसी घटनाओं को रोकने के लिए रणनीति बनाती है। एसपी से लेकर अन्य अफसर भी सड़कों पर उतरकर पैदल गश्त करते हैं और लोगों को सुरक्षित माहौल देने का प्रयास करते हैं। यही वजह है कि बड़े त्योहार के आते ही सभी की पुलिस से उम्मीद बढ़ जाती है कि सड़कें सुरक्षित होंगी और व्यापारियों के चैन में चैन रहेगा, लेकिन खास तौर पर थाना स्तर पर बड़ी लापरवाही की जाती है। इसका लाभ शातिर किस्म के अपराधी बखूबी उठाते हैं। थाना मितौली की कस्ता चौकी से सिर्फ कुछ कदम की दूरी पर हुई ज्वैलर्स की दुकान में लाखों की चोरी और थाना सिंगाही क्षेत्र में सरेशाम स्टेट हाईवे पर ज्वैलर्स के साथ लूट ने पुलिस प्रशासन की नींद उड़ा दी है। व्यापारियों का कहना है कि त्योहारों के समय पुलिस गश्त की बात सिर्फ फॉर्मेलिटी बन गई है। हमारे लाखों रुपये की सुरक्षा किसे भरोसे दी जाए।

- कानून व्यवस्था पर सवाल दिवाली से पहले व्यापारी बेहाल
- सिंगाही में ज्वैलर्स से लूट, मितौली में चोरी ने उड़ाई पुलिस की नींद

ज्वैलर्स से लूट मामले में एफआईआर दर्ज

सिंगाही। सोमवार को सिंगाही निवासी ज्वैलर्स अमित सोनी के सिर पर लोहे की रॉड मारकर गंभीर घायल करने और लूटपाट मामले में पुलिस ने पल्सर सवार तीन अज्ञात नकाबपोश बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है, लेकिन पूरी कहानी में सोने-चांदी से भरा बैग छोड़ जाने और उसमें से 35 हजार रुपये की नगदी लूट ले जाने की बात किसी के गले नहीं उतर रही है। वहीं इस बिंदु ने पूरी घटना को सवालों के घेरे में लाकर खड़ा कर दिया है। पुलिस घटना को पुरानी रंजिश से जोड़कर भी देख रही है। घटना से एक दिन पहले सिंगाही की एक पान की दुकान पर 1000 रुपये की उधारी को लेकर अमित सोनी का सिंगहा कलां निवासी एक युवक से काफी विवाद हो गया था। पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है।

एफआईआर में पुलिस का खेल, नहीं दिखाई मात्रा

मितौली। कस्ता पुलिस चौकी से चंद कदमों की दूरी पर स्थित जीतू ज्वैलर्स की दुकान का शटर काटकर रविवार की रात चोर 05 किलो चांदी और 50 ग्राम सोना चोरी कर ले गए थे। पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी पर हुई वारदात से पुलिस की सक्रियता पर प्रश्न चिन्ह लगा है। पुलिस ने दुकान मालिक की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट तो दर्ज की है, लेकिन उसमें खेल कर दिया। पुलिस ने उसमें चोरी गए माल का वजन नहीं दिखाया है। जानकार बताते हैं कि पांच लाख से अधिक की चोरी गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है। इसकी मॉनिटरिंग डीजी स्तर से होती है। इससे बचने के लिए पुलिस ने चोरी गए माल का वजन एफआईआर में नहीं दर्शाया है। उधर पुलिस घटना के खुलासे के लिए अंधेरे में हाथ पैर चला रही है। हालांकि पुलिस ने कुछ पुराने शातिर चोरों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ कर रही है, लेकिन अभी उसके हाथ खाली हैं।

जिला जज ने जेल में जाना कैदियों का हाल

गोशाला में गाय को केला खिलाते जिला जज शिव कुमार सिंह। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- महिला बैरक से लेकर गोशाला तक किया निरीक्षण
- गोवंश को खिलाए फल, बच्चों को दिए बिस्किट

अमृत विचार: जिले में पदभार ग्रहण करने के बाद जिला जज शिव कुमार सिंह ने मंगलवार को पहली बार जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। उनके साथ विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एडीजे वीरेंद्र नाथ पांडेय और सीजेएम प्रमोद यादव भी मौजूद रहे।

निरीक्षण की शुरुआत महिला बैरक से हुई। यहां निरुद्ध 37 महिला बंदियों से जिला जज ने एक-एक कर उनके मुकदमों की जानकारी ली। उन्होंने पूछा कि क्या सभी को सरकारी वकील की सुविधा मिल रही है या नहीं। महिला बंदियों के साथ रह रहे तीन मासूम बच्चों को जब जिला जज ने बिस्कुट दिए, तो उनके चेहरों पर मुस्कान खिल उठी। इसके बाद जिला जज जेल की गौशाला पहुंचे। वहां उन्होंने गोवंश को अपने हाथों से फल खिलाए और दुलार किया, जिससे निरीक्षण का माहौल कुछ देर के लिए भावनात्मक हो गया। उन्होंने जेल अस्पताल में भर्ती 11 निरुद्ध बंदियों की सेहत के बारे में भी जानकारी ली और जेल चिकित्सक डॉ. दीपान्तर रावत को बेहतर इलाज की व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जेल पाकशाला में बन रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच कर जिला जज ने खुद संतुष्टि जताई। उन्होंने सजायाफ्ता बंदियों की अपीलें समय से उच्च न्यायालय भेजने और किसी भी बंदी को विधिक सहायता से वंचित न रखने के सख्त निर्देश दिए।

इस अवसर पर जेल अधीक्षक पीडी सलौनिया, जेलर डीके वर्मा, डिप्टी जेलर डीपीएस. राठौर भी मौजूद रहे।

आंध्रा पुलिस का झमपुरवा गांव में सर्च अभियान

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- लोकल पुलिस को जानकारी नहीं खुफिया इनपुट पर पहुंची आंध्र प्रदेश की टीम

अमृत विचार: शारदा नगर क्षेत्र का झमपुरवा गांव अचानक पुलिस की गाड़ियों के शोर से गूंज उठा। चार बसें, दर्जनों कारें और सैकड़ों सिपाहियों के साथ आंध्र प्रदेश के हैदराबाद पुलिस ने गांव को चारों ओर से घेर लिया। गांव वालों ने जब बाहर झांका तो पूरे इलाके में पुलिस दिखाई दी। किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा।

खुफिया सूत्रों के मुताबिक, झमपुरवा गांव के एक युवक के विदेशी चरमपंथी संगठन से डिजिटल संपर्क की खबर ने इंटेलिजेंस एजेंसियों के कान खड़े कर दिए। बताया जाता है कि युवक ने हाल ही में सिर पर साफा बांधकर हथियार लहराते हुए सोशल मीडिया पर तस्वीर वायरल की थी। यही तस्वीर सुराग बनी और मामला राज्य सीमाओं से निकलकर केंद्रीय एजेंसियों के रडार पर पहुंच गया।

इसी कड़ी में हैदराबाद पुलिस की एक विशेष टीम ने पहले अमरोहा जिले के मदरसे से युवक को उठाया और उससे मिली जानकारी के आधार पर सोमवार शाम झमपुरवा गांव में छापेमारी की। करीब चार घंटे चला ऑपरेशन पूरी तरह गुप्त रखा गया। स्थानीय थाने को भनक तक नहीं लगने दी। टीम ने गांव के कई घरों की तलाशी ली, संदिग्ध दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस खंगाले, साथ ही युवक के पिता को पूछताछ के लिए साथ ले गई।

ग्रामीणों के अनुसार गांव में दहशत का माहौल रहा। चारों तरफ पुलिस ही पुलिस थी, बसें लगी थीं, बाहर निकलने नहीं दे रहे थे। हालांकि देर रात तक किसी बड़ी बरामदगी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां फिलहाल युवक के संपर्कों और सोशल मीडिया गतिविधियों की गहराई से जांच में जुटी हैं। टीम मंगलवार सुबह गुप्त रिपोर्ट लेकर लौट गई। पुलिस अफसर इस सर्च ऑपरेशन के बारे में कुछ बोलने से बच रहे हैं।

पशुओं को लम्पी बीमारी से बचाव के लिए लगाए टीके

केशवापुर, अमृत विचार: पशु चिकित्सालय फरधान क्षेत्र के गांवों में लम्पी बीमारी से बचाव के लिए करीब 100 पालतू गोवंशों में एलएसडी की वैक्सीन लगाई गई। भल्लिया बुजुर्ग, रजौरा गांव में प्राइवेट कर्मचारी दिलीप वर्मा, शेरपुर, सेमरई, राजेपुर, कोरैया गांवों में जयशंकर प्रसाद ने वैक्सीन लगाई।

चिकित्सा अधिकारी फरधान राकेश वर्मा ने बताया लम्पी बीमारी गोवंशीय पशुओं में तेजी से फैलने वाली गंभीर बीमारी है, सभी गांवों में टीकाकरण कराया जा रहा है।

निर्वाचक नामावलियों का पुनरीक्षण कार्य आरंभ

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर उत्तर प्रदेश विधान परिषद के स्नातक व शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू हो गया है। मंगलवार को अटल सभागार, कलेक्ट्रेट में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की अध्यक्षता में सभी राजनीतिक दलों और शिक्षक संघों के प्रतिनिधियों की बैठक हुई।

बैठक में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम और मतदाता पात्रता से संबंधित दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही कार्यक्रम की प्रति सभी प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई। बैठक में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सभी प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे अपने स्तर से अधिकतम पात्र शिक्षकों एवं स्नातकों को निर्वाचक नामावली में नाम जोड़ने के लिए प्रेरित करें। संबंधित व्यक्ति अपने शैक्षिक प्रमाणपत्रों व जरूरी अभिलेखों सहित निर्धारित प्रारूप में आवेदन सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, एसडीएम या नाम निर्दिष्ट अधिकारी को किसी भी कार्य दिवस में संबंधित तहसील, ब्लॉक या नगर पालिका/नगर पंचायत में जमा कर सकते हैं।

शिव मंदिर कॉरिडोर: परिक्रमा पथ पर शटरिंग बिछाने का काम शुरू

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर के निर्माण का कार्य तेज है। पौराणिक शिव मंदिर जाने वाले मार्ग पर परिक्रमा पथ के लिए बनाए गए पिलरों पर शटरिंग बिछाने का काम भी मंगलवार को शुरू हो गया है। शिव मंदिर के पश्चिम स्थित सत्संग स्थल को हटाकर वहां परिक्रमा पथ के साथ ही 11 नए मंदिर बनाए जाएंगे, जिसके लिए नींव खुदाई कराई गई है। दीपावली के बाद यहां कार्य शुरू कराया जाएगा।

शिव मंदिर परिसर में परिक्रमा पथ के लिए 108 स्तंभ बनाए जाने हैं, जिनमें एक तिहाई से अधिक पिलर खड़े किए जा चुके हैं। पौराणिक शिव मंदिर जाने वाले मार्ग पर बूढ़े बाबा मंदिर के सामने बने परिक्रमा पथ के स्तंभों पर शटरिंग बिछाने का काम मंगलवार को शुरू करा दिया गया। दिवाली के बाद इस पर छत डाली जाएगी। छत के चारों और आकर्षक डिजाइन में मेहराब भी बनाए जाएंगे, जिससे इसकी भव्यता और सुंदरता बढ़ेगी।

पौराणिक शिव मंदिर के पश्चिम हटाए गए सत्संग स्थल के पास मंदिर परिसर में स्थित 11 मंदिरों को स्थापित करने के लिए नींव खुदाई कराई गई है, जहां दिवाली के बाद कार्य शुरू कराया जाएगा। शिव मंदिर परिसर में बने 11 मंदिरों को हटाया जाना है, जिन्हें परिक्रमा पथ में ही स्थापित किया जाएगा। बूढ़े बाबा मंदिर का भी जीर्णोद्धार किया जाना है। यह मंदिर भी परिक्रमा पथ में ही रहेगा। यूपीपीसीएल की कार्यदायी संस्था ने शिव मंदिर कॉरिडोर का मानचित्र और प्रस्तावित फोटो सार्वजनिक कर दिए हैं, जिससे लोगों को अब स्पष्ट होने लगा है किस जगह पर क्या बनाया जाएगा। गोकर्ण तीर्थ के दक्षिण कुछ दूरी तक बची सीढ़ियों का निर्माण भी कराया जा रहा है। एपीएम दिव्य ज्योति के साथ विभागीय अधिकारी नियमित समीक्षा बैठकें करने के साथ ही स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति की जानकारी भी ले रहे हैं।

पौराणिक शिव मंदिर के पीछे खोदी गई नींव। ● अमृत विचार

- पौराणिक शिव मंदिर के पश्चिम बनेंगे 11 नए मंदिर, खोदी गई नींव

गोला में बूढ़े बाबा मंदिर के सामने परिक्रमा पथ की शटरिंग बिछाते श्रमिक। ● अमृत विचार

पीस पार्टी ने डीएम कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: पीस पार्टी के तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता मंगलवार को डीएम कार्यालय पहुंचे और विभिन्न समस्याओं को लेकर राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन डीएम के प्रशासनिक अफसर को सौंपा। ज्ञापन में बुनकरों की विभिन्न समस्याओं का निस्तारण कराने की मांग की गई है।

पीस पार्टी के जिलाध्यक्ष अशरफ अली अंसारी के नेतृत्व में तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। जिलाध्यक्ष अशरफ अली अंसारी ने बताया कि प्रदेश के लाखों बुनकर इस समय आर्थिक तंगी बकाया बिजली बिलों के बोझ और कच्चे माल की बढ़ती कीमतों से जूझ रहे हैं। ज्ञापन में बुनकरों का बकाया बिजली बिल माफ करने, रियायती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने, एक परिसर एक कनेक्शन की प्रथा को बंद करने आदि की मांग की गई है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 15 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

छात्राओं से छेड़खानी करते अधेड़ गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली सदर थाने में तैनात महिला एसआई स्नेहा मौर्य ने बताया कि वह टीम के साथ स्कूलों के आसपास घूम रहीं थीं। टीम मिश्राना चौराहे से दुखहरण नाथ मंदिर की तरफ जा रही थी। इस बीच अवकाश होने पर एक विद्यालय की घर जा रही छात्राओं के बीच एक व्यक्ति घुसकर निकलने लगा और आने-जाने वाली छात्राओं को छूने की कोशिश करते हुए अशोभनीय हरकतें करने लगा। छात्राओं ने विरोध किया, लेकिन वह नहीं माना और फब्तियां कसता रहा। पुलिस टीम ने आरोपी को दबोच लिया। उसने अपना नाम हाशिम (51) निवासी मोहल्ला हिदायत नगर बताया। मौके लोगों की भीड़ जुट गई। शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि महिला एसआई की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

रामलीला में मंचन देख भाव विभोर हुए दर्शक

केशवापुर, अमृत विचार : कस्बा अजान में रामलीला महोत्सव में सीता हरण का मंचन किया गया। इसके बाद सातवें दिन सुग्रीव मित्रता, शबरी मिलन, बालि वध, लंका-दहन का मंचन हुआ। देर रात तक प्रभु प्रेमी लीला के आनंद सागर में डूबे रहे। लंका दहन के दृश्य पर पूरा पंडाल जय श्रीराम की ध्वनि से गूंज उठा। इस मौके पर मेला कमेटी अध्यक्ष मिट्ठनलाल शर्मा, ग्राम प्रधान विपिन कुमार यादव, हरिओम यादव, पंकज वर्मा, महेश वर्मा, राधेश्याम, सलीम अली, इमाम अली आदि मौजूद रहे। रामलीला में आज लक्ष्मण मेघनाथ और राम रावण युद्ध, पुतला दहन का मंचन होगा।

आटो-कार की टक्कर में पिता-पुत्र घायल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव कंचनपुर निवासी ऑटो चालक सुनील कुमार (32) पत्नी संगीता देवी (30) और पुत्र सौरभ (3) को आटो से लेकर सुबह 10 बजे लखीमपुर जा रहे थे। पत्नी ऑटो से उतरकर वॉशरूम के लिए रोड किनारे गई थीं। आटो रोड किनारे खड़ा था। तभी लखीमपुर की तरफ से आ रही बोलेरो ने टक्कर मार दी, जिससे आटो पलट गया और उसमें सवार सुनील कुमार, उसका पुत्र सौरभ गंभीर रूप से घायल हो गया। एंबुलेंस से दोनों को जिला अस्पताल भेजा, जहां से दोनों को मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया है। पुलिस ने बोलेरो को कब्जे में लिया है।

कंस वध मंचन के साथ रासलीला का समापन

बिलहरी, अमृत विचार : गांव कैमहरा स्थित देवेश्वर नाथ मंदिर पर श्रीकृष्ण रासलीला का समापन मुख्य अतिथि कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष विपुल गुप्ता ने आरती के साथ किया। आयोजकों ने उन्हें सम्मानित किया। रासलीला में कंस वध का मंचन किया गया। अंतिम दिन कंस वध का मंचन हुआ। रासलीला में सुंदर सजीव लीलाएं व झाकियां दिखाई गईं। साथ ही भंडारे का आयोजन हुआ।

दशहरा मेला: सांस्कृतिक मंच पर बही अवधी लोकगीतों की रसधार

कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही ने दीप प्रज्ज्वलन कर कराई शुरुआत

सांस्कृतिक मंच पर लोकगीत प्रस्तुत करते कलाकार। ● अमृत विचार

दर्शकों के साथ कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही और पालिकाध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव।

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: ऐतिहासिक दशहरा मेला के सांस्कृतिक मंच पर अवधी लोकगीतों की रसधार बही। देर रात्रि तक दर्शक लोकगीतों को आनंद लेते रहे। भारतीय अवधी समाज के संयोजन में आयोजित यह सांस्कृतिक संध्या अवध की परंपराओं, लोकसंगीत और मर्यादा की भावना को समर्पित रही।

अवधी संध्या का शुभारंभ पालिकाध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव की मौजूदगी में बतौर मुख्य अतिथि कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अवध की माटी में सुर, श्रृंगार और संस्कार की त्रिवेणी बहती है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में पालिका द्वारा समाजसेवी सम्मान समारोह के अंतर्गत श्री चित्रगुप्त कायस्थ सभा लखीमपुर के संरक्षक राजीव रतन खरे, शशिकांत श्रीवास्तव, अध्यक्ष डॉ. ओपी श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष प्रदीप सक्सेना व मुकेश और यूपी पेंशनर्स कल्याण संस्था के महामंत्री नरेश चंद्र वर्मा जैसे समर्पित समाजसेवियों को विशेष सम्मान से अलंकृत किया गया। इसके उपरांत भारतीय अवधी समाज के महासचिव डॉ. प्रदीप कुमार गुप्ता के संयोजन में मंच पर उतरे प्रसिद्ध लोकगायक दिवाकर द्विवेदी, जिन्होंने मर्यादापुरुषोत्तम श्रीराम की आराधना से संध्या का प्रारंभ कर सुरों की ऐसी सरिता प्रवाहित की, जिससे पूरा मेला पांडाल भक्ति, आनंद और गर्व के रंगों से भर उठा। अवधी कलाकारों की एक के बाद एक प्रस्तुति पर तालियों की गड़गड़ाहट देर रात तक गूंजती रही जैसे अवध की आत्मा स्वयं झूम उठी हो। मंच संचालन समाजसेवी, साहित्यकार राममोहन गुप्त ने किया।

आभार ज्ञापन अधिशासी अधिकारी संजय कुमार ने किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक महेंद्र सिंह, ब्लॉक प्रमुख दिव्या सिंह, मेलाधिकारी समरा सईद, मेलाध्यक्ष कौशल तिवारी, जेलर, मधुलिका त्रिपाठी, हरिप्रकाश त्रिपाठी, डॉ. वीबी धुरिया, डॉ. नमिता विश्वास, श्वेता शर्मा, इंजी. दुर्गेश वर्मा आदि मौजूद रहे।

राष्ट्र कवि भोलानाथ शेखर के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के बाद परिजन।

कवियों के सिरमौर थे अवधी कवि भोलानाथ शेखर

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: तलवार चली कविता संग्रह के रचयिता अवधी के प्रमुख कवि स्व. भोलानाथ शेखर की 113वीं जयंती पर उनके मोहल्ला नई बस्ती स्थित निवास पर परिवार के सदस्यों ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें याद किया। इस दौरान उनकी पुस्तक तलवार चली से कविता शीर्षक के अंतर्गत सभी सदस्यों ने पाठ किया।

उनके बड़े पुत्र रामगोपाल शेखर ने उनकी भारतीय नारी कविता से कुछ पंक्तियां प्रस्तुत कीं-तुम हो सहाय असहयों के तुम दीनों के दुःख हरनी हो, हो तुम ही जन्मदाता जग के तुम जग के पालन करनी हो। इस मौके पर नाभ्य शेखर, एडवोकेट रजत शेखर, रिचा शेखर, डॉ. बृजेंद्र अवस्थी आदि ने काव्य पाठ किया।

औने पौने दाम पर गन्ना बेचने को विवश किसान

जलालपुर में पेराई के लिए कोल्हू पर लगा गन्ने का ढेर।

संवाददाता, बिझौली

- दीपावली पर भी गन्ना भुगतान न मिलने से परेशान हैं किसान

अमृत विचार: चीनी मिल से पिछली सीजन का भुगतान न मिलने और नये सत्र को चालू होने में अभी समय बाकी है। किसानों को विभिन्न कार्यों के लिए धन की आवश्यकता है, जिसके चलते किसान अपना गन्ना औने पौने दामों में कोल्हुओं पर बेचने को विवश हैं।

त्योहार नजदीक है, समस्या के साथ आर्थिक तंगी की मार झेल रहे किसान मजबूरी वश कोल्हुओं पर कम दाम में अपना गन्ना बेचकर खर्चा चला रहे हैं। चीनी मिल चलने में अभी समय है, जिसका फायदा इन दिनों कोल्हू संचालक खूब उठा रहे हैं। चीनी मिलों के चक्के नवंबर माह में ही घूमेंगे। किसानों के अनुसार अभी तक गन्ने के दाम भी घोषित नहीं हुए हैं। ऐसे में किसान परेशान हैं। इसके अलावा चीनी मिलों द्वारा किसानों को समय से गन्ना मूल्य भुगतान नहीं करना भी बड़ा कारण है। नगद भुगतान की आवश्यकता व आर्थिक तंगी दूर करने के लिए कोल्हुओं पर सस्ता गन्ना किसान बेच रहे हैं।

किसान कोल्हुओं पर मजबूरन गन्ना 180 से 250 रुपये प्रति क्विंटल बेच रहे हैं। गन्ना बेचने के अतिरिक्त किसानों के पास और कोई विकल्प नहीं है। किसान रामकुमार, सुनील, हरिबंश आदि ने बताया कि इतने कम मूल्य पर गन्ना बेचकर तो खेती की लागत भी निकाल पाना मुश्किल है, लेकिन जब खाली हो और घर चलाने की चिंता हो तो मजबूरी में घाटे का सौदा करना ही पड़ता है। किसानों का कहना है कि यदि सरकार या सहकारी संस्थाएं इस बीच अंतरिम भुगतान की व्यवस्था कर दें तो उन्हें सस्ते दामों में गन्ना बेचने की नौबत नहीं आएगी।

अंजुमन की जमीन पर दबंगों का अवैध कब्जा

संवाददाता, बिजुआ

अमृत विचार: भीरा थाना क्षेत्र के मुड़ियाहेम सिंह गांव में दबंगों ने अंजुमन कमेटी की पांच एकड़ कृषि भूमि पर जबरन कब्जा कर लिया है। सिर्फ कब्जा ही नहीं, बल्कि इस जमीन पर खड़ी धान की फसल को भी काटने की फिराक में हैं।

मस्जिद के सदर अब्बुल हसन ने बताया कि यह जमीन गोला तहसील की परगना भूड़ की पंचायत तिखड़ा में मस्जिद के नाम दर्ज है। बैनामा और दाखिल खारिज भी मस्जिद के नाम हैं, बावजूद इसके रंजीत नगर निवासी बांके लाल गौतम ने अवैध कब्जा कर लिया है।

अब्बुल हसन का कहना है कि कुछ समय पहले जब वह एक मामले में जेल गए थे। उसी दौरान दबंगों ने जमीन पर कब्जा दिखाया और फसल को नुकसान पहुंचाया। अब वे फसल काटने की फिराक में हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, दबंगों ने पहले ही करीब दो बीघे धान की फसल काट ली है, जिससे मस्जिद की आर्थिक स्थिति पर असर पड़ा है। सदर अब्बुल हसन ने एसडीएम गोला और भीरा पुलिस को तहरीर देकर अवैध कब्जा हटाने और फसल को सुरक्षित रखने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि प्रशासनिक हस्तक्षेप जल्द नहीं हुआ तो नुकसान और बढ़ सकता है। एसडीएम गोला युगांतर त्रिपाठी ने बताया है कि अंजुमन की जमीन पर अगर किसी ने अवैध तरीके से कब्जा करते हुए फसल उगाई है तो मामले की जांच करते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

अंजुमन की जमीन पर लहहाती धान की फसल।

पत्थरों पर फिसली बाइक, दंपती घायल

भानपुर, अमृत विचार: साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में एक बाइक सड़क पर बिखरे पत्थरों से फिसलकर पलट गई। हादसे में बाइक सवार दंपती गिरकर घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोमवार की रात करीब आठ बजे भानपुर निवासी दिनेश दिवाकर और उनकी पत्नी मोहम्मदी क्षेत्र से एक कार्यक्रम में शामिल होकर घर वापस आ रहे थे। बस्तौला-अलीगंज मार्ग पर साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में उनकी बाइक निर्माणाधीन सड़क पर पड़े पत्थरों से फिसल कर पलट गई। दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस की सहायता से सीएचसी बिजुआ ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

मोबाइलों में आज के दौर में भाभियां खूब है वायरल हो रहीं

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- सुहेला मंदिर के वार्षिकोत्सव के समापन पर हुआ कवि सम्मेलन

अमृत विचार: सुहेला के श्री हनुमान मंदिर के वार्षिकोत्सव के समापन पर कवि सम्मेलन का आयोजन वरिष्ठ साहित्यकार कीर्तिशेष सन्तकुमार बाजपेयी संत की स्मृति में किया गया, जिसका शुभारम्भ सीतापुर के कवि शिवप्रताप सिंह चौहान शौर्य की वाणी वंदना से हुआ। उन्होंने कहा- द्वेष की भावना को मिटा दीजिए,

प्यार अपना सभी को लुटा दीजिए : बिसवां के वरिष्ठ गीतकार संदीप सरस ने ममतामयी मां का बखान किया-स्नेह की बात अनकही कहती, मां जो कहती है बस सही कहती। बाराबंकी के ओज के युवा कवि शिवेश राजा को श्रोताओं ने खूब सराहा- कुहासा झूठ का जब सत्य को ढकने लगेगा। मूल्य मानव जाति का स्वयं तब घटने लगेगा। हास्य के हाहाकारी हस्ताक्षर रोहित विश्वकर्मा ने अपनी कविताओं से सभी को लोटपोट कर दिया- दूर तक मार की रायफल हो रहीं, देवरों की निगाहों का छल हो रहीं। अब मोबाइलों में आज के दौर में भाभियां खूब हैं वायरल हो रहीं। कानपुर के हास्य कवि राजकुमार सचान ने लोगों को खूब हंसाया। लखीमपुर के कवि गौरव शुक्ल ने अपनी गजल से समां बांध दिया। इसके अलावा रजनीकान्त दीक्षित, चक्रधर शुक्ल, शशिकान्त मिश्र, डॉ. अंकुश कानपुरी, डॉ.उदय नारायण उदय, डॉ.नागेश पांडे, संयोजक डॉ. वेदप्रकाश अग्निहोत्री ने काव्य पाठ किया। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता डॉ.गंगाप्रसाद शर्मा गुणशेखर ने तथा संचालन रोहित विश्वकर्मा ने किया। इस अवसर पर जयप्रकाश अवस्थी, सरोज मिश्र, पंकज कुमार, अक्षय कुमार, आयोजक जया अग्निहोत्री सहित अनेक श्रोता मौजूद रहे।

कृति बतलाओ विज्ञान पहेली का किया विमोचन

गोला गोकर्णनाथ। समकालीन बाल साहित्य के सशक्त हस्ताक्षर डॉ. वेदप्रकाश अग्निहोत्री की कृति बतलाओ विज्ञान पहेली का लोकार्पण हुआ। आधा दर्जन पुस्तकों के रचनाकार डॉ वेद की इस पुस्तक में बाल उपयोगी विज्ञान पहेलियों का अद्भुत संग्रह किया गया है। यह कृति जाने माने साहित्यकार डॉ. नागेश पांडे संजय को समर्पित की गई है। अपनी बाल कविताओं के लिए डॉ.वेद को देश की अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है।

धान खरीद केंद्र न होने से किसान हो रहे परेशान

भीरा, अमृत विचार: गल्ला मंडी में सरकारी धान खरीद केंद्र न खोले जाने से किसान परेशान हैं। उनको धान का समर्थन मूल्य नहीं मिल पा रहा है। किसान व्यापारियों और राइस मिलों पर मनमाने भाव पर धान बेचने को मजबूर हैं। इससे उनको सरकार से घोषित समर्थन मूल्य भी नहीं मिल पा रहा है। शासन ने किसानों को धान का समर्थन मूल्य 2369 रुपया प्रति क्विंटल दिलाने के लिए धान खरीद केंद्र खोलने के निर्देश दिए हैं, लेकिन 14 अक्टूबर तक भी यहां धान खरीद केंद्र नहीं खोला जा सका है। व्यापारी और राइस मिलर किसानों का धान 1500 से 1600 रुपये प्रति क्विंटल खरीद रहे हैं।

वहीं चार रुपये क्विंटल पल्लेदारी, एक प्रतिशत नगद भुगतान और दो रुपये सीडी की अलग से कटौती की जा रही है। एसडीएम डॉ अवनीश कुमार का कहना है तहसील पलिया क्षेत्र में आठ धान खरीद मंडी समिति में खोले गए हैं। भीरा गल्ला मंडी में कोई धान खरीद केंद्र का प्रस्ताव न होने से यहां धान खरीद केंद्र नहीं खोले जा सकते हैं। क्षेत्र के किसान पलिया धान खरीद केंद्र पर धान की बिक्री करें। वही प्रगतिशील किसान लखविंदर सिंह रोडा का कहना है कि भीरा से पलिया की दूरी 15 किलोमीटर होने के कारण वहां ले जाने से समय और डीजल दोनों खर्च होगा। परेशानी अगल से उठानी पड़ती है। उन्होंने डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल से भीरा गल्ला मंडी में धान खरीद केंद्र खुलवाने की मांग की है।

रेल चलाओ आंदोलन को डॉक्टरों का समर्थन

संवाददाता, पलियाकलां

अमृत विचार: रेल चलाओ, क्षेत्र बचाओ संघर्ष समिति का क्रमिक अनशन 9 वें दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर पहुंचे प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन पलिया के पदाधिकारियों ने धरने का समर्थन किया और बैठे लोगों का माल्यार्पण कर उत्साहवर्धन किया।

मैलानी से पलिया- बेलरायां होकर नानपारा तक रुकी ट्रेन तत्काल पुनः चलाए जाने एवं मीटर गेज रेल लाइन के स्थान पर ब्रॉड गेज किए जाने की मांग को लेकर स्थानीय रेलवे स्टेशन पर रेल चलाओ क्षेत्र बचाओ संघर्ष समिति के नेतृत्व में 6 नवंबर से क्रमिक अनशन जारी है। ऐपवा की जिलाध्यक्ष आरती राय की देखरेख में धरने पर मंगलवार को पलिया से अरुण झा, अंबेडकर नगर से रामकिशन, मुसाफिर नगर पटिहन से राज कपूर, नयागांव से जसवंत सिंह चौहान व पलिया खुर्द से रामदयाल बैठे।

रेल चलाओ आंदोलन के धरने पर मौजूद डॉक्टर। ● अमृत विचार

- नौवें दिन भी जारी रहा क्रमिक अनशन

प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन के डॉक्टर एके अवस्थी, डॉ मयंक गुप्ता, डॉ. अंशुल शुक्ला, डॉ. आशीष पांडेय, डॉ. संजीव सिंह, डॉ. अव्यय मिश्रा ने धरना देने वालों का माल्यार्पण कर धरने का समर्थन किया। इसके अतिरिक्त चीनी मिल सभासद व मिल मजदूर नेता निर्भय नारायण सिंह ने कहा कि पलिया क्षेत्र में ट्रेन न चलने से सबसे अधिक दिक्कत यहां के श्रमिक वर्ग तथा गरीब जनता को हो रही है।

रेल विभाग सहित केंद्र व प्रदेश की सरकारों को इस ओर तत्काल ध्यान दिए जाने की जरूरत है। आरती राय ने कहा कि कितनी शर्म की बात है कि आज क्षेत्र की जनता को अंग्रेजी हुकूमत के समय से चलती रेल को आबाद रखने के लिए धरना प्रदर्शन करना पड़ रहा है। धरने को नेता रामकिशन, अरुण झा, लल्लन गौड़ व रईस अहमद आदि ने भी संबोधित किया।

Rohilkhand INFERTILITY & IVF CENTRE
Creating life.... completing families.

दिल्ली का जाना-माना IVF सैन्टर
RISAA IVF
Creating life.... completing families.

अब अधूरे सपने होंगे पूरे

निःसन्तानता निवारण टेस्ट ट्यूब सैन्टर

परामर्श शुल्क
₹200/- ₹100/-

दिन : प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार
समय : प्रातः 10:00 से 02 बजे तक

उपलब्ध सुविधायें :-
★ निःसन्तानता सम्बन्धित जाँचें
★ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) रियायती दरो पर
★ लैब टेस्ट भारी छूट पर
★ इन्फर्टीलिटी अल्ट्रासाउंड मात्र 200/- में

अपनी नन्हीं खुशियों को आज ही अपने घर लाये हमारे साथ !

विशेषतायें:-
★ 25 वर्षों के अनुभव के साथ।
★ ICSI, I.U.I., लेप्रोस्कॉपी हिस्ट्रोस्कोपी (दुरबीन द्वारा बच्चेदानी व अंडेदानी की जाँच)
★ उच्चतम सफलता दर ★ विश्वस्तीय आधुनिकतम IVF लैब

देश विदेश में हजारों दम्पत्ति हुए लाभान्वित आइये आप भी यह उम्मीद पाएं.....

स्थान :
IVF सैन्टर Ist Floor न्यू बिल्डिंग कमरा नं. 106
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डेंटल कॉलेज रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं० 6398018900

पूर्ण एन.ए.बी.एच (NABH) से मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल

मिट्टी के दीयों से रोशन होंगे घर, अंधेरे में संघर्ष करते कुम्हार

संवाददाता, भानपुर

अमृत विचार: दीपावली करीब है। बाजारों में सजावट, मिठाइयों और लाइटों की बहार है, लेकिन इसी रौनक के बीच कुछ घर ऐसे हैं, जहां दिपावली की उम्मीद चाक पर घूमती है। मिट्टी से दीया गढ़ते कुम्हारों के हाथ उम्मीद की लौ जलाते हैं, मगर उनके घरों की जिंदगी अब भी संघर्ष की आंच में तप रही है।

भानपुर और खलारी क्षेत्र में इन दिनों कुम्हारों के घरों में दिन-रात चाक घूम रहा है। मिट्टी के दीये, करवे, झकड़ी, गुल्लक और घड़ों को आकार देने में पूरा परिवार जुटा रहता है। मिट्टी के लोंदे से सुंदर दीये बनाते इन कुम्हारों की मेहनत का फल है कि दीपावली की रात देशभर के घरों में रोशनी बिखरती है। पर इनके जीवन की कहानी रोशनी से ज्यादा धूप-छांव वाली है। भानपुर के करीब 25 कुम्हार परिवार इस परंपरागत पेशे से जुड़े हैं। हर परिवार को दिवाली से बड़ी उम्मीदें होती हैं। लेकिन इन उम्मीदों की कीमत बहुत ऊंची और कमाई बहुत मामूली है। दीये बनाने की प्रक्रिया बेहद कठिन है।

मिट्टी तैयार करने में ही 15 से 20 दिन लग जाते हैं। पहले मिट्टी छानी जाती है, फिर भिगोकर उसे मुलायम बनाया जाता है। इसके बाद चाक पर दीयों को आकार दिया जाता है। तैयार दीयों को सुखाने में हफ्तों लगते हैं और फिर भट्टी में पकाया जाता है, जो तीन दिन तक लगातार जलती रहती है। भानपुर के प्रमोद चक्रवर्ती, सुदामा, कमलेश, सरिता और रचना देवी जैसे कुम्हार परिवार बताते हैं कि चार लोगों का पूरा परिवार डेढ़ महीने तक लगातार मेहनत करता है।

गांव भानपुर में दीयों को बनाता एक कुम्हार परिवार। ● अमृत विचार

बरसात और जानवर बिगाड़ देते हैं मेहनत

कुम्हारों का कहना है कि बारिश होने पर सारी मेहनत मिट्टी में मिल जाती है। खुले में सुखाए जा रहे दीये अक्सर टूट जाते हैं या आवारा पशु उन्हें रौंद देते हैं। भट्टी के दौरान जरा-सी लापरवाही से पूरा माल खराब हो जाता है। फिर भी ये परिवार हार नहीं मानते। हर साल दीयों के साथ उम्मीद भी गढ़ते हैं कि शायद इस बार मेहनत का मोल बढ़ेगा, बाजार अच्छा रहेगा और उनके घरों में भी रोशनी सजेगी।

मिट्टी कला को बचाने के लिए सरकार को चलाना चाहिए योजनाएं

स्थानीय कुम्हारों का कहना है कि आज के इलेक्ट्रॉनिक जमाने में मिट्टी के दीयों की मांग जरूर घट रही है, पर त्योहार की आत्मा इन्हीं दीयों में बसती है। वे चाहते हैं कि सरकार उनकी मेहनत का उचित दाम तय करे और मिट्टी कला को बचाने के लिए योजनाएं चलाए।

नदी में उतराता मिला मुस्कान का शव

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना खमरिया क्षेत्र के मड़वा गांव के पास शारदा नदी में एक महिला का शव उतराता देखा गया। इससे गांव व आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक ओपी राय भी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों की मदद से शव बाहर निकाला और उसकी पहचान कराने की कोशिश की। महज चार घंटे में शव की शिनाख्त हो गई। मृतका की पहचान थाना पढुआ क्षेत्र के कंचनपुर गांव निवासी मुस्कान (25) पुत्री रामविलास के रूप में हुई। मुस्कान के परिजनों ने बताया कि मुस्कान 6 अक्टूबर 2025 को बिना बताए घर से निकल गई थी। कई जगह तलाश करने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला। परिजन उसकी गुमशुदगी से परेशान थे। उसी दौरान थाना शारदानगर क्षेत्र के लौखनिया गांव के पास नहर पटरी से मुस्कान की चप्पलें बरामद हुई थीं, जिससे यह आशंका गहराने लगी थी कि उसके साथ कोई अनहोनी हुई है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मुस्कान ने आत्महत्या की या हत्या कर उसे नदी में डाला गया है। यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही साफ हो सकेगा।

शहर में एलआरपी चौराहा बना जाम का हॉटस्पॉट

बस चालकों की मनमानी और पुलिस की खामोशी से परेशान हैं शहर के लोग, सीतापुर फोरलेन पर घंटों लगता है जाम

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

एलआरपी चौराहे के सीतापुर फोरलेन पर सड़क को घेरे खड़ी बसें। ● अमृत विचार

सीतापुर फोरलेन पर रेंगते वाहन। ● अमृत विचार

अमृत विचार: दिवाली का त्योहार करीब है। बाजारों में खरीदारी की रौनक बढ़ी है, लेकिन शहर की रफ्तार ठहर सी गई है। लखीमपुर का एलआरपी चौराहा इन दिनों जाम के ऐसे जाल में उलझा है कि राहगीरों का निकलना दूभर हो गया है। सीतापुर फोरलेन पर रोजाना सैकड़ों वाहन घंटों फंसे रहते हैं, और पुलिस चौकी के सामने ही यह तमाशा चलता है।

सड़क पर दो सौ मीटर के दायरे में निजी और रोडवेज बसों की कतारें लगी रहती हैं। चालक-परिचालक मनमानी करते हुए फोरलेन पर ही बसें खड़ी कर सवारियां भरते हैं। परिणामस्वरूप हाईवे पर वाहनों की रफ्तार रेंगने लगती है। ई-रिक्शा, दोपहिया और चार पहिया वाहन एक-दूसरे में फंस जाते हैं। हैरानी की बात यह है कि जहां बसें खड़ी होती हैं, वहां से सिर्फ दस कदम की दूरी पर पुलिस चौकी और ट्रैफिक प्वाइंट मौजूद है, मगर पुलिसकर्मी मानो आंख मूंदे बैठे हैं।

सुबह और शाम के समय स्थिति इतनी विकराल हो जाती है कि स्कूल-कॉलेज के छात्र, नौकरीपेशा लोग और बाजार आने-जाने वाले राहगीर घंटों तक जाम में फंसे रहते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि त्योहारों के समय प्रशासन को सख्त यातायात व्यवस्था लागू करनी चाहिए थी, लेकिन हकीकत इसके उलट है। दिवाली की चहल-पहल के बीच एलआरपी चौराहा जाम का स्थायी अड्डा बन चुका है।

राहगीरों ने डीएम और एसपी से मांग की है कि एलआरपी चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस की नियमित तैनाती की जाए और बसों की अवैध पार्किंग पर तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि दीपावली पर लोगों की खुशियों में जाम की कालिमा न घुले। त्योहारों से पहले शहर में वाहनों का दबाव बढ़ना स्वाभाविक है, मगर प्रशासनिक लापरवाही ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है। एलआरपी चौराहा, जो शहर का सबसे व्यस्त मार्ग है, वहीं से गोला, बहराइच, पीलीभीत और लखनऊ की ओर जाने वाले वाहन गुजरते हैं।

इस मार्ग पर निजी और रोडवेज बसें दो सौ मीटर तक सड़क पर आड़ी-तिरछी खड़ी रहती हैं। चालक और परिचालक सवारियां भरने के लिए सड़क के बीच में बस रोक देते हैं। हर दिन सुबह और शाम को जाम लगना अब आम बात हो गई है। स्थानीय दुकानदार बताते हैं कि जाम के कारण ग्राहकों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है। कई बार तो वाहन रेंगते हुए काफी दूर तक सफर तय करते हैं।

> एलआरपी चौकी और ट्रैफिक पुलिस को पहले से ही निर्देश हैं कि सीतापुर फोरलेन पर चौकी के निकट बसों को सड़क पर न रुकने दें। यदि बसें सड़क पर खड़ी होती हैं तो यह गंभीर बात है। इसको लेकर दिशा निर्देश जारी किए जा रहे हैं।
> –पवन गौतम, एएसपी पूर्वी।

एलपीएस प्रबंधन की लापरवाही से रहता है घंटों जाम

लखीमपुर खीरी। एलआरपी चौराहा से पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर कुछ दूरी पर लखनऊ पब्लिक स्कूल है। इस स्कूल की बसें स्कूल खुलने से पहले और अवकाश के समय आकर सड़क पर ही खड़ी हो जाती हैं। हालात तब और खराब हो जाती है, जब स्कूल में छुट्टी होती है और अभिभावक अपने बच्चों को लेने पहुंचते हैं। इससे गोला की तरफ से आने वाले वाहनों की लंबी जाम लग जाती है। बसों और कारों समेत अन्य वाहनों की कई किलोमीटर जाम घंटों लगी रहती है, लेकिन न तो स्कूल प्रबंधन समस्या का कोई हल खोज रहा है और न ही प्रशासन इस तरफ कोई कदम उठा रहा है।

राहगीर बोले-त्यौहार में भी सजा भुगत रहे हैं

एलआरपी चौराहा से गुजरने वाले कई लोगों ने नाराजगी जताई। उनका कहना है कि जब दिवाली जैसे बड़े त्योहार में भी यातायात व्यवस्था ठीक नहीं रह पा रही, तो सामान्य दिनों में सुधार की उम्मीद कैसे की जाए। उन्होंने कहा कि बसों की मनमानी रोकने और स्थायी बस स्टॉप निर्धारित करने की जरूरत है। त्योहारों के सीजन में दुकानदारों ने शिकायत की कि जाम के कारण ग्राहक दुकानों तक पहुंचने से कतराने लगे हैं। घंटों फंसे रहने से खरीदारों की संख्या घटी है।

महिला से मारपीट छह माह का गर्भ नष्ट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना संपूर्णानगर क्षेत्र के गांव विशेनपुरी निवासी बादशाह की पत्नी ममता ने बताया कि उसकी जगह में गांव के सुभाष यादव ने छप्पर डाल दिया था। उसने जब छप्पर हटाने के लिए कहा तो सुभाष, बिट्टन देवी, अंशिका, प्रिय, मनोज यादव ने छप्पर हटाने से मना कर दिया और उसे गालियां देते हुए लात-घूंसों और डंडों से पीटा। जातिसूचक गालियां दीं। हमलावरों की पिटाई से छह माह के गर्भ से होने के कारण महिला की हालत अत्यधिक खराब हो गई। मारपीट की जानकारी होने पर खेतों से लौटकर आए परिवार वालों ने उसे पलिया सीएचसी पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल ले जाते समय उसका छह माह का गर्भ नष्ट हो गया। महिला का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। एससी एसटी एक्ट भी लगाया है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

NOTICE

This is to be notify that I have changed my son's name from Vibhav Singh to Vibhav Vincent Yadav date of birth 30th November 2009 and his mother's name is Manjusha Daniel. He will be known as Vibhav Vincent Yadav in future. Dinesh Pal Singh S/o Shri Ramphal Singh R/o Opp. Mandi Samiti, Alapur Road, Badaun

आवश्यकता है

● आयुष्मान /TPA/MARG/ COMPUTER अनुभवी महिला रिसेप्शनिस्ट/मेडिकल स्टोर हेतु
● अनुभवी कम्पाउंडर
● अनुभवी ओ. टी. टेक्निशियन
● अनुभवी पी.आर.ओ. ● अनुभवी नर्स

मिलें आज 3 बजे

आर. जी. हॉस्पिटल

अयूब खान-चौपला रोड, बरेली

व्यापार मंडल के प्रदीप अध्यक्ष और सनी चुने गए महामंत्री

पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी के साथ नवनिर्वाचित पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, निघासन

● नगर उद्योग व्यापार मंडल कंछल गुट का सम्मान समारोह आयोजित

अमृत विचार: नगर उद्योग व्यापार मंडल (कंछल गुट) का व्यापारी सम्मेलन और सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना से किया गया। इस दौरान प्रदीप गुप्ता को अध्यक्ष और सनी चानी को महामंत्री नियुक्त किया गया।सम्मान समारोह में पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि अजय मिश्र टेनी ने कहा कि व्यापारियों के सम्मान में सभी का सम्मान है। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार ने अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के प्रयास किए हैं और 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया है। उन्होंने रेल लाइन परियोजना के संबंध में भी जानकारी दी और आश्वासन दिया कि रेल लाइन जारी रहेगी।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि विनोद मिश्रा ने 25 व्यापारियों की टीम को जिम्मेदारी सौंपी, जिसमें पिंटू कन्नौजिया, रोहित अग्रवाल, रामकिशोर मौर्य, नितिन चौबिया, गोपाल पांडे, आयुष पांडे, राजेंद्र सिंह उर्फ काले, सतीश गुप्ता, शंभू गुप्ता, अवधेश गुप्ता, अमित गुप्ता, विकास जायसवाल, नंदन वर्मा, पिंकू, अनिल मौर्य आदि शामिल थे। संचालन आफताब आलम ने किया।

मिशन शक्ति: बेटियों ने सीखी आत्मरक्षा की कला

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

प्रमाण पत्र देने के बाद बेटियों के साथ डीएम व अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

● हर बेटी में है शक्ति, जरूरत है उसे पहचानने की

अमृत विचार: मंगलवार का दिन आर्यकन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की बालिकाओं के लिए गर्व और आत्मविश्वास से भर देने वाला रहा। मिशन शक्ति 5.0 के तहत जिला प्रशासन के तत्वावधान में आयोजित सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर प्रमाणपत्र वितरण समारोह का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने प्रशिक्षु आईएएस मनीषा धारवे और कॉलेज की प्राचार्य प्रोफेसर गीता शुक्ला के साथ दीप प्रज्ज्वलन व मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज की एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर सविता शुक्ला ने किया। डीएम ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सुनिश्चित करना है। प्रशिक्षण प्राप्त बालिकाएं किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में स्वयं की सुरक्षा करने में सक्षम होंगी। यह प्रशिक्षण केवल शारीरिक सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि मानसिक दृढ़ता, आत्मविश्वास और साहस बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि जब बेटियां सशक्त होंगी, तभी समाज और राष्ट्र सशक्त बन पाएंगे। कहा कि मिशन शक्ति 5.0 के तहत बेटियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मविश्वासी और सुरक्षित बनाया जा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त छात्राएं अब स्वयं अपनी पहली सुरक्षा ढाल बन सकती हैं। यह अभियान नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रशिक्षु आईएएस मनीषा धारवे ने कहा कि बेटियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण सिर्फ सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन्हें साहस, आत्मविश्वास और जीवन की हर चुनौती से निपटने की ताकत भी देता है। आज की छात्राएं कल की निडर और सशक्त नागरिक हैं। कार्यक्रम में कॉलेज की डॉ. सुरचना त्रिवेदी, अर्चना सिंह, डॉ. क्षमा तिवारी, डॉ. प्रीती सिंह, डॉ. सविता शुक्ला, विमलेश, डॉ. राखी चौहान सहित बड़ी संख्या में बालिकाएं मौजूद रहीं।

तुलसी सभागार में बेटियों का दमदार प्रदर्शन

कुशल प्रशिक्षक जितेंद्र के निर्देशन में आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्रशिक्षित बालिकाओं ने जब मंच पर कदम रखा, तो पूरा हाल तालियों की गूंज से भर उठा। किसी ने गली छेड़छाड़ की स्थिति में मनचले को झटके में जमीन पर पटका, तो किसी ने आत्मरक्षा के तेज़ और सटीक दांव दिखाए। हर वार में आत्मविश्वास झलक रहा था जैसे मानो हर बेटी यह कह रही हो कि डरना अब नहीं, डटकर लड़ना सीखा है हमने।

निशाना साध हौसला दिखाया

मिशन शक्ति के तहत एनसीसी कैडेट्स बालिकाओं ने युवराज दत्त इंटर कॉलेज, ओयल की शूटिंग रेंज में सटीक निशानेबाजी की। फायरिंग अभ्यास के दौरान बेटियों का आत्मविश्वास और जोश देखते ही बनता था, हर ट्रिगर के साथ झलकी मैं भी कर सकती हूं की भावना। फायरिंग अभ्यास के दौरान छात्राओं का आत्मविश्वास देखते ही बनता था। हर शॉट के साथ उनकी आंखों में चमक और चेहरे पर झलकता गर्व मानो यही कह रहा था कि अब बेटियां सिर्फ़ रक्षा नहीं करेंगी, बल्कि हर क्षेत्र में आगे बढ़ेंगी।

पिकअप पलटने से स्कूली बच्चे घायल

रोशननगर/ममरी, अमृत विचार: हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव ममरी स्थित इंडियन चिल्ड्रेन एकेडमी के बच्चों को वापस घर छोड़ने जा रही पिकअप के पलटने से चार बच्चे गंभीर घायल हो गये, जिन्हें सीएचसी भर्ती कराकर पुलिस ने पिकअप को कब्जे में ले लिया है। ममरी गोविंदापुर के इंडियन चिल्ड्रेन एकेडमी की पिकअप संख्या यूपी 31 एटी/1898 दोपहर में छुट्टी के बाद बच्चों को छोड़ने जा रही थी। बताया जाता है कि मोहम्मदी रोड पर गांव झारा मंदिर के पास गाड़ी का टायर फटने से डिसबैलेंस होकर पलट गई, जिससे समीक्षा (13), पुत्री सचिन निवासी झाऊपुर, पलक (11) पुत्र विनोद निवासी कुन्हुपुर, आराध्या (7) पुत्री अनिरुद्ध, आलोक मिश्रा (11) पुत्र सचिन निवासी झाऊपुर आदि को गंभीर चोटे आईं। पुलिस ने सभी घायलों को प्राथमिक उपचार हेतु सीएससी गोला भर्ती कराया। गया हैदराबाद एसओ सुनील मलिक ने बताया कि घायल बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराकर पिकअप को कब्जे में लेकर घटना की जांच की जा रही है।

सूचना

मेरे पुत्र यश शर्मा के स्कूल में उसकी माता का नाम SHASHI SHARMA दर्ज हो गया है जो गलत है सही नाम SHASHI VALA है, सभी अभिलेखों में भी यही नाम दर्ज है। **तरुण शर्मा पुत्र देवेन्द्र कुमार शर्मा मोहल्ला नौबतगंज नवाबगंज बरेली।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा एक मकान मो. नौगवां कस्बा फतेहगंज प. में स्थित है जिसका मैं अकेला मालिक हूँ तथा कोई सह खातेदार नहीं है। उक्त मकान का गृहकर मेरे नाम आता है जिसे मैं अपनी बहनों सुनीता पत्नी इन्द्रदेव निवासी गुडवारा तह. बहेड़ी जिला बरेली, धर्मवती पत्नी धर्मवीर निवासी रोहनिया तह बहेड़ी जिला बरेली, शशी शर्मा पत्नी अनिल शर्मा निवासी मोतीचूर हरिद्वार व मीना देवी पत्नी रूप किशोर नि. मो. साहूकारा, फतेहगंज प. मीरगंज जिला बरेली के नाम जारी कराना चाहता हूँ। इसमें मुझे कोई आपत्ति नहीं है। यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह 30 दिन के अन्दर साक्ष्य के साथ नगर पंचायत कार्यालय फतेहगंज प. में आपत्ति कर सकता है। कृपाराम पुत्र बेनीराम नि. मो. नौगवां कस्बा फतेहगंज प. तह मीरगंज जिला बरेली।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

लापता युवक का बाइक समेत शव बरामद

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● हत्या की आशंका, बहन को करवा देने 10 अक्टूबर को मानपुर आ रहा था मनोज

अमृत विचार: बहन के घर करवा देने जाने के लिए घर से निकले थाना फरधान क्षेत्र के गांव नरहर निवासी युवक का शव मंगलवार को राजापुर स्थित पुलिया के नीचे से बरामद हुआ है। पास में ही बाइक पड़ी थी। सदर कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज थी।

थाना फरधान के गांव नरहर निवासी मालती प्रसाद की बेटी सदर कोतवाली के गांव मानपुर में ब्याही है। उनका 32 वर्षीय पुत्र मनोज अपनी बहन को करवा देने के लिए पल्सर बाइक से बहन के घर आया था। परिवार वालों के मुताबिक वह करवा देकर दोपहर 3:30 बजे घर के लिए वापस निकला था, लेकिन वह शाम तक घर नहीं पहुंचा। इस पर परिवार वालों को चिंता हुई और पता किया तो उसकी बहन की ससुराल वालों ने बताया कि वह दोपहर बाद घर के लिए चला गया। इससे परिजन परेशान हो उठे और मोबाइल पर कॉल की, लेकिन न तो फोन रिसीव हुआ और न उसका कोई पता चला। तलाश करने पर पता चला कि मनोज पहले आवास विकास निवासी एक युवक से मिला। उसके बाद दो लोग उसके साथ पिपरिया में देखे गए, लेकिन इसके बाद मनोज लापता हो गया। परिजन शनिवार को सदर कोतवाली पहुंचे और पुलिस को तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने तहरीर बदलवाकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली। मंगलवार शाम करीब चार बजे राजापुर स्थित पुलिया में बाइक समेत युवक का शव देख सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव और बाइक बाहर निकलवाई तो शव की पहचान मनोज कुमार के रूप में हुई। परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने हत्या कर शव पुलिया के नीचे डालने की आशंका जताई है। शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत की वजह साफ हो सकेगी।

फजीहत के बाद शुरू कराई सफाई

कलीनगर, अमृत विचार: नगर पंचायत कलीनगर के कई लोगों ने एसडीएम से शिकायत की थी। जिसमें कहा था कि वार्ड नंबर चार बिजली घर के सामने कब्रिस्तान के मुख्य मार्ग पर नगर पंचायत द्वारा कस्बे का कूड़ा उठाकर डलवाया जा रहा है। रोड बंद होने की कगार पर है। गंदगी से बीमारियों का डर सता रहा है। दुर्गंध से सांस लेने में मुश्किल हो रही है। एसडीएम ने मामले का संज्ञान लिया और निर्देश दिए थे। जिसके बाद मंगलवार को उक्त मार्ग से जेसीबी की मदद से कूड़े के ढेर नगर पंचायत के कर्मचारी हटाते दिखे। इससे लोगों को राहत मिली है।

प्रीती का मंडलीय प्रतियोगिता में चयन

संवाददाता, धौरहरा

अमृत विचार: पब्लिक इंटर कॉलेज ईसानगर की छात्रा प्रीती पुत्री श्यामलाल निवासी सरैया टेडिया ने स्कूल का नाम रोशन किया है। प्रीती का चयन मण्डल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में हुआ है। यह पहला मौका है जब विद्यालय से किसी छात्रा को मंडलीय स्तर की प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का अवसर मिला है। प्रीती ने इससे पहले जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान हासिल किया था। विद्यालय प्रबंधक और शिक्षकों ने बताया कि यह विद्यालय के इतिहास में पहली बार हुआ है कि किसी छात्रा ने मण्डल स्तर तक अपनी जगह बनाई है।

मेहनत और लगन से हर मुकाम हासिल किया जा सकता है। मंडलीय प्रतियोगिता का आयोजन 15 से 18 अक्टूबर तक उन्नाव में होगा। बुधवार सुबह प्रीती को विद्यालय के जिम्मेदार शिक्षकों की निगरानी में जिला मुख्यालय से उन्नाव रवाना किया जाएगा।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं मत्स्य पालक

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

बैठक में अफसरों को निर्देशित करते कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद।

● मछुआरों की खुशहाली पर जोर कैबिनेट मंत्री ने ली अधिकारियों की बैठक

अमृत विचार: कैबिनेट मंत्री, मत्स्य विभाग डॉ. संजय कुमार निषाद अपने निर्धारित भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार को यहां पहुंचे। उनका स्वागत डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा ने पुष्पगुच्छ देकर किया। मंत्री ने एलआरपी स्थित लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन में डीएम, एसपी, सीडीओ, उपनिदेशक मत्स्य, एलडीएम, सिंचाई तथा अन्य अधिकारियों के साथ मत्स्यपालकों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की।

इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मत्स्यपालकों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता पर किया जाए और जिले में संचालित बड़ी परियोजनाओं का डीएम और सीडीओ निरीक्षण करें। बैठक में मंत्री ने जोर देकर कहा कि मत्स्य पालक सिर्फ मछली पकड़ते नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। मत्स्यपालकों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए उन्हें केसीसी से जोड़ा जाए, ताकि वे आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बन सकें। इसके साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि मत्स्य विभाग गोष्ठियों और जागरूकता अभियानों के माध्यम से मत्स्य पालकों को योजनाओं के बारे में जानकारी दें।

मंत्री ने कहा कि मछुआरों की समृद्धि केवल उनके लिए ही नहीं, बल्कि पूरे गांव और जिले की समृद्धि है। हमें उन्हें हर संभव सुविधा और अवसर देने का प्रयास करना चाहिए।

उपनिदेशक मत्स्य सृष्टि यादव और मत्स्य निरीक्षक निखिल त्रिपाठी को निर्देशित किया गया कि मछुआ दुर्घटना बीमा योजना और मत्स्यपालक कल्याण कोष के अंतर्गत चिकित्सा, शिक्षा और विवाह के लिए मिलने वाले अनुदान योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए।

हिदायत दी कि योजनाओं का लाभ वास्तविक मत्स्यपालकों तक प्रभावी रूप से पहुंचे। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने मंत्री को जिले में मत्स्य पालकों की वर्तमान स्थिति और चुनौतियों की विस्तृत जानकारी दी। मंत्री ने निर्देशित किया कि हर मत्स्य पालक तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता हो और इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

7 दिवसीय निःशुल्क मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर

आयुर्वेदीय मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञों के द्वारा

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर

दिनांक 10 अक्टूबर 2025 से 18 अक्टूबर 2025 तक

वयस्कों, बच्चों, किशोरावस्था (Teenagers) के लिये

"सुदृढ़ मन, सशक्त बालक"

क्या आपका बच्चा पढ़ाई में पीछे रह रहा है? क्या उसे ध्यान लगाने में कठिनाई होती है, बार-बार गलती करता है, बहुत चंचल रहता है या उसमें चिड़चिड़ापन, गुस्सा और क्रोध के दौरे बढ़ गए हैं?

ये सीखने की अक्षमता (Learning Disability), अतिसक्रियता विकार (ADHD) या शैक्षणिक पिछड़ापन (Scholastic Backwardness) के संकेत हो सकते हैं।

शिविर की विशेषताएं
- बच्चों की मानसिक एवं व्यवहारिक जाँच।
- ध्यान की कमी, सीखने की कठिनाइयों और ADHD की पहचान।
- चिड़चिड़ापन, गुस्सा और व्यवहार संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु परामर्श।
- अभिभावकों के लिए मार्गदर्शन एवं मनोवैज्ञानिक सहायता।
- एकाग्रता और आत्मविश्वास बढ़ाने के आयुर्वेदिक उपाय

क्या आप भी इन समस्याओं से जूझ रहे हैं?
- अत्यधिक तनाव (Stress) या चिंता (Anxiety)
- अवसाद (Depression)
- नींद न आना (Insomnia) या अत्यधिक नींद आना।
- चिड़चिड़ापन, गुस्सा या भावनात्मक असंतुलन।
- भय (Fear), अकेलापन, आत्मविश्वास की कमी।
- काम में रुचि न होना, थकान, मनोदैहिक (Psychosomatic) लक्षण।

पंजीकरण एवं जानकारी हेतु संपर्क करें - 9520876144, 8077808309

स्थान : रोहिलखण्ड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हास्पिटल, डोहरा रोड, बरेली

न्यूज ब्रीफ

पटेल जयंती पर भाजपा करेगी राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में विविध कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करेगी। भाजपा के कार्यकर्ता बूथ स्तर से लेकर जिला पंचायत तक संगोष्ठियों का आयोजन कर सरदार पटेल के जीवन, उनके अदम्य साहस और राष्ट्र एकता में दिए गए योगदान को स्मरण करेंगे। उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10 किलोमीटर की पदयात्रा आयोजित की जाएगी। इस पदयात्रा के माध्यम से जनता को सरदार पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से अवगत कराया जाएगा। कार्यक्रम की सफलता के लिए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने एक अभियान संचालन समिति का गठन किया है।

फर्जीवाड़ा करने वाला गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने मंगलवार को एक जालसाज को गिरफ्तार किया। आरोपी व उसके गिरोह ने कानपुर में भारत सरकार की अधिकृत फर्म भारत गैस एंड कारपोरेशन लिमिटेड और एचपी ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड के नाम पर फर्जीवाड़ा कर विज्ञापन प्रकाशित कराए थे। इन विज्ञापनों के जरिये डीलर व डिस्ट्रीब्यूटरशिप देने के नाम पर करीब 30 लाख रुपये की ठगी की गई थी। ईओडब्ल्यू अधिकारियों के अनुसार पकड़ा गया आरोपी प्रमोद कुमार कानपुर निवासी है। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर 1997 में गिरोह तैयार किया था। मामले की जांच ईओडब्ल्यू को सौंपी गई। अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है।

बच्चों में बढ़ता मोटापा बड़ी चुनौती : लीना जौहरी

अमृत विचार, लखनऊ : महिला कल्याण एवं बाल विकास पुष्टाहार विभाग की अपर मुख्य सचिव (एसीएस) लीना जौहरी ने कहा कि बच्चों और किशोरों में बढ़ता मोटापा अब कुपोषण का नया स्वरूप बन गया है। इससे गैर-संचारी रोगों का खतरा बढ़ता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ आज और सुरक्षित कल के लिए पोषण साक्षरता अनिवार्य है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक परिवारों तक भोजन और पोषण संबंधी सही जानकारी पहुंचाना तथा समुदाय में पोषण के प्रति व्यवहारिक बदलाव लाना है। एसीएस, मंगलवार को राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत "स्वस्थ जीवन शैली और संतुलित आहार– बच्चों और किशोरों के विकास का आधार" विषयक पोषण पाठशाला में संबोधित कर रही थी।

दीपावली पर 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं छठ पूजा जैसे महत्वपूर्ण पर्वों के मद्देनजर कैंप ऑफिस से वर्चुअल समीक्षा बैठक कर ऊर्जा एवं नगर विकास विभाग के तैयारियों की समीक्षा की एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि दीपावली पर्व के दौरान 24 घंटे निरंतर एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के समय बिजली कटौती से जनसामान्य को असुविधा न हो, इसके लिए सभी स्तरों पर विद्युत व्यवस्था की गहन मॉनिटरिंग की जाए। मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली मिले, इसके लिए लो वोल्टेज एवं बार-बार शटडाउन की समस्या पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवश्यक मरम्मत एवं रखरखाव कार्य समय रहते पूरे कर लिए जाएं ताकि त्योहारों के समय कोई बाधा उत्पन्न न हो।

शिक्षा मित्रों को जल्द मिलेगा बड़ा तोहफा : अनिल राजभर

अमृत विचार, लखनऊ : श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि विगत 5 सितंबर 2025 को शिक्षक दिवस के दिन मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षामित्रों को आशीर्वाद दिया गया और शिक्षामित्र के मानदेय वृद्धि तथा अन्य सुविधाएं प्रदान किए जाने की बात कही गयी है। इस लिए थोड़ा धैर्य रखिए, बहुत जल्द ही खुशी का परिणाम आने वाला है। श्रम मंत्री, मंगलवार को विधानसभा भवन के, तिलक हाल सभागार में आदर्श शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन उप्र. के तत्वावधान में आयोजित 'शिक्षामित्र के भविष्य निर्धारण विषयक कार्य शाला' को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षामित्र दूर दराज गांव के प्राथमिक स्कूलों में मजदूर, मजलूम, और किसानों के बच्चों को शिक्षा दे रहे हैं, और उनका भविष्य निर्धारण कर रहे हैं।

दीपावली पर 1.86 करोड़ माताओं-बहनों को मिलेंगे दो मुफ्त सिलेंडर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री योगी आज उज्ज्वला योजना के तहत देंगे निशुल्क सिलेंडर का उपहार
- दो चरणों में वितरण, पहला चरण अक्टूबर से दिसंबर तक व दूसरा चरण जनवरी 2026 से मार्च तक

अमृत विचार : योगी सरकार राज्य कर्मियों को बोनस का उपहार देने के साथ दीपावली पर उत्तर प्रदेश की करोड़ों महिलाओं के चेहरों पर मुस्कान लाने जा रही है।

सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और वंचित परिवारों को राहत देते हुए दो निःशुल्क एलपीजी सिलेंडर रिफिल देने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को लोकभवन सभागार में इस योजना का शुभारंभ करेंगे और पात्र महिलाओं को मुफ्त सिलेंडर रिफिल का उपहार सौंपेंगे।

उज्ज्वला लाभार्थियों को प्रति वर्ष दो निःशुल्क एलपीजी रिफिल देने के तहत यह वितरण वित्तीय वर्ष 2025-26 में दो चरणों में किया जाएगा। पहला चरण अक्टूबर से दिसंबर तक और दूसरा चरण जनवरी 2026 से मार्च तक है। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए प्रदेश सरकार ने 1500 करोड़ रु. की धनराशि का प्रावधान किया है।

पहले चरण के लिए राज्य में 1.23 करोड़ उज्ज्वला लाभार्थियों का आधार प्रमाणन पूरा हो चुका है। योजनान्तर्गत तीनों ऑयल कंपनियों (इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम) के माध्यम से यह वितरण सुनिश्चित कराया जा रहा है। राज्य स्तरीय समन्वयकों द्वारा मांगी गई 346.34 करोड़ रु. की अग्रिम धनराशि ऑयल कंपनियों को दे दी गई है, ताकि वितरण में किसी प्रकार की देरी न हो।

इस तरह मिलेगा लाभार्थियों को योजना का लाभ

- लाभार्थी अपने स्तर से प्रचलित उपभोक्ता दर (सब्सिडी सहित) के अनुसार 14.2 किग्रा एलपीजी सिलेंडर रिफिल खरीदेंगे। इसके बाद मात्र 3-4 दिनों के भीतर सब्सिडी की राशि उनके आधार प्रमाणित बैंक खातों में ऑयल कंपनियों द्वारा अंतरित कर दी जाएगी। केंद्र सरकार की और राज्य सरकार की ओर से सब्सिडी की राशि अलग-अलग लाभार्थियों के खातों में भेजी जाएगी। जिनके पास 5 किग्रा के सिलेंडर हैं, वे चाहें तो 14.2 किग्रा के सिलेंडर भी प्राप्त कर सकते हैं। वहीं, जिनके पास केवल एक कनेक्शन है, उन्हें भी योजना का लाभ मिलेगा।

सिलेण्डर का वजन कम पाया जाता है तो होगा रिप्लेस

- शासन ने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि उपभोक्ताओं को पूरी मात्रा (14.2 किग्रा) में गैस मिले। यदि किसी सिलेण्डर का वजन कम पाया जाता है, तो वितरक अपने संसाधनों से सिलेण्डर रिप्लेस करेगा। बांट माप विभाग और जिला प्रशासन को समय-समय पर जांच के आदेश जारी किए गए हैं। राज्य स्तर पर खाद्यायुक्त कार्यालय में गठित समिति योजना की नियमित समीक्षा करेगी। वहीं, जिला स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति साप्ताहिक समीक्षा बैठकें करेगी। साथ ही जिन लाभार्थियों का आधार अभी प्रमाणित नहीं हुआ है, उनका प्रमाणन प्रशासन और ऑयल कंपनियों के सहयोग से अभियान चलाकर किया जा रहा है।

37 डिब्बे प्रतिबंधित दवाएं पकड़ीं

अमृत विचार, लखनऊ : शासन के निर्देश पर पूरे प्रदेश में अवैध दवाओं और नशीले केमिकल्स के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत मंगलवार को लखीमपुर खीरी के गोला गोखरन नाथ स्थित दवा दुकानों पर छापेमारी की गयी। इस दौरान अनाधिकृत रूप से नारकोटिक्स श्रेणी की ट्रामाडॉल कैप्सूल के कुल 37 बाक्स जब्त किए गए। इनमें चार सैंपल एकत्र करके राजकीय प्रयोगशाला में जांच के लिए भेज दिया गया है।

सुरक्षित, स्वच्छ और सुव्यवस्थित नगरों का निर्माण सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री योगी ने व्यापक 'शहरी पुनर्विकास नीति' की आवश्यकता पर दिया बल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पर्याप्त सार्वजनिक सुविधाओं और पर्यावरणीय संतुलन के साथ विकसित करना है मसौदा
- ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए
- पुराने बाजारों, औद्योगिक क्षेत्रों और अनधिकृत बस्तियों के लिए क्षेत्रवार अलग रणनीति बनाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अपने सरकारी आवास में आवास विभाग की बैठक करते हुए।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आवास विभाग की बैठक में व्यापक ''शहरी पुनर्विकास नीति'' की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई नीति का उद्देश्य पुराने, जर्जर और अनुपयोगी क्षेत्रों को आधुनिक शहरी बुनियादी ढांचे, पर्याप्त सार्वजनिक सुविधाओं और पर्यावरणीय संतुलन के साथ विकसित करना है। उन्होंने कहा कि नीति में ऐसे प्रावधान किए जाएं, जिनसे निवास योग्य, सुरक्षित, स्वच्छ और सुव्यवस्थित नगरों का निर्माण सुनिश्चित हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नगरों की ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। पुराने बाजारों, सरकारी आवास परिसरों, औद्योगिक क्षेत्रों और अनधिकृत बस्तियों के लिए क्षेत्रवार अलग रणनीति तैयार की जाए। नीति में सेवानिवृत्त सरकारी आवासों, पुरानी हाउसिंग सोसाइटियों तथा अतिक्रमण प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्विकास को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं।

योगी आदित्यनाथ के मुताबिक, ''शहरी पुनर्विकास नीति'' केवल भवनों के पुनर्निर्माण तक सीमित न रहकर शहरों के समग्र पुनर्जागरण का मार्ग प्रशस्त करेगी। कहा कि हमारे नगर केवल इमारतों का समूह नहीं, बल्कि जीवंत सामाजिक संरचनाएं हैं। इनके पुनर्जीवन के लिए ऐसी नीति आवश्यक है, जो आधुनिकता, परंपरा और मानवता तीनों का संतुलित समन्वय करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई नीति में राज्य स्तरीय पुनर्विकास प्राधिकरण, परियोजनाओं की सिंगल विंडो अप्रूवल प्रणाली और पीपीपी मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। निवेशकों को स्पष्ट दिशा-निर्देश, प्रोत्साहन और सुरक्षा दी जाए, ताकि निजी क्षेत्र पुनर्विकास में सक्रिय भागीदारी कर सके।

उन्होंने कहा कि नई नीति का मसौदा जनप्रतिनिधियों, नगर निकायों और आम नागरिकों से प्राप्त सुझावों के आधार पर अंतिम रूप से तैयार किया जाए और शीघ्र मंत्रिपरिषद के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाए। बैठक में नगरीय क्षेत्रों में विकास प्राधिकरणों द्वारा लिए जाने वाले बाह्य विकास शुल्क पर भी चर्चा हुईं मुख्यमंत्री ने बाह्य विकास शुल्क को व्यावहारिक और जनहित के अनुरूप बनाए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सभी प्रकार के भूमि उपयोग आवासीय, व्यावसायिक, औद्योगिक और कृषि पर समान शुल्क दरें लागू हैं, जो व्यावहारिक नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नई व्यवस्था में स्थान और भूमि उपयोग के आधार पर शुल्क दरों में अंतर रखा जाए।

सामान्य व्यक्ति स्वयं अपने शुल्क की गणना कर सकें

- मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कृषि एवं औद्योगिक उपयोग की भूमि पर बाह्य विकास शुल्क, आवासीय और व्यावसायिक उपयोग की तुलना में कम होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय नगर निकाय सीमा के भीतर और नगर निकाय सीमा के बाहर की भूमि पर भी शुल्क की दरों में अंतर किया जाए, ताकि निवेशकों और आम नागरिकों दोनों के हितों का संतुलन बना रहे। उन्होंने बाह्य विकास शुल्क की गणना प्रणाली में पारदर्शिता और सरलता लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिसमें सामान्य व्यक्ति भी बिना किसी परेशानी के स्वयं अपने शुल्क की गणना कर सके। इसके लिए शुल्क निर्धारण का फॉर्मूला स्पष्ट, ऑनलाइन और न्यूनतम मानव हस्तक्षेप वाला होना चाहिए।

विकास प्राधिकरणों की जवाबदेही तय हो

- मुख्यमंत्री ने कहा कि बाह्य विकास शुल्क से प्राप्त धनराशि का उपयोग वास्तव में बाह्य बुनियादी सुविधाओं जैसे सड़क, जलापूर्ति, सीवरेज, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज, विद्युत व अन्य जनसुविधाओं के विकास में ही किया जाए। इसके लिए विकास प्राधिकरणों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने आवास विभाग को निर्देश दिया कि बाह्य विकास शुल्क से संबंधित वर्तमान प्राविधानों की समीक्षा कर, जनसुलभ, पारदर्शी और व्यवहारिक नीति का प्रारूप शीघ्र तैयार किया जाए, ताकि नगरीय विकास योजनाओं में गति आए और नागरिकों को वास्तविक लाभ मिले।

भाजपा जातिवादी पार्टी सावधान रहना है

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा बहुत बड़ी जातिवादी पार्टी है, समाज में नफरत फैलाती है और विघटन पैदा करती है।

भाजपा से सभी को सावधान रहना है। उप्र. में अपराधियों से प्रशासन की सांठ-गांठ है। प्रदेश की कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य और शिक्षा सब कुछ बर्बाद है। भाजपा सरकार में जातीय उत्पीड़न और भेदभाव चरम पर है।

सपा प्रमुख मंगलवार को पार्टी कार्यालय पर विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को संबोधित कर रहे थे। गोमती नदी की सफाई की व्यवस्था सपा सरकार में की गई, लेकिन भाजपा सरकार ने सब खराब कर दिया है। अब चला-चली की बेला है तो गोमती नदी की सफाई को लेकर ढोंग कर रहे हैं।

एडेड माध्यमिक स्कूलों के 1641 शिक्षकों के होंगे ऑफलाइन ट्रांसफर

संवाददाता, लखनऊ

- अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने शासनादेश जारी किया

अमृत विचार : योगी सरकार ने प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों के ऑफलाइन स्थानान्तरण की सहमति दे दी है। इस सम्बन्ध में अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने मंगलवार को शासनादेश जारी कर दिया है।

जारी शासनादेश के अनुसार, माध्यमिक शिक्षा निदेशालय स्तर पर लम्बित कुल 1641 शिक्षकों का ही ऑफलाइन स्थानान्तरण किया जाएगा। इसके पश्चात वर्तमान शैक्षिक सत्र में कोई नया आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। साथ ही किसी भी शिक्षक को ऐसे विद्यालय में स्थानान्तरित नहीं किया जाएगा, जहाँ वह पूर्व में कार्यरत रह चुका हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि स्थानान्तरण की प्रक्रिया को यथाशीघ्र पूर्ण करें, जिससे शैक्षणिक कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। इससे सैकड़ों शिक्षकों को राहत मिली है। उन्होंने इसके लिए सरकार को धन्यवाद भी दिया है। शासनादेश के बाद जल्द ही इस पर अमल होगा।

दीपावली व छठ पर्व पर चलेंगी अतिरिक्त बसें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दिल्ली से लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या, कानपुर सहित प्रमुख मार्गों पर बसें चलेंगी
- गाजियाबाद, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, सहारनपुर, आगरा, अलीगढ़ और इटावा के लिए भी बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर दीपावली, भैयादूज और छठ जैसे प्रमुख पर्वों पर प्रदेशवासियों की सुरक्षित एवं सुगम यात्रा उपलब्ध कराने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रदेश में 18 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2025 तक प्रोत्साहन अवधि घोषित किया गया है, प्रोत्साहन अवधि में कार्यरत चालकों, परिचालकों और कर्मचारियों के लिए सरकार ने आर्थिक प्रोत्साहन योजना की भी घोषणा की है, जिसमें इन्हें इस अवधि में कार्यकरने पर अतिरिक्त राशि दी जाएगी।

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने मंगलवार को बताया कि कहा कि दिल्ली से पूर्वी उत्तर प्रदेश के यात्रियों के लिए लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या, कानपुर सहित प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। इसके अलावा गाजियाबाद, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, सहारनपुर, आगरा, अलीगढ़ और इटावा के लिए भी बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी। परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु नारायण सिंह ने बताया कि जो चालक-परिचालक 12 दिन ड्यूटी करते हुए औसतन 300 किमी प्रतिदिन का संचालन करेंगे, उन्हें 400 रूपए प्रतिदिन की दर से 4800 रूपए दिए जाएंगे। यदि कोई कर्मी 13 दिन लगातार ड्यूटी करता है और तय मानक पूरा करता है, तो उसे 450 रूपए प्रतिदिन की दर से 5850 रूपए मिलेंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि अनुबंधित चालकों-परिचालकों को मानक से अधिक चलने पर 55 पैसे प्रति किमी अतिरिक्त मानदेय दिया जाएगा

एनकाउंटर में मारे गए 256 दुर्दांत अपराधी

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

- मिशन शक्ति 5.0 के तहत 20 दिनों में एक दर्जन से अधिक एनकाउंटर हुए

अमृत विचार : योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में पिछले साढ़े आठ वर्षों में अपराध और अपराधियों के खिलाफ ताबड़तोड एनकाउंटर कार्रवाई की है। एनकाउंटर में मेरठ जोन ने मारी बाजी और पूरे प्रदेश में एनकाउंटर में पहले स्थान पर है। उक्त क्रम में ही मिशन शक्ति 5.0 के तहत पिछले 20 दिनों में एक दर्जन से अधिक एनकाउंटर की कार्रवाई की। बीते सोमवार को मेरठ में एक बच्ची के साथ दरिंदगी करने वाले इनामी बदमाश शहजाद उर्फ निक्की को ढेर किया जबकि कुछ दिन पहले बरेली में अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग करने वाले बदमाशों को करारा जवाब दिया।

जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में हुए एनकाउंटर में 256 दुर्दांत अपराधियों को यमलोक पहुंचाया है। पुलिस ने 15,726 मुठभेड़ की कार्रवाइयां कीं, जिनमें 31,960 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। एनकाउंटर में 10,324 अपराधी घायल हुए। वहीं 18 पुलिसकर्मी भी शहीद हो गये जबकि 1,754 पुलिसकर्मी घायल हुए। प्रदेश में सबसे अधिक मेरठ ज़ोन में पुलिस ने 4,453 कार्रवाई की।

जिसमें 85 कुख्यात अपराधियों को मौके पर ही मारे गए, हालांकि दो पुलिसकर्मी भी शहीद हो गये। इसी तरह, दूसरे स्थान पर रहे वाराणसी ज़ोन में 1,108 मुठभेड़ में 27 अपराधी ढेर हुए। तीसरे स्थान पर रहे आगरा जोन में 2,374 एनकाउंटर की कार्रवाई के दौरान 22 अपराधी मार गिराए गए। मुठभेड़ के दौरान 59 पुलिसकर्मी घायल हुए।

महाकुंभ-2025 से भी सुधारी राज्य की अर्थव्यवस्था

लखनऊ, अमृत विचार : राजधानी पहुंची राष्ट्रीय सांख्यिकीय आयोग (नेशनल स्टैस्टिकल कमीशन-एनएससी) के प्रतिनिधमंडल के समक्ष मंगलवार को योगी सरकार के अफसरों ने महाकुंभ-2025 जैसे विशेष आयोजन का राज्य की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव समेत राज्य की अन्य आर्थिक कदमताल से अवगत कराया। राज्य सरकार का प्रस्तुतिकरण देख राष्ट्रीय सांख्यिकीय आयोग के अध्यक्ष, प्रो. राजीव लक्ष्मण करिंदकर ने उत्तर प्रदेश की सांख्यिकीय प्रणाली की प्रगतिशील दिशा की सराहना की और इसे देश के अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय बताया। इसी क्रम में आयोग की ओर से उच्चस्तरीय बैठक से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर केंद्र एवं राज्यों के बीच सांख्यिकीय क्रियाकलापों में समुचित समन्वय एवं प्रभावी रणनीतियां विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहरायी गई।

बाजार से चांदी फुर्र, त्योहार में चाहिए तो कराएं बुकिंग

नीरज मिश्र, लखनऊ

- करीब 15 फीसद अतिरिक्त प्रीमियम देने पर ही मिल रहा यह श्वेत मेटल

अमृत विचार : त्योहारी सीजन में अचानक बाजार में चांदी की कमी हो गई है। वैश्विक उथल-पुथल तो चल ही रही थी कि दीपावली पर बढ़ती खपत से यह सफेद धातु मार्केट से अचानक फुर्र हो गई है। कारोबारियों का मानना है कि बैंक और बुलियन मर्चेंट्स ने सिल्वर धातु की बिक्री में कमी कर दी है। यही नहीं विदेशों से आने वाली चांदी की आवक भी थमी है। हाल यह है कि बाजार की जरूरत को देखते हुए माल दबाए लोग या यूं कहे कि स्टॉकिस्ट लगभग '15 प्रतिशत अतिरिक्त प्रीमियम' पर ही इसे मार्केट में निकाल रहे हैं। इस पर्व पर जब सबसे ज्यादा चांदी की ज्वेलरी, सिक्के आदि चीजों के खरीदार बाजार में होते हैं उस दौरान करीब हफ्तेभर की बुकिंग ने बाजार की सिल्वर बिक्री पर ब्रेक लगा दिया है। चांदी न मिलने से व्यापार सीधे तौर पर प्रभावित हो रहा है।

> चांदी की कमी बाजार में है। खरीदारों के बीच दीपावली पर्व पर सर्वाधिक इस्तेमाल होने वाली यह धातु इन दिनों बाजार में जरूरत से काफी कम है। जिस ज्वेलर्स को ज्यादा जरूरत है उसे करीब 15 फीसद प्रीमियम देना पड़ रहा है। सर्राफ को समय से चांदी न मिली तो पर्व निकल जाएगा। फिलीपींस, कनाडा, घाना, दक्षिण अफ्रीका, लंदन, आस्ट्रेलिया, रूस आदि से आने वाली यह कीमती श्वेत धातु जरूरत से काफी आ रही है।
>
> -अनुराग रस्तोगी, स्टेट हेड इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन(इब्जा)

धनतेरस पर बिकते हैं ज्यादा चांदी के आइटम

- इस पंचदिवसीय पर्व पर सबसे ज्यादा चीजें बाजार में बनती हैं। श्वेत धातु की 'शुभता' अधिक होने और सोने की अपेक्षा कीमत कम होने के कारण इससे तमाम आइटम बनाये जाते हैं। जिनकी खूब बिक्री पर्व के दौरान होती है।

चांदी के गणेश लक्ष्मी बने सिक्कों का बाजार रहता है गर्म

- इस पंचदिवसीय पर्व पर बड़ी संख्या में गणेश-लक्ष्मी बने सिक्कों के खरीदार होते हैं। आस्थावान सबसे ज्यादा इन्हीं सिक्कों की पूजा करते हैं। सिक्कों की दिनरात ढलाई का काम सर्राफा बाजार में होता है। श्रीगणेश और माता महालक्ष्मी की मूर्तियां खूब बनती और बिकती हैं। इसके अतिरिक्त चांदी के बार (बिस्किट, ईंट जैसी आकृति), पूजन के लिए बर्तन आदि चीजों की बिक्री चरम पर होती है।

रेयर अर्थ में शुमार होती है चांदी, कई अहम चीजों में होता है प्रयोग

- चांदी रेयर अर्थ के रूप में शुमार होती है। इसका इलेक्ट्रानिक्स, ऑटोमोबाइल सेक्टर समेत कई अन्य तकनीकी चीजों में जमकर प्रयोग किया जाता है। इन आर्टिकल पर ब्रेक नहीं लगता है। ऐसे में पर्व के दौरान चांदी की कमी बाजार की गति को प्रभावित कर रही है।

विकास

राज्य स्तरीय सैन्क्शनिंग कमेटी की बैठक में वर्ष 2025-26 के लिए 450 करोड़ का आउट-ले अनुमोदित

जमीन पर उतरेंगी 200 करोड़ की कई परियोजनाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय सैन्क्शनिंग कमेटी (एसएलएससी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य कृषि विकास कार्यक्रम (एसएडीपी) के तहत कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। प्रमुख सचिव कृषि रवीन्द्र ने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए 450 करोड़ का आउट-ले अनुमोदित है और 200 करोड़ रुपये की धनराशि बजट प्राविधान में स्वीकृत है।

इस दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि स्वीकृत परियोजनाओं से न केवल कृषि उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। अनुमोदित परियोजनाओं के अंतर्गत समस्त कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराये जायें। बैठक में प्रदेश के कासगंज, बागपत, शामली एवं भदोही में उप कृषि निदेशक कार्यालय भवन एवं मृदा परीक्षण भवन के निर्माण के लिए 18.24 करोड़ रुपए, पूर्व से निर्मित 326 किसान कल्याण केन्द्रों के सुचारु संचालन को विद्युत व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के विकास के लिए 21.03 करोड़ रुपए तथा कृषि विभाग के 57 राज्य कृषि प्रक्षेत्रों की 1729.42 हेक्टेयर ऊसर भूमि एवं 1274.68 हेक्टेयर अकृषि योग्य भूमि के विकास के लिए 17.40 करोड़ रुपए की परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई।

इसी क्रम में झांसी एवं मिर्जापुर में इक्रीसेट के माध्यम से 13872 हेक्टेयर व 7996 हेक्टेयर भूमि में जल प्रबंधन एवं फसल पद्धतियों के विकास के लिए 39.08 करोड़ रुपए, मऊरानी (झांसी) में स्थित भूमि संरक्षण प्रशिक्षण केन्द्र पर हास्टल के निर्माण को 5.34 करोड़ रुपए, प्रदेश के 09 जैव उर्वरक उत्पादन प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण के लिए 5.17 करोड़ तथा प्रसार प्रशिक्षण एवं ब्यूरो परिसर-लखनऊ में इनहाउस स्टूडियो निर्माण आदि कार्यों के लिए 4.36 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी गई।

लखनऊ में 36.15 करोड़ से बनेगा महिला छात्रावास

- इसी तरह राज्य कृषि प्रबंध संस्थान-रहमान खेड़ा (लखनऊ) के माध्यम से कृषि यंत्रीकरण एवं सोलर पम्प मैकेनिक के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 1.91 करोड़ रुपए, पशुपालन विभाग के बक्शी तालाब-लखनऊ स्थित प्रशिक्षण केन्द्र के उच्चीकरण के साथ-साथ निबलेट बाराबंकी प्रक्षेत्र एवं निदेशालय परिसर में फार्म पोल्ट्री के विकास आदि के लिए 12.67 करोड़ रुपए की परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के माध्यम से कसया-कुशीनगर में केला के पौध उत्पादन के लिए टिशू कल्चर लैब एवं सिगना-आगरा परिक्षेत्र पर हास्टल निर्माण, निदेशालय परिसर-लखनऊ में महिला छात्रावास आदि कार्यों के लिए 36.15 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी प्रदान की गई।

चार सामुदायिक रेशम कीटपालन केन्द्र बनेंगे

- इसी प्रकार रेशम विभाग के राजकीय प्रक्षेत्रों पर 04 सामुदायिक रेशम कीटपालन केन्द्र तथा प्रक्षेत्रों की सुरक्षा को तारबाड़ एवं अन्तर्राज्यीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 17.63 करोड़ रुपये, सहकारिता विभाग की 12 प्राथमिक साधन सहकारी समितियों पर 100 मीट्रिक टन क्षमता के 12 गोदामों के निर्माण के लिए 5.90 करोड़ रुपए तथा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय मेरठ एवं अयोध्या तथा पीडीडीयू-मथुरा तथा कृषि विज्ञान केंद्र गनीवा-चित्रकूट पर प्राकृतिक खेती के उत्थान को आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र आदि के लिए 11.62 करोड़ रुपए की परियोजना को स्वीकृति दी गई।

न्यूज ब्रीफ

शिक्षक के चैनल को मिला सिल्वर प्ले बटन

पीलीभीत अमृत विचार : अधिकांश शिक्षक पारंपरिक शिक्षण पद्धति तक सीमित रहते हैं, वहीं कंपोजिट स्कूल नौगवां संतोष के शिक्षक अनुज कुमार शर्मा ने डिजिटल प्लेटफॉर्म से शिक्षा को नई दिशा दी है। कोरोना काल में बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए उन्होंने अनुज कुमार शर्मा नाम से यूट्यूब चैनल शुरू किया था, जो आज लाखों बच्चों की सीखने की राह को आसान बना रहा है। इसी नवाचार और समर्पण के चलते यूट्यूब ने अनुज कुमार शर्मा को सिल्वर प्ले बटन से सम्मानित किया है। उन्होंने करीब 335 शैक्षिक वीडियो अपलोड की हैं। उनकी कई वीडियो को लाखों व्यूज मिले हैं, जिससे उनके चैनल की लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई

स्नातक-परास्नातक के प्रैक्टिल अब कल तक

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विवि ने स्नातक के बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए, बीएससी गृह विज्ञान पंचम व षष्टम सेमेस्टर एवं परास्नातक के एमए, एमएससी एवं एमकॉम तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की स्पेशल बैक परीक्षा 2025 की बाह्य प्रयोगात्मक, मौखिकी और आंतरिक परीक्षा की अंतिम तिथि 16 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। परीक्षा नियंत्रक ने सभी महाविद्यालयों को निर्धारित तिथि तक विश्वविद्यालय के पोर्टल पर अंक अपलोड करने के निर्देश दिए हैं।

अब जंगल घूमने के शौकीन सैलानी घर बैठे बुक करा सकेंगे सफारी वाहन

इस सत्र में बढ़ाई जाएगी वाहनों की संख्या, कमर्शियल वाहनों को मिलेगी प्राथमिकता

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

पर्यटन सत्र के दौरान पीटीआर में मौजूद सफारी वाहन। (फाइल फोटो)

- 1 नवंबर से शुरू होने वाले पर्यटन सत्र की तैयारियां तेज

"पर्यटन सत्र को लेकर तैयारियां तेजी से चल रही है। पर्यटकों की सुविधाओं को देखते हुए तैयारियां की जा रही है। इस बार सफारी वाहनों की ऑनलाइन बुकिंग की व्यवस्था की जा रही है, ताकि पर्यटकों को कोई दिक्कत न हो। इसके अलावा कई अन्य सुविधाएं बढ़ाने पर भी मंथन चल रहा है।
– **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

अमृत विचारः पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र पहली नवंबर से शुरू होने जा रहा है। इस पर्यटन सत्र में देश-विदेश से आने वाले सैलानियों को सफारी वाहनों की बुकिंग के लिए बुकिंग काउंटर की लंबी लाइन में नहीं लगना होगा। सैलानी घर बैठे ही सफारी वाहन की ऑनलाइन बुकिंग करा सकेंगे। इसे लेकर वेबसाइट बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है। वहीं इस बार सैलानियों की बढ़ती संख्या को लेकर टाइगर रिजर्व प्रशासन ने सफारी वाहनों की संख्या भी बढ़ाने की तैयारी की है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के बीते पर्यटन सत्रों के दौरान साल दर साल यहां आने वाले सैलानियों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। वहीं विदेशी सैलानियों की संख्या में भी पिछले पर्यटन सत्र के दौरान खासी बढ़ोत्तरी हुई थी। इधर इस बार यहां पर्यटन सत्र 6 दिन पहले 1 नवंबर को शुरू होने जा रहा है। टाइगर रिजर्व प्रशासन ने इसको लेकर तेजी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। जंगल मार्गों की साफ-सफाई करने के साथ उन्हें समतल किया जा रहा है। वहीं पीटीआर में पर्यटन का केंद्र बिंदु माने जाने वाले इको टूरिज्म स्पॉट चूका बीच पर भी साफ-सफाई कर संवारा जा रहा है। कुल मिलाकर पीटीआर आने वालों को यहां चुस्त-दुरुस्त व्यवस्थाओं के साथ बहुत कुछ बदला सा मिलेगा।

इधर पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पर्यटन सत्र के दौरान सैलानियों की सुविधा के लिए सफारी वाहनों का संचालन किया जाता है। इसमें जीनॉन सफारी एवं जिप्सी वाहनों का संचालन किया गया है। इन्हीं सफारी वाहनों के माध्यम से ही पर्यटक पीटीआर की सैर करने के साथ चूका बीच समेत अन्य टूरिज्म प्वाइंटों तक पहुंचते हैं। अभी तक पर्यटन सत्र के दौरान सैलानी सफारी वाहनों की बुकिंग के लिए मुस्तफाबाद गेट, महोफ गेट पर बने बुकिंग काउंटर पर पहुंचते थे। कई-कई बार में सैलानियों को लंबी लाइन और सैलानियों की अधिक संख्या होने पर सफारी वाहनों के न मिलने पर मायूस होकर लौटना पड़ता था। मगर आने वाला पर्यटन सत्र सैलानियों के लिए राहत भरी खबर लेकर आ रहा है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में आने वाले सैलानियों को अब सफारी वाहनों के लिए बुकिंग काउंटरों की लंबी लाइन में नहीं लगना होगा। दरअसल टाइगर रिजर्व प्रशासन आगामी पर्यटन सत्र में सफारी वाहनों की ऑनलाइन बुकिंग की कवायद में लगा है। इसको लेकर एक वेबसाइट भी तैयार की जा रही है। सैलानी वेबसाइट पर जाकर घर बैठे ही सफारी वाहनों की बुकिंग करा सकेंगे। इसके साथ ही सैलानियों की संख्या बढ़ने पर सफारी वाहनों की मारामारी से बचने के लिए टाइगर रिजर्व प्रशासन ने इस बार सफारी वाहनों की संख्या भी बढ़ाने का निर्णय लिया है।

आयकर टीम ने दूसरे दिन भी खंगाले रहबर फूड इंडस्ट्री में दस्तावेज

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आयकर टीम की कार्रवाई 36 घंटे से ज्यादा समय से जारी
- फैक्ट्री के कार्यरत कर्मचारियों से भी अलग-अलग की गई पूछताछ

अमृत विचार : आयकर विभाग की टीम मंगलवार को दूसरे दिन भी मारिया फ्रोजन की साझीदार रहबर फूड फैक्ट्री में दस्तावेज खंगालती रहीं। संभल की मीट फैक्ट्री इंडिया फ्रोजेन में बड़ी टैक्स चोरी और बिना अनुमति कटान के अंदेशे में उसकी सहयोगी कंपनियों में चल रही आयकर विभाग की छापेमारी लगातार 36 घंटे से जारी है। आयकर टीम में शामिल सदस्यों ने कंपनी के कर्मचारियों से भी पूछताछ करके जानकारी जुटाई।

संभल की मीट फैक्ट्री इंडिया फ्रोजन ने बरेली के नरियावल में स्थित रहबर फूड फैक्ट्री की किराये पर ले रखा है। संभल की इंडिया फ्रोजन पर सोमवार की सुबह चार बजे आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा था। इसके साथ ही प्रदेश में उससे जुड़े करीब 30 ठिकानों पर भी छापेमारी शुरू की गई। बरेली में मारिया फ्रोजेन की सहयोगी कंपनी रहबर फूड फैक्ट्री में भी मंगलवार को दूसरे दिन भी छापेमारी की कार्रवाई जारी रही।

आयकर अधिकारी संभल से मिल रहे इनपुट के आधार पर यहां से दस्तावेज खंगालने में जुटे हुए हैं। टीम ने दूसरे दिन कर्मचारियों से ही फैक्ट्री में स्टॉक संबंधी जानकारी के साथ ही सप्लाई के संबंध में भी पूछताछ की। आयकर टीम देर शाम तक रहबर फूड फैक्ट्री परिसर में ही मौजूद रहकर छानबीन में जुटी हुई थी। इस दौरान टीम ने तमाम अहम दस्तावेजों को अपने कब्जे में ले लिया है। टीम अब मांस कारोबार से जुड़े अन्य पहलुओं पर जांच कर रही है।

अभी जारी रहेगी जांच, संभल से मिल रहे आदेश : सूत्रों के अनुसार, रहबर फूड इंडस्ट्री की जांच कर रही आयकर टीमों को संभल से निर्देश मिल रहे हैं। इसके आधार पर जब तक संभल में कार्रवाई जारी रहेगी टीमें बरेली में जांच जारी रखेंगी। हालांकि मंगलवार को देर रात तक छापे की कार्रवाई पूरी होने का अनुमान जताया जा रहा है। इसके बाद ही टीम के वापस लौटने की संभावना जताई जा रही है।

दुकानें रहीं बंद, नहीं हुई मांस सप्लाई : मारिया फ्रोजन फूड्स की साझीदार रहबर फूड इंडस्ट्री पर चल रही आयकर छापे की कार्रवाई का जिले के मांस विक्रेताओं के कारोबार पर बड़ा असर देखने को मिला है। आयकर छापे की सोमवार को शुरू हुई कार्रवाई आरंभ होने से फैक्ट्री से मांस की सप्लाई भी पूरी तरह से बंद रही, यहां से पूरे मंडल में मांस की सप्लाई की जाती है। शहर में इसका असर बाजार में देखने को मिला। शहर के आजम नगर, किला, मलूकपुर, नकटिया समेत अन्य इलाके की मांस की दुकानें भी बंद नजर आईं।

फैक्ट्री के आसपास पसरा रहा सन्नाटा

नरियावल में स्थित रहबर फूड फैक्ट्री के आसपास के इलाके में मंगलवार को दिन भर सन्नाटा पसरा रहा। आयकर की टीम ने सोमवार को जब छापे की कार्रवाई शुरू की थी तो आसपास के तमाम लोग फैक्ट्री परिसर के बाहर जुट गए थे। दरअसल छापे में शामिल सदस्यों ने वाहन फैक्ट्री के बाहर ही खड़े कर दिए थे, जिससे लोगों को वहां चल रही कार्रवाई की भनक लग गई थी, लेकिन मंगलवार को सभी वाहनों को फैक्ट्री के अंदर प्रवेश कराकर मुख्य द्वार को अंदर से बंद करा दिया गया। रहबर फूड इंडस्ट्री में बाहर आने जाने के तीन रास्ते बने हुए हैं और तीनों ही रास्ते अंदर से बंद थे।

कार्यालय जिला पंचायत शाहजहांपुर

पत्रांकः सी–773/जि.पं.मेला कार्तिक/2025–26 दिनांकः 14.10.2025

सार्वजनिक सूचना

जिला पंचायत शाहजहांपुर द्वारा विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी श्रंगी ऋषि की तपोभूमि जी के तट पर मेला कार्तिक ढाई घाट गंगा नदी के पावन तट पर श्रद्धालुओं हेतु आयोजित किया जायेगा। इस वर्ष यह मेला दिनांक 31.10.2025 से प्रारंभ होकर दिनांक 08.11.2025 को समाप्त होगा। मेले का मुख्य पर्व कार्तिक पूर्णिमा दिनांक 5.11.2025 दिन बुधवार को है। इस मेले को सफलतापूर्वक संपन्द कराने हेतु मा. अध्यक्ष महोदया ने मेला स्थल चयन हेतु दिनांक 25.10.2025 को समय 12:00 बजे गंगा जी के पावन तट पर ढाई घाट पर निर्धारित किया है।

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत शाहजहांपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत मिलकिया विकास खंड निगोही जिला शाहजहांपुर

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मो एवं विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मिलकिया की कार्य योजना 2025–26 के अन्तर्गत मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न कार्यो को कराये जाने हेतु ईट, रेता, रोड़ी, सीमेन्ट, बजरी, बजरफुट, पन्नी, सरिया इत्यादि सामान की आवश्यकता है। उक्त सामग्री की सीलबन्द निविदायें दिनांक 15.10.2025 को ग्राम पंचायत कार्यालय पर दोपहर 2 बजे तक आमंत्रित की जायेगी जो उसी दिन दोपहर 3:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जायेगी। निविदा को स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का अधिकार केवल ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.सं.	कार्य का नाम	लम्बाई	अनु. लागत
1.	ग्राम सिन्दलखेड़ा में रामसेन के मकान से विशम्बर दयाल के मकान तक नाली व सी.सी. रोड	88x3.30 मी.	39305/–
2.	सेवा सिंह के मकान से प्रताप के मकान तक नाली व इण्टरलॉकिंग कार्य।	120x2.90 मी.	389966/–
3.	प्राथमिक स्कूल मिलकिया में एम.डी.एम. सेट निर्माण कार्य।	11x5 मी.	550000/–

ग्राम प्रधान– अनीता देवी **गंगामहेश पाण्डे– सचिव**

कार्यालय नगर पंचायत खुटार, जनपद-शाहजहांपुर

पत्रांकः 201/न.पं.खु./2025–26 दिनांकः 14.10.2025

प्रस्ताव आमंत्रण सूचना

समस्त पंजीकृत अनुभवी गैर सरकारी संगठनों (NGO) को सूचित किया जाता है कि शासनादेश संख्या पी.एम.यू./54/563/2023 दिनांक 01.09.2025 के अनुपालन में नगर पंचायत खुटार को गार्वेज फ्री सिटी बनाये जाने हेतु डोर–टू–डोर कूड़े के पृथक्करण (सोर्स सेग्रिगेशन) कार्य किये जाने के उद्देश्य से जनमानस में चेतना जाग्रत किये जाने के लिए वृहद स्तर पर जन जागरूकता अभियान आगामी 03 माह के लिए चलाया जाना है। जिसके अन्तर्गत संवाद, प्रेरणात्मक कार्यक्रम (नुक्कड़ नाटक इत्यादि) के माध्यम से जनसाधारण आगे में अपशिष्ट प्रबंधन हेतु व्यवहारात्मक, गुणात्मक परिवर्तन करते हुये स्वच्छता सम्बन्धी आदतों का विकास किया जा सकें। उक्त सन्दर्भ में पंजीकृत/अनुभवी गैर सरकारी (NGO) प्रस्ताव 20.10.2025 को समय 04:00 बजे तक सीलबन्द लिफाफे में नगर पंचायत खुटार जनपद–शाहजहांपुर में आमंत्रित है। इससे सम्बन्धित समस्त नियम व शर्ते कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में देखी जा सकती है।

अतिरिक्त मजिस्ट्रेट/अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत खुटार, शाहजहांपुर

अध्यक्ष
नगर पंचायत खुटार, शाहजहांपुर

उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्रा. लिमिटेड

UMMEED HOUSING FINANCE We bring your dreams to life

पंजीकृत कार्यालय: 2009-2014, 20वीं मंजिल, मैग्नम ग्लोबल पार्क, सेक्टर-58, गुरुग्राम (हरियाणा)-122002")
CIN: U65922HR2016PTC057984

सरफेसी अधिनियम की धारा(13)2 के तहत मांग सूचना

चूंकि ऋण खाता एनपीए बन गया है, इसलिए प्राधिकृत अधिकारी ने तालिका में दिए गए उधारकर्ता/आवेदक/गारंटर/बन्धककर्ता को वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13[2] के तहत मांग नोटिस जारी किया है। नोटिस के अनुसार यदि उधारकर्ता 60 दिनों के भीतर पूरी राशि जमा नहीं करते हैं, तो राशि नीचे उल्लिखित बंधक संपत्ति/सुरक्षित संपत्तियों की नीलामी से वसूल की जाएगी। इसलिए, उधारकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि वे मांग नोटिस की तारीख से 60 दिनों के भीतर भविष्य के ब्याज और खर्चों के साथ पूरी ऋण राशि जमा कर दें, अन्यथा उक्त अधिनियम के प्रावधान 13 [4] और 14 के तहत प्राधिकृत अधिकारी नीचे दिए गए अनुसार बंधक संपत्ति/सुरक्षित संपत्तियों की बिक्री के लिए कब्जा ले लेंगे।
उधारकर्ताओं को ध्यान देना चाहिए कि अधिनियम, 2002 के 13 [13] के संदर्भ में इस नोटिस की प्राप्ति के बाद, आपको सुरक्षित लेनदार की पूर्व लिखित सहमति के बिना, बिक्री, पट्टे या अन्य किसी भी माध्यम से किसी भी सुरक्षित संपत्ति को स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित और रोका जाता है।
उधारकर्ताओं का ध्यान सुरक्षा ब्याज (प्रवर्तन) नियम, 2002 अधिनियम की धारा-13[8] आर/डब्ल्यू नियम 3[5] की ओर आकर्षित किया गया है कि उधारकर्ता नीलामी नोटिस के प्रकाशन से पहले नीचे उल्लिखित पूर्ण बकाया राशि के भुगतान पर अपनी सुरक्षित संपत्तियों को प्राप्त करने का हकदार होगा, जो उसके बाद समाप्त हो जाएगी।

क्र सं	उधारकर्ता/आवेदक/गारंटर/बंधककर्ता का नाम	धारा 13 [2] के तहत मांग नोटिस की तारीख और राशि
1.	**1. सतीश कुमार पुत्र राधे लाल (उधारकता), 2. लता पत्नी सतीश कुमार (सह-उधारकता), 3. सौरभ कश्यप पुत्र सतीश कुमार (सह-उधारकता), उपरोक्त सभी निवासी:** मकान संख्या 75/सी, रोड संख्या-07, गुड शेफर्ड स्कूल के पास, कृष्णा नगर, बरेली, उत्तर प्रदेश- 243122 **इसके अतिरिक्त,** इज्जत नगर रेलवे वर्कशॉप, रोड संख्या 7, इज्जत नगर, बरेली, उत्तर प्रदेश- 243122 **ऋण संख्या: LXBAR02923-240025154, ऋण अनुबंध की तिथि: 28 मई 2023, ऋण राशि: रु. 24,00,000/-**	**08-अक्टूबर-2025 रुपये 24,24,219/- (रुपये चौबीस लाख चौबी हजार दो सौ उन्नीस मात्र) 08-अक्टूबर-25 को, दिनांक 09-अक्टूबर-2025 से अतिरिक्त ब्याज और अन्य शुल्कों सहित।**
	बंधक संपत्ति का विवरण:- भूखंड संख्या 30 और 31 के एक हिस्से पर बने मकान समस्त अंश एवं खंड, जिसका क्षेत्रफल 83.61 वर्ग मीटर है, खसरा संख्या 63, ग्राम परतापुर चौधरी में स्थित, तहसील और जिला-बरेली, उत्तर प्रदेश जिसकी **सीमा इस प्रकार है: पूर्व-** भूखंड संख्या 38 और 39 हॉल राम प्रसाद का मकान, **पश्चिम-** आराजी गुरदयाल सिंह, भूखंड चमन लाल, **उत्तर-** मकान चमनलाल जो गुरदयाल सिंह की आराजी पर बना है, **दक्षिण-** सड़क 16 फीट चौड़ी मकान टेकचंद और लड़ैती देवी।	
2.	**1. नरेश कुमार पुत्र नन्हे लाल (उधारकर्ता), 2. सोनम पत्नी नरेश (सह-उधारकर्ता), 3, मीना देवी पत्नी नन्हे लाल (सह-उधारकर्ता) उपरोक्त सभी निवासी-** 196 मोहल्ला बेनी चौधरी, पीलीभीत, उत्तर प्रदेश- 262001 **इसके अलावा** 178 मोहल्ला बेनी चौधरी पीलीभीत उत्तर प्रदेश-262001 **ऋण संख्या - LXBAR04124-250044040, ऋण अनुबंध की तिथि: 28-अक्टूबर-2024, ऋण राशि रु. रु. 12,25,000/-**	**08-अक्टूबर-2025 रुपये 12,76,455/- (केवल बारह लाख छिहत्तर हजार चार सौ पचपन रुपये) 08-अक्टूबर-25 को + 09-अक्टूबर-2025 की तिथि से अतिरिक्त ब्याज और अन्य शुल्क**
	बंधक संपत्ति का विवरण:- मकान का क्षेत्रफल 104.39 वर्ग मीटर, मोहल्ला बेनी चौचरी में स्थित, जिला- पीलीभीत, उत्तर प्रदेश, **सीमाएँ: पूर्व-** बाबू पुत्र प्रताप का मकान, **पश्चिम-** विक्रम पुत्र मुंशी लाल का मकान, **उत्तर-** सरन सिंह का मकान और 2 मीटर चौड़ा रास्ता, **दक्षिण-** नफीस बत्ती वाले का मकान।	

दिनांक: 15.10.2025,
स्थान: गुरुग्राम

प्राधिकृत अधिकारी श्री गौरव त्रिपाठी मोबाइल- 9650055701
उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्रा. लिमिटेड

दिवाली की छुट्टी घोषित

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज में दिवाली से छठ तक के अवकाश घोषित कर दिए हैं। प्राचार्य प्रो. ओपी राय के मुताबिक 18 से 25 तक धनतेरस, दिवाली, गोवर्धन पूजा, भैय्या दूज और 28 को छठ पूजा की छुट्टी रहेगी।

न्यायालय श्रीमान् जनपद न्यायाधीश, बरेली

प्रकीर्ण वाद सं.– 18/2024

बाबा प्रचार गिरी आयु लगभग 51 वर्ष चेला महंत उमा शंकर गिरी निवासी मगनपुर, परगना तहसील फरीदपुर जिला बरेली .... प्रार्थी

बनाम 1. बाबा जागेश्वर गिरी आयु लगभग 40 वर्ष चेला महंत उमा शंकर गिरी निवासी सिसैय्या मगनपुर, परगना, तहसील फरीदपुर, जिला बरेली
2. बाबा राम नरेश गिरी आयु लगभग 38 वर्ष चेला महंत उमा शंकर गिरी निवासी सिसैय्या मगनपुर, परगना, तहसील फरीदपुर, जिला बरेली
.... विपक्षीगण

दरखास्त मुसम्मी बाबा प्रचार गिरी ने वास्ते सर्वराकार नियुक्त करने हेतु वाद योजित किफायत जाये याफतावी मुसम्मी बाबा प्रचार गिरी। अपने व मुजादि एक्स 7 सन् 1889 ई. व कैद।
हरगाह मुसम्मी बाबा प्रचार गिरी ने सर्वराकार नियुक्त करने और तारीख 17.10.2025 वास्ते समायत दरखास्त हाजा के मुकर्रर की है। लिहाजा इश्तहार जारी किया जाता है कि जिस किसी को दरखास्त हाजा के निसवत कोई उजर हो, असालतन या वकालतन बतारीख 17.10.2025 को पेश होकर दरखास्त हाजा की निसवत उजर पेश करें। दरसूरत इनकामें तारीख मुकर्रर कोई उजर निस्वत दरखास्त सुना नहीं जायेगा और मुनासिब हुक्म निस्वत दरखास्त हाजा सादिर होगा। आज दिनांक 3.10.2025 को मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।

जिला जज, बरेली

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना : ओटी-09-2025

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर-II/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये "खुली" निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा सं. : ओटी-09-2025, **कार्य का विवरण :** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल अन्तर्गत सहजनवाँ-दोहरीघाट नई लाईन परियोजना के तहत सहजनवाँ (Excl.) - बांसगाँव (Incl.) खण्ड के ओएचई (2x25 केवी, एसी, 50 हट्र्ज) सिस्टम के साथ-साथ बाउण्ड्री सेक्शनिंग पोस्ट (BSP), सब सेक्शनिंग पोस्ट (SSP) के रेलवे विद्युतीकरण हेतु डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण एवं कमीशनिंग का कार्य, **अनुमानित लागत :** रु. 34,25,74,214.11, **बयाना राशि :** रु. 18,62,900.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु. निल, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 24 माह, **निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समय :** 10.11.2025 को 15.00 बजे।

नोट : • इस निविदा के विरुद्ध कोई मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in को देखें।
• निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगे।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर-II/निर्माण
मुजाधि/विद्युत-161 पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

जब तक सरकार लिख कर नहीं देगी तब तक नहीं लूंगा वाई श्रेणी सुरक्षा

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- आजम खां ने कहा, वाई श्रेणी सुरक्षा देने के साथ गाड़ी, तेल और ड्राइवर भी दे सरकार
- मेरे आर्थिक हालात खराब, मेरे पास सुरक्षाकर्मियों के लिए नहीं है कोई वाहन

अमृत विचार : पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खां ने कहा है जब तक प्रदेश सरकार लिखित में नहीं देती तब तक वह वाई श्रेणी की सुरक्षा नहीं लेंगे। कहा कि उन्हें हालात ने बहुत कुछ सिखा दिया है। एक बार विधायक बने व्यक्ति को केंद्र सरकार के कमांडोज मिल गए हैं। इसी तर्ज पर उन्हें भी सुरक्षा दी जाए।

अपने आवास पर आजम खां ने पत्रकारों से कहा कि सरकारी जमीनों से नाजायज कब्जे सरकार ने हटाए। उस पर सरकारी इमारतें बनीं और इन इमारतों का सरकार ने अलाटमेंट किया। जबकि 21 साल की सजा उन्हें हुई और 36 लाख का जुर्माना भी पड़ा। कहा कि वह कैसे ले लें सुरक्षा जब तक उनके पास कोई तहरीर न हो। कहा कि किसने दी है यह सुरक्षा, मैं कैसे भरोसा करूं कि यह खाकी वर्दी पहने और हथियार लिए हुए लोग उत्तर प्रदेश सरकार के लोग हैं। उन्होंने कहा कि उनके हालात इस वक्त ऐसे नहीं हैं कि सिक्योरिटी के लिए कोई सवारी मुहैया करा सकें। अगर आप सुरक्षा दे रहे हैं तो इन्हें बैठाने के लिए उनके पास गाड़ी नहीं है।

उन्होंने कहा कि मुर्गी चोरी के इल्जाम में 21 साल की सजा पड़ी है और 36 लाख का जुर्माना लगा है। जबकि 113 मुकदमों के फैसले बाकी हैं। सजायाफ्ता को सिक्योरिटी नहीं मिलती तो कैसे मान लूं कि जो लोग आए हैं वे कब वापस ले लिए जाएंगे। शहर विधायक का नाम लिए बिना तंज किया कि हमारे विरोधियों के पास कमांडो हैं। जिन्होंने शहर लूट लिया, लोकतंत्र लूट किया, सारी व्यवस्था लूट ली उनके पास केंद्र सरकार के कमांडोज हैं। उन्हें भी उतनी सुरक्षा दी जाए जितनी उनके विरोधियों के पास है। कहा कि वह दिल्ली चेकअप के लिए अकेले जाते हैं, उनके साथ कोई हादसा हो जाए तो क्या फर्क पड़ता है। विधानसभा और लोकसभा में एक-एक शोकसभा हो जाएगी और लोग कहेंगे कि मरहूम बहुत अच्छे आदमी थे। कहा कि वह कुछ कह कर भी क्या कर लेंगे बस अपनी टांगें बचाए फिर रहे हैं। कहा कि न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए।

प्रतियोगिता के विजेताओं को दिए गए पुरस्कार

पुरस्कृत किए गए विजेता। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: जेसीआई मिडटाउन की ओर से आयोजित इंटर स्कूल बैडमिंटन टूर्नामेंट में पीलीभीत के विभिन्न स्कूलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

टूर्नामेंट इफ्सा एकेडमी के बैडमिंटन कोर्ट में संपन्न हुआ। सब जूनियर, जूनियर और सीनियर बालक बालिका वर्ग में प्रतियोगिता कराई। जिनमें बेनहर पब्लिक स्कूल के खेल शिक्षक त्रिलोक चंद्र के मार्गदर्शन में शामिल हुए खिलाड़ियों में सब जूनियर गर्ल्स कैटेगरी में रितिशा गुप्ता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, सब जूनियर बालक वर्ग में रणवीर सिंह ने प्रथम स्थान पाया, सब जूनियर बालक वर्ग डबल्स में रणवीर सिंह और शाश्वत यादव प्रथम रहे। इसके अतिरिक्त सीनियर बालक वर्ग डबल्स में गर्वित सिंह एवं शौर्य ने प्रथम स्थान हासिल किया। विद्यालय के प्रशासक डॉ. परविंदर सिंह सैहमी, प्रधानाचार्या करिश्मा सैहमी, एक्टिविटीज इंचार्ज रोशनी बग्गा आदि ने विजयी खिलाड़ियों को सम्मानित कर हौसला बढ़ाया।

दिवाली पर रोडवेज की सौगात बरेली के लिए आईं 10 नई बसें

बरेली, अमृत विचार : परिवहन निगम ने दिवाली से पहले बरेली को 10 नई बसों का तोहफा दिया है। इन बसों के मिलने से यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। अधिकारियों ने इन बसों का आवंटन भी संबंधित डिपो को कर दिया है। दिवाली से पहले रोडवेज को 10 नई बसें मिली हैं। इसमें बरेली डिपो को छह और रुहेलखंड डिपो की चार नई बसें आवंटित हुई हैं। यह बसें विभिन्न रूटों पर चलाई जाएंगी। अधिकारियों के अनुसार बरेली डिपो की छह नई बसें मिलाकर कुल 199 बसें दिवाली पर लगाई हैं। रुहेलखंड डिपो की 195 बसें और चार नई आने बसें मिलाकर कुल 199 बसें यात्रियों की सुविधा में लगेंगी। बदायूं डिपो की 149 व पीलीभीत डिपो की 103 बसें शामिल हैं। इसके अलावा 53 बसें अतिरिक्त रखी गई हैं। अधिकारियों के मुताबिक इन बसों को भी दिवाली के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए लगाया जाएगा, ताकि यात्रियों को किसी रूट पर बस का इंतजार नहीं करना पड़े।

वीसी से मौलाना तौकीर रजा की हुई पेशी

बरेली, अमृत विचार : शहर में 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद पुलिस पर पथराव और फायरिंग के मामले में फतेहगढ़ सेंट्रल जेल में बंद आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां की वीडियो क्रॉन्फ्रेंसिग के जरिये मंगलवार को बरेली कोर्ट में पेशी हुई। सुनवाई के दौरान पुलिस ने तौकीर को बवाल का मुख्य आरोपी बताते हुए साजिशकर्ता भी बताया। कोर्ट ने मौलाना तौकीर की 14 दिन की न्यायिक हिरासत बढ़ाते हुए 28 अक्टूबर को सुनवाई की तिथि नियत की है।

बता दें कि 26 सितंबर को मौलाना तौकीर रजा खां के इशारे पर इस्लामियां इंटर कालेज के ग्राउंड में हजारों की संख्या में उपद्रवी पहुंचने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस ने इन्हें रोकने का प्रयास किया तो उपद्रवियों ने मौलाना तौकीर के इशारे पर शहर में कई जगह पुलिस पर पथराव करते हुए फायरिंग की। इतना ही नहीं मौलाना का सबसे करीबी नदीम खान एसपी सिटी मानुष पारीक के गनर की एंटी रायट गन लूटने के साथ ही पुलिस का वायरलेस लूट कर पुलिस की बातें सुनता रहा।

बवाल के मुख्य आरोपी आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा की मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अलका पांडे की अदालत में फतेहगढ़ सेंट्रल जेल से पेशी हुई। वहीं तौकीर के करीबी नदीम, नफीस, फरहान व अनीस सकलैनी समेत 39 लोग कोर्ट के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश किए गए। कोर्ट ने सभी की 14 दिन की न्यायिक हिरासत बढ़ाते हुए सुनवाई को 28 अक्टूबर की तिथि नियत की है। बवाल में पुलिस ने कोतवाली, बारादरी समेत बरेली के पांच थानों में अलग-अलग कई मुकदमे दर्ज किए हैं। तौकीर रजा की छह मुकदमों में रिमांड मंजूर की गई है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–लखीमपुर खीरी।

पत्रांक. 981 / ग्रा0अभि0वि0 / निविदा पत्रा0–1 / 2025–26, दिनांक. 24.09.2025

निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश, की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–लखीमपुर खीरी के अन्तर्गत जनपद लखीमपुर खीरी में निम्नलिखत कार्यों हेतु उ0प्र0 ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग में ए,बी,सी, डी0 श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मो से प्रतिशत दरों में अधोलिखित कार्य की ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0 / लाट सं0	विकास खण्ड	कार्य का नाम	लागत लाख में	2 प्रतिशत धरोहर धनराशि लाख में	निविदा पत्रक का मूल्य (समस्त करों सहित रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6	7
		विधायक निधि				
1	लखीमपुर	धर्मसभा इण्टर कालेज, लखीमपुर में मुख्य प्रवेश द्वार से सभागार वाया समस्त प्रशासनिक कक्षों तक पहुंच हेतु इण्टरलाकिंग मार्ग व नाली निर्माण कार्य, 188.50 मी0। नं0पा0 लखीमपुर	15.695	0.314	944.00	2 माह
		जिला विकास विभाग				
2	लखीमपुर	विकास भवन लखीमपुर खीरी की 168.50 मीटर बाउण्ड्रीवाल की मरम्मत / निर्माण कार्य। लखीमपुर	10.000	0.200	856.00	2 माह

1. वेब साइट पर निविदा की उपलब्धता तिथि- 24.10.2025 से 30.10.2025 तक
2. ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्राप्त करने की अन्तिम तिथि एवँ समय–30.10.2025 समय –12.00 बजे दोपहर तक
3. ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि एवँ समय 30.10.2025 समय – 12.30 बजे दोपहर से
4. निविदा आमंत्रण कर्ता को संशोधन / शुद्धि पत्र जारी करने का आई0 टी0 बी0 क्लाज–9 के अनुसार अधिकार है, जो आन लाइन उपलब्ध रहेगा जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं होगा। समस्त इच्छुक बिडर्स को सलाह दी जाती है कि वे ई–टेन्डर पोर्टल को नियमित रूप से अवलोकन करते रहें और अन्य आवश्यक जानकारी एवँ निविदा प्रपत्र डाउन लोड करने हेतु विवरण वेबसाइट http:// etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(हेमंत सक्सेना)
अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड–लखीमपुर खीरी।

UP – 238715 **दिनांक:** 08/10/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

बवाल के आरोपियों की कानूनी मदद को टीम गठित

बरेली, अमृत विचार : ऑल इंडिया रजा एक्शन कमेटी (आरएसी) ने बीते माह 26 सितंबर को हुए बवाल प्रकरण में निर्दोष पीड़ितों की मदद के लिए लीगल पैनल गठित किया है। आरएसी के अध्यक्ष मौलाना अदनान रजा कादरी ने कहा कि, जो निर्दोष लोग इस प्रकरण में फंसे हैं-उनके परिवार कानूनी सहयोग के लिए आरएसी मुख्यालय पर संपर्क कर सकते हैं। आठ सदस्यीय वकीलों की टीम उनकी कानूनी मदद करेगी।

अधिवक्ताओं के पैनल का नेतृत्व पूर्व सहायक लोक अभियोजन अधिकारी रहे वरिष्ठ अधिवक्ता जावेद अली खान करेंगे।

सड़क हादसे में किशोर घायल

घुंघचिहाई, अमृत विचारः पूरनपुर की ओर से आ रहे अनियंत्रित पिकअप ने सड़क किनारे खड़े किशोर को टक्कर मार दी।

कस्बा निवासी रामवीर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया उसका चचेरा भाई गोपी 13 अक्टूबर को नेशनल हाईवे पर पेट्रोल पंप के पास खड़ा था। तभी पूरनपुर की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार पिकअप ने उसे टक्कर मार दी। जिससे उसके सिर और हाथ में गंभीर चोट आई। मौके पर मौजूद उसके तहेरे भाई रामशंकर ने पिकअप चालक को रोक लिया और उपचार करने के लिए कहा। तब पिकअप चालक द्वारा गोपी और रामशंकर दोनों को पिकअप में बिठाकर पूरनपुर की बजाय बंडा की तरफ ले गया। इसके बाद रामशंकर को शक हुआ तो अन्य परिजनों को सूचना दी। जिस पर उन्होंने बलरामपुर पुलिस चौकी में सूचना दी। फिर पुलिस की मदद से पिकअप को पकड़कर लिया गया।

नौ लोगों पर बाल विवाह की रिपोर्ट दर्ज

बिलसंडा, अमृत विचार : करेली थाना पुलिस ने क्षेत्र की एक महिला की ओर से नौ लोगों के खिलाफ बाल विवाह अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज की है। जिसमें उसने बताया कि उसके गांव के ही एक परिवार ने अपने रिश्तेदारों संग मिलकर पंद्रह वर्षीय किशोरी की शादी सात जुलाई को करा दी थी। किशोरी की जन्मतिथि दो अक्टूबर 2010 है, जोकि गांव के ही सरकारी स्कूल में कक्षा पांच तक पढ़ी है। ये भी बताया कि आरोपी ने 2022 में उनके पुत्र के खिलाफ इसी किशोरी की उम्र 13वर्ष बताकर बहला फुसलाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अब उसी को बालिग बताकर विवाह करा दिया गया है। शादी से जुड़ा फोटो भी मुहैया कराया गया। करेली पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है। नामजद किए गए नौ आरोपियों में दो शाहजहांपुर जिले के रहने वाले हैं।

अमृत विचार

बुधवार, 15 अक्टूबर 2025

सपने वह नहीं होते, जो हम सोते में देखते हैं। सपने वह होते हैं जो हमें सोने नहीं देते।

–एपीजे अब्दुल कलाम, पूर्व राष्ट्रपति

इस नोबेल से सबक

इस वर्ष का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार जिन प्रख्यात अर्थशास्त्रियों को दिया गया है, उनके शोध ने यह स्पष्ट किया है कि इनोवेशन अथवा नवाचार तथा क्रिएटिव डिस्ट्रक्शन आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं की जीवनरेखा हैं। ये सिद्धांत बताते हैं कि आर्थिक विकास केवल पूंजी या श्रम के विस्तार से नहीं, बल्कि नए विचारों, तकनीकी नवाचारों और उद्यमशीलता से संचालित होता है। 'क्रिएटिव डिस्ट्रक्शन' की अवधारणा नई नहीं है। जोसेफ शुंपीटर इसे पहले ही स्थापित कर चुके हैं, लेकिन तीनों अर्थशास्त्रियों ने आधुनिक संदर्भ में शोध के द्वारा इस अवधारणा को वैज्ञानिक एवं तार्किक आधार दिया। किएटिव डिस्ट्रक्शन या रचनात्मक विनाश का मतलब है, विकास की प्रक्रिया में जो नई तकनीक, नए उत्पाद और नए व्यापार मॉडल रचे जाते हैं, वे पुरानी तकनीक, उत्पाद और व्यापार प्रारूप का विनाश करते है, उन्हें विस्थापित करते हैं, लेकिन साथ ही वे नई संभावनाओं का निर्माण भी करते हैं। बेशक, प्रक्रिया में पुरानी नौकरियां और उद्योग नष्ट होते हैं, लेकिन यही विनाश सृजन का मार्ग खोलता है।

आज तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में यह सिद्धांत बहुत प्रासंगिक है। आफिशियल इंटेलिजेंस, हरित ऊर्जा, जैव-प्रौद्योगिकी और डिजिटल वित्त इत्यादि नई तकनीक पुराने औद्योगिक ढांचे को बदल रही हैं, जिससे पारंपरिक नौकरियां जा रही हैं, पर इससे नए रोजगार, नए कौशल और नए उद्योग भी जन्मते हैं। वाकई औद्योगिक क्रांति और बाद के तकनीकी युग में ज्ञान के प्रसार और नवाचार ने उत्पादकता को कई गुना बढ़ा दिया है। साफ है कि समाज में ज्ञान संस्कृति यानी प्रयोग, अनुसंधान की प्रवृत्ति ही दीर्घकालिक विकास की कुंजी है। जब नवाचार की प्रतिस्पर्धा सतत आर्थिक विकास को गति देती है तब सरकारी नीतियां नवाचार को प्रोत्साहित करती हैं, जैसे शिक्षा, अनुसंधान निवेश, स्टार्टअप संस्कृति या खुला बाजार। इससे अर्थव्यवस्था अपने आप में ही सुधार करने लग जाती है।

भारत जैसे विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्था वाले देश के लिए इस शोध में कई नीतिगत सबक छिपे हैं। सबसे पहला, नवाचार को सिर्फ वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, इसे व्यवसाय, कृषि, शिक्षा और शासन की प्रत्येक परत में समाहित किया जाना चाहिए। दूसरा, सरकार को ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो उद्यमिता को बढ़ावा दें- जैसे कर प्रोत्साहन, सरल नियम और असफलता को दंडित करने के बजाय सीखने का अवसर मानना। भारत में स्टार्टअप क्रांति, डिजिटल इंडिया और उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन जैसी योजनाएं इसी दिशा की शुरुआत हैं, पर इन्हें ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की ओर रूपांतरित करने की जरूरत है। तकनीकी बदलावों से विस्थापित श्रमिकों के पुनः कौशल-प्रशिक्षण की नीति भी उतनी ही आवश्यक है, ताकि 'विनाश' का पक्ष 'सृजन' में सहज रूप से बदल सके। असल में विकास का अर्थ केवल बढ़ते आंकड़ों में नहीं, बल्कि नए विचारों की गति और उसे अपनाने में छिपा है। भारत को यदि तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनना है, तो उसे नवाचार को नीति और संस्कृति, दोनों का मजबूत केंद्र बनाना होगा। देश के लिए 'क्रिएटिव डिस्ट्रक्शन' यही सबक समीचीन होगा।

प्रसंगवश

कलाम ने कहा, चेक भुनाएं वरना वापस लें सामान

आज 15 अक्टूबर को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे कलाम की जयंती है। वह ऐसे व्यक्ति थे, जो जहां भी रहे, वहां अपनी अमिट छाप छोड़ी। पहले उनसे जुड़े एक किस्से की बात करते हैं- एक बार डॉ. कलाम तमिलनाडु के एक कार्यक्रम में पहुंचे। वह एक कंपनी का प्रोग्राम था। कंपनी ग्राइंडर मशीन बनाया करती थी। उन्होंने औपचारिकतावश अपने सामान का डेमो कलाम साहब को दिखाया। डॉ. कलाम को एक ग्राइंडर पसंद आ गया। उन्होंने उसे खरीदने की इच्छा जाहिर की। कंपनी ने तुरंत ही एक शानदार ग्राइंडर पैक करा कर उन्हें गिफ्ट दे दिया। उन्होंने कहा कि वह इसे मुफ्त में नहीं लेना चाहते, बल्कि इसे खरीदना चाहते हैं। कलाम साहब गिफ्ट में ग्राइंडर लेने के लिए किसी भी हाल में राजी नहीं हुए। डॉ. कलाम ने कंपनी को ग्राइंडर की कीमत 4850 रुपये का चेक दे दिया।

डॉ. नंद किशोर साह

लखनऊ

कंपनी ने इसे अपना सौभाग्य मानते हुए उस चेक को शानदार फ्रेम में करा कर अपने ऑफिस में लगवा लिया। उन्होंने सोचा होगा कि ऐसा शायद ही कोई होगा, जिसके पास कलाम साहब का चेक होगा। यह उनके लिए एक कीमती तोहफा था। दो महीने गुजरने के बाद भी जब चेक जमा नहीं हुआ तो एक दिन कलाम साहब के ऑफिस से कंपनी के पास फोन आया और इन्क्वायरी की गई कि अब तक चेक क्यों जमा नहीं किया गया है। कंपनी ने सच-सच सारी बात बता दी। कलाम साहब की तरफ से कंपनी से कहा गया कि या तो वह चेक को कैश कराएं या फिर अपना ग्राइंडर वापस मंगा लें।

अबुल पकीर जैनुलआब्दीन अब्दुल कलाम, जिन्हें डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नाम से जाना जाता है, भारत के एक महान वैज्ञानिक, राजनेता और देश के पूर्व राष्ट्रपति थे। उनका जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। उनके पिता जैनुलआब्दीन एक साधारण स्कूल शिक्षक थे और उनकी माता आशियम्मा एक गृहिणी थीं। कलाम के परिवार ने उन्हें अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत की। कलाम ने अपनी स्कूली शिक्षा रामेश्वरम से पूरी की और बाद में तिरुचिरापल्ली के सेंट जोसेफ कॉलेज में पढ़ाई की। डॉ. कलाम का सपना भारतीय वायु सेना में लड़ाकू पायलट बनने का था, लेकिन दुर्भाग्यवश यह सपना पूरा नहीं हो सका। उन्होंने प्रवेश परीक्षा में नौवां स्थान प्राप्त किया था, जबकि भारतीय वायु सेना ने केवल शीर्ष 8 उम्मीदवारों का चयन किया था। कलाम ने हार नहीं मानी और अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त की।

डॉ. कलाम ने करियर की शुरुआत भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में एक वैज्ञानिक के रूप में की। उन्होंने भारत के पहले उपग्रह प्रक्षेपण यान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाद में, उन्होंने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) में काम किया और भारत के मिसाइल कार्यक्रम के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ. कलाम को भारत के मिसाइल मैन के रूप में जाना जाता है, क्योंकि उन्होंने अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइलों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में भारत ने 1998 में पोखरण में परमाणु परीक्षण किया। 2002 में, कलाम साहब को भारत के राष्ट्रपति के रूप में चुना गया। उन्होंने छात्रों और युवाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. कलाम एक अच्छे लेखक और वक्ता थे। उन्होंने कई पुस्तकें लिखीं, जिनमें 'विंग्स ऑफ फायर' और 'इग्नाइटेड माइंड्स' प्रमुख हैं।

भू-राजनीतिः बदल रहे हैं दोस्त और दुश्मन के रिश्ते

दिग्विजय सिंह

कानपुर

ज्योपॉलिटिक्स तेजी से बदल रही है। दोस्त और दुश्मन के रिश्ते भी बदल रहे हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सेनाएं आमने-सामने हैं तो बगराम एयरबेस के मुद्दे पर भारत-पाक साथ हैं।

तहरीके तालिबान पाकिस्तान के बहाने पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एयर स्ट्राइक कर युद्ध का एक नया मोर्चा खोल लिया। पाकिस्तानी एयर स्ट्राइक के जवाब में अफगानी सैनिकों द्वारा किए गए हमले में पाकिस्तान के चार दर्जन से अधिक सैनिकों की मौत हुई और सात सैनिक बंधक बना लिए गए। अफगानी सैनिकों ने कई पाकिस्तानी सुरक्षा चौकियों पर कब्जा कर लिया। कतर के दबाव में फिलहाल दोनों तरफ से बंदूकें तो थम गई हैं, लेकिन जो हालात हैं, उससे नहीं लगता कि यह शांति स्थायी है। कभी भी किसी भी समय दोनों तरफ से हमले हो सकते हैं। इस संघर्ष के बाद हर किसी की निगाह सऊदी अरब पर है, क्योंकि हाल ही में पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच सुरक्षा समझौता हुआ है, जिसके तहत एक देश पर हमला दोनों देशों पर माना जाएगा। ऐसे में अब सवाल यह है कि क्या पाकिस्तान की सुरक्षा के लिए सऊदी अरब तालिबान से मोर्चा लेगा। वैसे सऊदी की तरफ से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बगराम एयरबेस के बहाने अफगानिस्तान में फिर से जड़ें जमाने की कोशिश में जुटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पाकिस्तान ने हाल ही में बड़ा झटका दिया था। भारत, रूस, चीन तो पहले से ही नहीं चाहते कि अमेरिका पुनः अफगानिस्तान में अपने कदम रखे, लेकिन पाकिस्तान ने भी इन देशों के सुर में सुर मिलाकर अमेरिका को सकते में डाल दिया था। अब अफगानिस्तान से पाकिस्तान की ठन गई है, तो अमेरिका ने भी चुप्पी साध ली है। बगराम के मुद्दे पर अमेरिका के विरोध में पाकिस्तान के कदम को रूस से रिश्ते को प्रगाढ़ करने और चीन को खुश करने के लिए लिए उठाया गया कदम माना जा रहा है। अमेरिका के साथ उसकी बढ़ती दोस्ती से चीन खफा है।

मंगलवार को अफगानिस्तान पर मॉस्को फॉर्मेट के बाद जारी बयान में अमेरिका का नाम लिए बिना ही भारत समेत 10 प्रभावशाली देशों ने अफगानिस्तान और अन्य पड़ोसी देशों में किसी दूसरे देश के सैन्य ढांचे को अस्वीकार कर दिया। इस फार्मेट पर भारत के साथ ही पाकिस्तान ने भी हमला किया है। पाकिस्तान के इस कदम से अमेरिका को बड़ा झटका लगा है। अगर बगराम एयरबेस पर अमेरिका कदम रखता है, तो इसका सबसे ज्यादा नुकसान रूस, चीन और ईरान को होगा। वह यहां से जहां चीन के परमाणु ठिकानों पर निगाह रख सकेगा, वहीं आसानी से ईरान पर हमला भी कर सकेगा।

अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस पर दो दशक से अधिक समय तक अमेरिका का नियंत्रण रहा है। अगस्त 2021 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की मंजूरी के बाद अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी हुई थी। इस दौरान अमेरिका ने इस एयरबेस को लावारिस छोड़ दिया था। खरबों रुपये के अत्याधुनिक हथियार, लड़ाकू विमान, तोप आदि अमेरिकी सैनिक यहीं छोड़ गए थे। अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि यह एयरबेस अमेरिका के नियंत्रण में आ जाए। इसके लिए वे लगातार अलग-अलग मंचों पर अपनी इच्छा जाहिर कर चुके हैं, हालांकि अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने इसका विरोध किया है।

बगराम से महज दो हजार किलोमीटर दूरी पर संवेदनशील चीनी परमाणु केंद्र है। यह केंद्र लोप नूर के पास है। कोको नूर परमाणु केंद्र भी इसके काफी नजदीक है। अमेरिका इन केंद्रों पर बारीकी से नजर रखना चाहता है। चीन और तालिबान की नजदीकी किसी से छिपी नहीं है। अफगानिस्तान में लिथियम, तांबा, लोहा, सोना और यूरेनियम जैसे खनिज प्रचुर मात्रा में हैं। चीन प्रशासन तालिबान के साथ मिलकर इसका दोहन करना चाहता है, इसीलिए चीन ने काबुल के साथ व्यापार बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास शुरू किया है। अमेरिका यहां से रूस के मध्य एशियाई इलाकों तक सैन्य नजर रख सकता है। उत्तर में ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान, पश्चिम में ईरान, दक्षिण में पाकिस्तान और पूर्व में चीन है। पर वह बगराम से आसानी से निगरानी कर सकता है। रूस से भी अमेरिका का तनाव चल रहा है। राजधानी मास्को में मंगलवार को हुए कार्यक्रम में 10 देशों ने अमेरिका के इस कदम का विरोध किया है।

खास बात यह रही कि ऑपरेशन सिंदूर में करारी हार के बाद बार-बार हमले की गीदड़ भभकी देने वाला पाकिस्तान, भारत के साथ इस मुद्दे पर खड़ा नजर आया। पाकिस्तान लगातार अमेरिका से व्यापारिक और रक्षा सौदे करने में जुटा है। इससे चीन नाराज है। मॉस्को में आयोजित सातवें 'मॉस्को फॉर्मेट' सम्मेलन में भारत ने बगराम एयरबेस का नाम नहीं लिया पर कहा कि अफगानिस्तान की संप्रभुता और स्थिरता सबसे पहले है। खास बात यह रही कि इस बैठक में तालिबान की तरफ से विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी भी शामिल हुए। भारत का अफगानिस्तान के समर्थन में खड़ा होना दोनों देशों के रिश्तों के लिए शुभ संकेत है। आमिर खान मुत्ताकी ने भारत के विरुद्ध किसी भी देश को अफगानिस्तान की धरती का उपयोग न होने का भरोसा दिया है, तो भारत ने भी अपने राजनयिक संबंध को पूर्ण रूप से बहाल करते हुए काबुल में दूतावास खोलने की घोषणा कर दी है।

उधर, अगर अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच यह संघर्ष युद्ध में बदलता है, तो चीन के रुख पर भी हर किसी की निगाह होगी। चीन ने दोनों देशों में भारी भरकम निवेश कर रखा है। सऊदी अरब का क्या रुख होगा यह भी खाड़ी देश जानना चाहते हैं। वैसे सऊदी अरब कभी नहीं चाहेगा कि उसके तालिबान से रिश्ते खराब हों, पर सवाल यह है कि अगर वह पाकिस्तान के समर्थन में नहीं आता है, तो फिर समझौते का क्या होगा जो हाल ही में दोनों देशों ने किया है।

आमने

दुर्गापुर मेडिकल छात्रा से दुष्कर्म मामला चौंकाने वाला है। हमारी सरकार ऐसी घटनाओं को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करती। वारदात में शामिल तीन आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। निजी कॉलेजों को परिसर के भीतर और आसपास सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

–ममता बनर्जी, मुख्यमंत्री पश्चिम बंगाल

सामने

ममता बनर्जी एक बार फिर झूठा बयान जारी कर रही हैं, क्योंकि घटना परिसर के अंदर नहीं, कॉलेज के बाहर हुई है। यह प्रशासन की पूर्ण विफलता है। इस सरकार में जांच में दक्षता की कमी है, जो इन बलात्कारियों को प्रोत्साहित कर रही है।

–सुकांत मजूमदार केंद्रीय मंत्री

निकोबार द्वीप परियोजना और उठते सवाल

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ पत्रकार

'महान निकोबार द्वीप परियोजना' के तहत 75 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने जनजातियों के अस्तित्व को लेकर कुछ सवाल उठाए हैं।

'महान निकोबार द्वीप परियोजना' पर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने नाराजगी जताते हुए अंग्रेजी अखबार में लेख लिखा है। उसमें उन्होंने कहा है कि शोंपेन और निकोबारी जनजातियों का अस्तित्व इस परियोजना के चलते दांव पर है। भविष्य की पीढ़ियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता एक विषिश्ट पारिस्थितिकी तंत्र के विनाश की अनुमति नहीं दे सकती। हमें न्याय के इस उपहास और राष्ट्रीय मूल्यों के साथ इस विश्वासघात के विरुद्ध अपनी आवाज उठानी चाहिए। इसके पहले राहुल गांधी ने भी जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम को लिखे पत्र में इस परियोजना पर आपत्ति जताई थी।

दूरांचल में समुद्र तटीय क्षेत्रों में भारत विकास की दृष्टि से पीछे रहा है। उन तटीय क्षेत्रों पर भी हमने ध्यान नहीं दिया, जो आर्थिक और चीन जैसे धोखेबाज देश से चुनौती के लिए सामरिक दृष्टि से अहम हो सकते हैं। निकोबार अर्थात अंडमान-निकोबार द्वीप समूह इस नाते अछूता है। इस क्षेत्र को प्रसिद्ध सेल्यूलर जेल की वजह से जानते हैं, जो अब राष्ट्रीय स्मारक है। दूसरे, उन जनजातियों के लिए जानते हैं, जो आज भी भारत की मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन पाई हैं। नतीजतन अपनी परंपरागत प्राकृतिक अवस्था में रहकर प्रकृति के सानिध्य में ही गुजर-बसर कर रही हैं। अब इस क्षेत्र की तस्वीर बदलने जा रही है। सिंगापुर की तर्ज पर निकोबार के तट का विकास, केंद्र सरकार बड़ी मात्रा में निवेश करके 'महान निकोबार द्वीप परियोजना' (जीएनआई) के अंतर्गत कर रही है। 75 हजार करोड़ की इस बृहद परियोजना के तहत कई परियोजनाओं को अंजाम तक पहुंचाने की तैयारी है, हालांकि परियोजना के अमल से बड़े स्तर पर पर्यावरण को नुकसान भी होगा।

निकोबार द्वीप समूह 10 हजार 44 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला है। बंगाल की खाड़ी में पोत परिवहन को नया आयाम देते हुए 10 हजार करोड़ रुपये की लागत से एक पोतांतरण बंदरगाह (ट्रांसशिपमेंट पोर्ट) का निर्माण करने की योजना प्रस्तावित है। यह बंदरगाह विकास से जुड़ी गतिविधियों के बड़े केंद्र के रूप में विकसित होगा। इस बंदरगाह को समुद्री जल मार्ग की प्रमुख गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। वैसे भी यह क्षेत्र दुनिया के कई पोतांतरण बंदरगाहों की तुलना में काफी प्रतिस्पर्धा दूरी पर स्थित है। बदलती जरूरतों के परिप्रेक्ष्य में पूरी दुनिया यह मानकर चल रही है कि जिस देश में हवाई अड्डों और बंदरगाहों का नेटवर्क और कनेक्टिविटी जितनी बेहतर होगी, 21वी सदी के व्यापार में वही देश अग्रणी रहेंगे। ऐसे में इस दूरांचल में ढांचागत सुविधाएं बढ़ेंगी तो अंचल का विकास तो होगा ही, अन्य भारतीयों से समरसता भी बढ़ेगी। बड़ी नदियों से मछली पकड़कर गुजारा करने वाले भी करीब तीन करोड़ मछुआरे हैं। अंडमान-निकोबार क्षेत्र में तटवर्ती मछुआरों को इस क्षेत्र के विकास का सीधा लाभ मिलेगा। मछली और सीवीड का कारोबार बढ़ेगा, जिससे इस समुदाय की समृद्धि बढ़ेगी।

महान अंडमान-निकोबार द्वीप समूह का निकोबार क्षेत्र आरक्षित जैवमंडल (बायोस्फीयर) क्षेत्र में आता है। इसे 2013 में विशेष जैवमंडल का दर्जा दिया गया था। भारत में कुल 18 जैवमंडल क्षेत्र हैं, उनमें से एक निकोबार जनजातीय (आदिवासी) आरक्षित वन-भूमि की श्रेणी में है। इस समुद्री क्षेत्र में विशेष प्रजाति के लैदरबैक कछुए, खारे पानी में रहने वाले मगरमच्छ, निकोबारी केकड़े खाने वाले मकाक और प्रवासी पक्षी शामिल हैं, जिनका इस बहुआयामी विकास परियोजना से प्रभावित होना तय है। निर्माणाधीन पोतांतरण टर्मिनल, ऊर्जा संयंत्र, हवाई अड्डा और आवासीय भवन भी बनाए जा रहे हैं। उत्तरी और मध्य अंडमान के बीच सड़क सुविधा को बेहतर बनाने के लिए दो बड़े पुल निर्माणाधीन हैं और यहां के राष्ट्रीय राजमार्ग का चौड़ीकरण किया जा रहा है। इस सभी परियोजनाओं के लिए जो भूमियां अधिसूचित की गई हैं, उन पर खड़े 8,52,000 पेड़ों को भी काटा जाना है।

इस कारण पर्यावरणविद् यह आशंका जता रहे हैं कि इससे यहां के प्राचीन वर्षा वनों को भारी क्षति होगी। इन्हें हानि होगी तो कई दुर्लभ प्राणी व वनस्पतियों की प्रजातियां और इस भू-भाग का मानसून भी प्रभावित होगा। यही नहीं निकोबार द्वीप समूह में गिनती के रह गए जो जनजातीय समूह आदिम अवस्था में रहते हैं, उनका नैसर्गिक जीवन भी प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। इनमें शोंपेन और निकोबारी वनवासी जनजातियां शामिल हैं। इनकी संख्या करीब 1761 है।

निकोबार में एक विशेष प्रजाति का नहीं उड़ सकने वाला पक्षी मेगापॉड का भी घर है। इनके कुल 51 घोंसले हैं, जिनमें से 30 पूरी तरह नष्ट कर दिए जाएंगे। दरअसल, यह विकास गलाथि खाड़ी और कैंपबेल खाड़ी राष्ट्रीय उद्यानों की दस किमी परिधि में होना है, जो पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, हालांकि भारतीय प्राणी सर्वेक्षण और अंडमान-निकोबार प्रशासन के वन एवं पर्यावरण विभाग ने दावा किया है कि परियोजना से वन और प्राणियों को नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। मैग्रोव वृक्षों के संरक्षण और दस हेक्टेयर में फैली मूंगा चट्टानों की 20,668 बस्तियों में से 16,150 बस्तियों की सुरक्षा मूल स्थान से खिसकाकर की जा रही है।

सोशल फोरम

चिड़ियों का प्रोटेस्ट

देश के एक विख्यात और वरिष्ठ पत्रकार सईद नकवी का मानना है की गाजा और इजरायल शांति समझौते की सबसे बड़ी वजह यूरोप और पूरे विश्व में (भारत को छोड़ कर) युद्ध को रोकने और शांति को स्थापित करने के लिए चले विशाल जन आंदोलन हैं। करोड़ों लोग प्रदर्शन करते सड़कों पर उतर आए थे और सरकारों को अपना अस्तित्व खतरे में नजर आ रहा था।

असगर वजाहत

चर्चित साहित्यकार

लोकतंत्र में जनमत से बड़ी कोई शक्ति नहीं है, और जनमत बनाने तथा लोगों तक जानकारी पहुंचाने का सबसे बड़ा माध्यम मीडिया/सोशल मीडिया है, लेकिन दुख की बात है कि हमारे कुछ बुद्धिजीवी सोशल मीडिया को महत्व नहीं देते।

बोलने का असर सिर्फ इंसानी समाज पर ही नहीं बल्कि जानवरों और चिड़ियों पर भी पड़ता है।

एक सच्ची घटना बताता हूं, जिस पर मैंने एक छोटी कहानी भी लिखी है।

दूसरी मंजिल पर मेरा फ्लैट था। वहां से एक पेड़ पर लगा चिड़िया का घोंसला दिखाई देता था। चिड़िया ने अंडे दिए थे।

एक दिन मैंने देखा कि एक बिल्ली पेड़ पर चढ़ रही है। निश्चित रूप से उसका इरादा चिड़िया के अंडे खाना था।

चिड़िया ने यह देख लिया और वह बिल्ली के ऊपर उड़ कर ची-ची करने लगी।

थोड़ी देर में दो-चार चिड़िया वहां और आ गईं और वह भी बिल्ली के सिर पर मंडरा कर ची-ची करने लगीं। बिल्ली उनकी परवाह के बिना पेड़ पर चढ़ती रही, लेकिन धीरे-धीरे चिड़ियों की तादाद और आवाज इतनी तेज हो गई कि बिल्ली रुक गई और नीचे उतरने लगी।

बोलिए, लिखिए और बताइए, नहीं तो आप गूंगे, बहरे और अंधे हो जाएंगे।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

'सोने के पिंजरे में कैद' राज्यपाल की पीड़ा

पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने कल जयपुर में एक पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान जो कहा, वह केवल एक बुजुर्ग नेता का आत्म संवाद मात्र नहीं है, बल्कि इससे एक राज्यपाल के रूप में तमाम तामझाम के बीच रहकर भी अकेलापन महसूस कर रहे नेता का दर्द झलकता है। उन्होंने कहा कि हमारी पहचान पद से नहीं, जनता के बीच रहने वाले कार्यकर्ता के रूप में होनी चाहिए। पद आज है, कल चला जाएगा, लेकिन कार्यकर्ता की पहचान कोई नहीं मिटा सकता। मैं महामहिम बन गया तो क्या जनता से दूर हो जाऊं। कार्यकाल खत्म होते ही मैं फिर से कार्यकर्ता हो जाऊंगा। सबको लगता है कि राज्यपाल बनकर मेरे मजे हैं, लेकिन मुझे तो सोने के पिंजरे में कैद कर दिया गया है।

अमरपाल सिंह वर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

राज्यपाल कटारिया का यह कथन केवल किसी व्यक्ति की निजी व्यथा नहीं है, बल्कि यह उस पूरे दौर की आत्म स्वीकृति है, जिसने राजनीति को सेवा से सत्ता में और जन संवाद को जन प्रबंधन में बदलते हुए देखा है। इस वक्तव्य में उस व्यक्ति का दर्द है, जिसने एक शिक्षक के रूप में, स्वयंसेवक के रूप में, कार्यकर्ता, विधायक और मंत्री के रूप में, यानी जिंदगी के हर पड़ाव पर जनता से सीधा रिश्ता बनाया। उन्होंने वह दौर देखा है, जब राजनीति में प्रवेश का अर्थ पद प्राप्ति की लालसा न होकर जनसेवा का संकल्प होता था, जब नेताओं के दरवाजे बिना किसी अपॉइंटमेंट के खुले रहते थे।

जयपुर में कटारिया जब कह रहे थे कि पद आज है, कल चला जाएगा, तो वे हमें उस मूलभूत सच्चाई की याद दिला रहे थे कि सत्ता अस्थायी होती है, पर सेवा स्थायी, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि मौजूदा राजनीति इस सत्य को भुला बैठी है। अब पद ही पहचान बन गया है और जनता से रिश्ता केवल औपचारिकता का प्रतीक बनकर रह गया है। नेताओं और जनता के बीच संवाद का जो पुल कभी लोकतंत्र की जान हुआ करता था, वह अब सुरक्षा घेरे, नौकरशाही की परतों और ट्रांसफर-पोस्टिंग की फाइलों में टूट चुका है। राजनीति की भाषा में 'सेवा' का स्थान 'प्रबंधन' ने ले लिया है।

कटारिया ने भाषण के दौरान पूछा, "मैं महामहिम बन गया तो क्या जनता से दूर हो जाऊं? उनका यह सवाल केवल एक वाक्य नहीं बल्कि उस असहजता का प्रतीक है, जो हर सच्चे कार्यकर्ता के भीतर तब जन्म लेती है, जब उसे सत्ता के ऊंचे पदों पर आसीन कर दिया जाता है। पद की गरिमा और मर्यादा जरूरी है, लेकिन जब यह आम आदमी से संवाद में बाधक बन जाती है, तो लोकतंत्र की आत्मा घुटने लगती है।"

कटारिया जिस सोने के पिंजरे की बात करते हैं, वह 'सोने का पिंजरा' वास्तव में उस स्थिति का परिचायक है, जिसमें बाहरी वैभव है, लेकिन भीतर सन्नाटा पसरा है। उसमें चमक है, लेकिन प्राणवायु नहीं। मर्यादा है, पर जीवंतता का नितांत अभाव है। कटारिया की यह पीड़ा केवल व्यक्तिगत नहीं है। यह नेताओं की उस पीढ़ी की पीड़ा है, जिसने राजनीति को हमेशा सेवा समझा, धंधा नहीं बनाया। यह पीढ़ी मानती थी कि नेता जनता से ताकत लेता है, लेकिन जनता पर शक्ति नहीं दिखाता। नेताओं की यह पीढ़ी दरी बिछाने में शर्म नहीं करती थी, लेकिन लोकतंत्र की आत्मा को जीवित रखती थी। पर अब दौर बदल चुका है। किसी भी दल को देख लीजिए, आज उसका कार्यकर्ता व्यवस्था के किनारों पर खड़ा उपेक्षित महसूस कर रहा है, इसीलिए दलगत राजनीति भी अब जनता के बीच से नहीं, सत्ता के गलियारों से संचालित होती दिखाई देती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कला और सौंदर्य की मिसाल है ओरछा का किला

हर किले का अपना अलग रूप और सौंदर्य होता है। यह अपने अंदर सिर्फ इतिहास ही नहीं समेटे रहते हैं, बल्कि इसमें कला के भी दीदार होते हैं। इन कलाकृतियों का सौंदर्य ही अनोखा नहीं है, बल्कि इसका भी अपना इतिहास और परंपरा है। ओरछा का किला भी कुछ ऐसा ही है। अपने अंदर बहुत नायाब सौंदर्य समेटे हुए। मध्य प्रदेश के ओरछा को भगवान राम की नगरी कहा जाता है। यहां के राजा राम हैं। इसलिए राम राजा मंदिर में प्रभु को सुबह शाम गार्ड ऑफ ऑनर देने की परंपरा है। ओरछा का इतिहास बहुत ही गौरवशाली रही है। आज भी यहां के किले को देखने और राजा राम के दर्शन को भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया से पर्यटक आते हैं। यहां के किले आज भी अपने गौरवशाली इतिहास की कहानी कहते हैं।

उमंग अग्रवाल
कानपुर

16 वीं शताब्दी में बसा ओरछा शहर

ओरछा शहर की स्थापना 16वीं शताब्दी में हुई थी। बुंदेला महाराजा रुद्र प्रताप सिंह ने इस शहर की नींव 1501 में रखी थी। महाराजा रुद्र प्रताप सिंह ने महल का निर्माण शुरू कराया था, लेकिन यह उनके जीवन काल में पूरी तरह बनकर तैयार नहीं हो पाया। उनके बेटे भारतीचंद ने राजा महल का निर्माण पूरा कराने की कोशिश की पर वे भी इसमें सफल नहीं हुए। बाद में उनके बेटे मधुकर शाह ने महल को पूर्ण निर्माण 1531 में करवाया। महल के अंदर बुंदेली चित्रकारी के अद्भुत और नायाब नमूने देखने को मिलते हैं। कमरों में रामायण से संबंधित चित्र हर किसी को आकर्षित करते हैं।

नृत्यांगना के नाम पर भी एक महल

महाराज रुद्रप्रताप सिंह के वंशज राजा इंद्रसेन ने उस समय की मशहूर नृत्यांगना राय प्रवीण के सम्मान में एक महल की स्थापना कराई थी। इस महल को राय प्रवीण महल के नाम से लोग जानते हैं। यहां उकेरी गईं नृत्य की मुद्राएं यह दर्शाती हैं कि राजा नृत्य और संगीत को कितना बढ़ावा देते थे। बताते हैं कि शहंशाह अकबर को जब पता चला, तो उन्होंने राय प्रवीण और उनके गुरु केशवदास को दिल्ली स्थित महल बुलाया। जब राय प्रवीण ने देखा कि शहंशाह अकबर को उनके प्रति आसक्ति हो रही है, तो उन्होंने सांकेतिक रूप से गीत के जरिए उन्हें बताया कि मैं किसी और की प्रिय हूं। इसलिए उनका उपयोग करना आपकी गरिमा के अनुकूल नहीं होगा। इसके बाद शहंशाह अकबर ने राय प्रवीण को पूरे सम्मान के साथ ओरछा भेज दिया था।

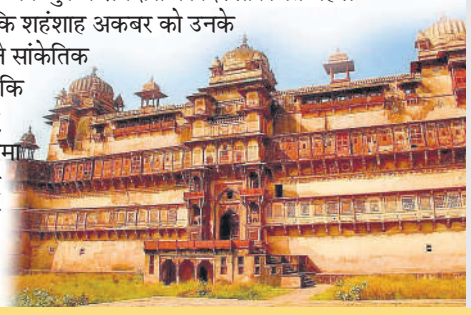

यहां जहांगीर भी एक रात ठहरे

ओरछा के किले पर मुगलों की छाप स्पष्ट दिखाई देती है। 1605 से लेकर 1627 तक बीरसिंह देव यहां के राजा थे। राजा बीर सिंह देव और मुगल बादशाह जहांगीर के बीच गहरी दोस्ती थी। महाराज ने अपने दोस्त जहांगीर के लिए महल की स्थापना कराई थी। इस महल में जहांगीर भी रुके। इसकी कलाकारी और भव्यता देखते ही बनती है। बीर सिंह के बेटे जुझार सिंह और जहांगीर के बेटे शाहजहां के बीच जब मनमुटाव हुआ तो शाहजहां ने जुझार सिंह से दिखावटी रिश्ता बनाया। जुझार सिंह और उनके छोटे भाई हरदौल सिंह के बीच दरार डाल दी। जुझार सिंह ने शाहजहां के कहने पर ही अपनी पत्नी से हरदौल की हत्या करा दी थी। रानी ने खीर में जहर डालकर हरदौल को खिला दिया था। कहा जाता है कि हरदौल अपनी भाभी से बहुत प्रेम करता था, लेकिन पति के कहने पर महारानी ने अपने देवर को मौत की नींद सुला दिया।

राजा बीर सिंह ने दतिया में बनवाया महल

दतिया जिले में स्थित सतखंडा महल पहाड़ पर स्थित है। यह महल राजपूत वास्तुकला और मुगल वास्तुकला का प्रतिनिधित्व करता है। ओरछा के राजा बीर सिंह देव द्वारा स्थापति किए गए 52 महलों में से एक है। सतखंडा महल अपनी अद्भुत कला के लिए प्रसिद्ध है। इस महल में 440 कमरे हैं। 1620 में ओरछा के राजा बीर सिंह ने इस महल की स्थापना की थी। इस सात मंजिला महल के निर्माण में न तो लकड़ी और न ही लोहे का इस्तेमाल किया गया है। यह सिर्फ पत्थर और ईटों से बनाया गया है। मजबूती का प्रमाण यही है कि यह 1620 से आज तक खड़ा है और पर्यटकों को लुभा रहा है। इस सात मंजिला खूबसूरत इमारत को केवल एक रात में रुकने के लिए ही इस्तेमाल किया जाता है। राजा बीर सिंहदेव को दतिया जिला उपहार में मिला था।

कहानियों के देश में रंगकर्म

हम कहानियों का देश हैं। हम हमेशा से कहानियां सुनते-सुनाते आए हैं। दादी-नानी की कहानियां, या फिर गांव की चौपाल पर बैठकर बड़े-बूढ़ों की कहानियां। कोई तमाशा आया तो हमने उसमें भी कहानी सुनी। हर बरस होने वाली रामलीलाओं में हमने राम-रावण की कहानी सुनी।

हमारे देश में बरसों से कहानियां कही और सुनी जा रही हैं। गली-मोहल्लों, चौबारों और चौपालों से होती हुई ये कहानियां मंच तक आईं। संगीत, प्रकाश, वस्त्र-परिधान, उच्च अभिनय और उत्कृष्ट निर्देशनों से जब ये कहानियां सजाई गईं तो जैसे जादू हो गया। लोगों के दिल-दिमाग पर जैसे कोई नशा तारी हो गया। कोई चमत्कार जैसे किसी को बांध लेता है, उसी तरह रंगमंच ने अपने दर्शकों, अपने चाहने वालों को बांध लिया। एक लंबी परंपरा चल पड़ी।

लव तोमर
रंगकर्मी

एक दौर में, जब सिनेमा उतना हावी नहीं था, लोगों के पास मनोरंजन के साधन के रूप में केवल रंगमंच या मंच पर प्रदर्शित होने वाली कलाएं ही थीं। तब हम वे कहानियां कह रहे थे जो लोगों की कहानियां थीं। लोग उनसे जुड़ते थे। वे अपने आपको उन नाट्य-प्रदर्शनों में खोजते थे और खोज लेने पर उनसे जुड़कर हंसते थे, रोते थे, साथ में गाते थे।

समय बदला। दर्शक और निर्देशक, एक ही तरह के काम बनाकर और देखकर ऊबने लगे। तब जरूरत महसूस हुई नए प्रयोगों की, जो समय की मांग को देखते हुए बड़े अभिनेताओं और निर्देशकों द्वारा किए भी गए। कुछ सफल हुए, कुछ असफल भी। एक संतुलन चाहिए था, जिसमें नई कहानियों या फिर पुराने नाटकों पर नए प्रयोग किए जाते, लेकिन प्रयोगों की अंधाधुंध दौड़ ने संतुलन बिगाड़ दिया। कहानियां नाटकों से इस तरह गायब हो गईं जैसे कभी थीं ही नहीं। बचे रह गए केवल खोखले प्रयोग, अवसादों से भरे अभिनय, शून्य में देर तक बिना भाव या बेहोशी से ताकते हुए अभिनेता, ऊल-जलूल आवाजें, चीख-चिल्लाहट।

वर्तमान समय में हम देखते हैं कि निर्देशकों की 'कुछ नया करने', 'कुछ अलग करने' की हवस ने कहानियों को कहीं बहुत पीछे छोड़ दिया है। प्रयोग, जो रंगमंच के लिए वरदान की तरह प्रकट हुए थे, धीरे-धीरे कब श्राप में बदल गए, यह न तो दर्शक भांप पा रहे हैं, न निर्देशक, लेकिन इनका असर दिख रहा है-नाटकों के प्रदर्शनों में दर्शकों की लगातार गिरती संख्या इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। ऑडिटोरियमों (नाट्यगृहों) में अब आपको दर्शक के रूप में ज्यादातर या तो आलोचक दिखाई देंगे, या फिर रंगकर्मी और कुछ दर्शक। इन 'महान प्रयोगों' वाले नाटकों में यदि आपको कुछ समझ न आए, तो गलती नाटक की नहीं, आपकी है। जैसा कि हरिशंकर परसाई जी ने कहा है- "जो समझ न आए, वो और पवित्र होता है।"

अब अपने मन के अवसादों और असुरक्षाओं को निर्देशकों और अभिनेताओं ने मिलकर मंच पर परोसना शुरू कर दिया है। इस सबमें से लेखक और उसकी लिखी गई कहानी को नाटक के लिए अब न तो ज़रूरी समझा जाता है, न ही कोई उसकी बात करता है। हिंदी रंगमंच में उच्च-स्तरीय नाटकों की कमी का मुख्य कारण लेखकों की लगातार होती उपेक्षा भी है।

आधुनिक समय में, जब स्क्रीन मनोरंजन इतना अधिक बढ़ गया है, तब यह कहा जा सकता है कि रंगमंच और लाइव आर्ट्स का भविष्य उज्ज्वल है, ख़ासकर नाटकों का, क्योंकि एक समय के बाद लोगों को स्क्रीन से ऊब होगी, रोज बनते सिनेमा से ऊब होगी, रील्स और यूट्यूब वीडियो से ऊब होगी। तब मानव-मन लौटेगा वापस उस खोज में, जहां वह खोजेगा इंसान का इंसान से सीधा कलात्मक संपर्क।

तब हमें कहानियों की ज़रूरत होगी। हमें जरूरत होगी प्रयोगों के साथ फिर से कहानियां कहने की। हमें समझना होगा कि दर्शक अपने अभिनेता के साथ रोना, हंसना, प्रेम करना, किसी सुंदर कहानी का किरदार बनकर खुद को भूल जाना चाहता है। नाटक देखते हुए वह डेढ़ से दो घंटे अपनी दुनिया से परे कहीं चले जाना चाहता है। वह तैयार है आपके साथ यात्रा करने को, लेकिन क्या हम तैयार हैं? यदि उत्तर 'न' में है, तो हमें तैयारियां करनी होंगी, इससे पहले कि देर हो जाए।

रंगकर्म को लेकर देश, शहर, राज्य में यदा-कदा कुछ-न-कुछ कार्यक्रम होते रहते हैं, जिनका उद्देश्य या तो दिखावा होता है, जिससे सरकारी मदद लेकर रंगकर्म के नाम पर किया जाए, या फिर आत्म केंद्रित होकर खुद ही खुद को प्रसन्न करने का आडंबर।

समय आ गया है कि हम इस जड़ता को तोड़ें। रंगकर्म को नई ऊर्जा देने के लिए ज़्यादा से ज्यादा युवाओं को इसमें शामिल किया जाए। उन्हें बागडोर दी जाए, मौका दिया जाए, स्थान और सम्मान दिया जाए। नई पीढ़ी न केवल नई दृष्टि लेकर आती है, बल्कि वह उन प्रश्नों के स्थायी समाधान की भी संभावना रखती है, जो बरसों से रंगकर्म को घेरे हुए हैं। जैसे जीविका, संरचना और सामाजिक प्रासंगिकता के प्रश्न।

भारत त्योहारों का देश है। त्योहार मतलब उल्लास। इस उल्लास में कला का बड़ा ही महत्व था। किसी भी त्योहार को ले लीजिए, उसमें आपको हर स्तर पर कला का समावेश मिलेगा। कहीं घर और जमीन पर सुंदर रंगोली और कलाकृतियां उकेरी जाती हैं तो दीपावली जैसे त्योहारों में भी दीवारों की रंगाई-पुताई कर उस पर सुंदर चित्र उकेरे जाते थे। जमीन पर रंगोली बनाई जाती थी। तमाम तरह आकार-प्रकार के दीये बनाए जाते थे। अहम यह था कि इन सारे ही कामों में सभी की सहभागिता होती थी। लोगों को रोजगार मिलता था। त्योहारों की अर्थ व्यवस्था कुछ ऐसी थी कि सभी के घर दीपावली की खुशहाली बराबर से रहती थी। दौर बदल गया है। पुराना कहकर नई जनरेशन ने परंपराओं और मान्यताओं को किनारे कर दिया है।

ऋतु चौधरी
लेखिका

आधुनिकता लील गई कला और धरोहर

कभी दीपावली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि पूरे जीवन का उत्सव हुआ करती थी। त्योहार आते ही घरों में हर्ष की लहर दौड़ जाती थी। बच्चे से लेकर बड़ों तक सब किसी न किसी तैयारी में जुट जाते थे। घरों की दीवारें, आंगन, गलियां सब अपनेपन की महक से भर उठती थीं। वह समय था जब त्योहार खरीदे नहीं जाते थे, बल्कि जीए जाते थे।

घर-आंगन की रौनक और मिट्टी की खुशबू

दीपावली से महीनों पहले ही घरों की लिपाई-पुताई शुरू हो जाती थी। दीवारें गोबर, लाल मिट्टी, गेरू और चुने से रंगी जाती थीं। महिलाएं अपने हाथों से आंगन में रंग-बिरंगे चित्र बनाती थीं। कहीं कमल खिला होता, कहीं मोर नाचता, तो कहीं पत्तियों और बेलों की लहराती सजावट होती। इन कलात्मक रचनाओं के लिए कोई प्रशिक्षण केंद्र नहीं था, न ही कोई 'आर्ट क्लास'। यह कला तो मां से बेटी और भाभी से ननद तक, स्नेह और अनुभव के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होती थी। हर घर में कला थी, हर दीवार में स्नेह।

बाजार ने खत्म की कला की जीवंतता

बाजार त्योहारों पर हावी हो गए हैं। इसमें कला कब मर गई पता भी नहीं चला। बाजार ने हमारी परंपराओं को धीरे-धीरे निगल लिया। अब त्योहारों की तैयारी दुकानों और ऑनलाइन स्टोर्स पर पूरी होती है। न घर की लिपाई-पुताई के रंग हैं, न मिट्टी की खुशबू। बाजारीकरण ने उत्सवों को उत्पाद बना दिया है। दीये अब प्लास्टिक या बिजली के हो गए हैं, मिठाइयां डिब्बों में पैक होकर आती हैं। घरों में रौनक अब रोशनी की नहीं, एलईडी की चमक की हो गई है।

कुम्हारों का मौसम और दीयों की लौ

गांवों में कुम्हारिन नानी महीनों पहले से मिट्टी जमा करती थीं। उनके हाथों से गढ़े सैकड़ों दीये घर-घर की रौनक बनते थे। बाजारों और हाटों में दीयों की पंक्तियां सजी होती थीं। मिट्टी के ये दीपक न केवल घर को रोशन करते थे, बल्कि श्रम, परंपरा और आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी थे। दीवाली से पहले के दिन कुम्हारों, रंगसाजों और बनिया के लिए उत्सव जैसे होते थे। हर कोई किसी न किसी रूप में त्योहार का हिस्सा था। कोई दीप बनाता, कोई मिठाई, कोई सजावट।

मां अन्नपूर्णा की चतुराई और सहेजने की परंपरा

उस समय घरों में गाय-भैंसें होती थीं, दूध की कोई कमी नहीं। पर त्योहारों के खर्चे का हिसाब बड़ी चतुराई से घर की महिलाएं संभालती थीं। वे रोजमर्रा के उपयोग से थोड़ा दूध बचा लेतीं, दही और मावा तैयार करतीं और त्योहार के दिन वही स्वादिष्ट पकवान बनते। जलेबी, गुझिया, मठरी, चिरौंजी का हलवा और खुरमा। स्त्रियां केवल घर की रसोइया नहीं थीं, वे तो संस्कृति की संरक्षिका थीं। उनका हर काम परिवार के सुख और उत्सव से जुड़ा था। सच ही कहा गया है। मां अन्नपूर्णा की उपाधि यूं ही नहीं दी गई।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	82,029.98	25,145.50
गिरावट	297.07	81.85
प्रतिशत में	0.36	0.32

सोना 1,30,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,85,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 15 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1830, फॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2490, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2040, सूरज 1990, अवसर 1920, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1920, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2150, आशीर्वाद मस्टर्ड 2410, स्वास्तिक 2505

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8600, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4480, पीलीभीत 4400, सितारगंज 4360, धामपुर 4480

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4900, मसूरी- 2100, बासमती- 9300, परमल- 3000

दाल दलहन : काला चना- 7300, साबुत चना दाल- 6400, मूंग साबुत- 8400, राजमा- 11900-14000, दाल उड़द- 8900, साबुत मसूर दाल- 7200, मसूर दाल- 6000, उड़द साबुत- 8100, काबुली चना- 10300, अरहर दाल- 11000, लोबिया/करमानी- 8200

मांग बढ़ने से बढ़ा रत्न-आभूषण का निर्यात

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद सितंबर में निर्यात 6.5% बढ़कर 2.9 अरब डॉलर पर पहुंचा

मुंबई, एजेंसी

रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने मंगलवार को कहा कि त्योहारी और शादी-ब्याह के मौसम में मांग बढ़ने से वैश्विक चुनौतियों के बावजूद सितंबर में कुल रत्न एवं आभूषण निर्यात 6.55 प्रतिशत बढ़कर 2,914.29 करोड़ डॉलर (25,737.50 करोड़ रुपये) का हो गया।

जीजेईपीसी ने कहा कि सितंबर, 2024 में रत्न एवं आभूषण निर्यात 2,735.26 करोड़ डॉलर (22,925.81 करोड़ रुपये) का रहा था। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में, कुल रत्न एवं आभूषण निर्यात में 3.66% की वृद्धि देखी गई और यह पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 13.60 अरब डॉलर की तुलना में 14.09 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

जीजेईपीसी के चेयरमैन किरीट भंसाली ने कहा कि इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में उद्योग में सुधार के उत्साहजनक संकेत दिखाई दे रहे हैं। संयुक्त अरब अमीरात, हांगकांग और ब्रिटेन जैसे प्रमुख बाजारों में रत्न एवं आभूषण उत्पादों की मांग मजबूत हुई है और निर्यात में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। प्रवासी भारतीयों के बीच आगामी त्योहारी और शादी-ब्याह के मौसम के साथ-साथ वैश्विक बाजारों में छुट्टियों के मौसम की मांग से आने वाली तिमाही

में इस सकारात्मक गति के बने रहने की उम्मीद है। जीजेईपीसी के अनुसार, भारतीय रत्न एवं आभूषण निर्यात के लिए एक प्रमुख गंतव्य - अमेरिका - को शुल्क संबंधी कारकों के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2025 की अप्रैल-सितंबर अवधि के लिए, अमेरिका को कुल निर्यात 40.28%घटकर 277 करोड़ 6.6 लाख डॉलर रह गया, जबकि तराशे और पॉलिश किए हुए हीरों का निर्यात 53.62% घटकर 117 करोड़ 50.9 लाख डॉलर रह गया।

भंसाली ने कहा कि जीजेईपीसी सरकार के साथ निकट समन्वय में है क्योंकि अमेरिकी बाजार को आपूर्ति करने वाले निर्यातक और निर्माता मौजूदा शुल्क स्थिति के कारण काफी तनाव का सामना कर रहे हैं। हम इस क्षेत्र को स्थिर करने के लिए राहत-उन्मुख उपायों की वकालत करने के लिए सरकार के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं।

मोबाइल फोन निर्यात 95% चढ़कर 1.8 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली। देश का मोबाइल फोन निर्यात सितंबर में सालाना आधार पर 95% चढ़कर 1.8 अरब डॉलर से अधिक हो गया। उद्योग निकाय आईसीईए ने मंगलवार को अनुमानित आंकड़ों के आधार पर यह जानकारी दी। 'इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन' (आईसीईए) ने कहा कि अगस्त एवं सितंबर महीने उत्पादन समायोजन और मौसमी आपूर्ति चक्र के कारण पारंपरिक रूप से निर्यात के लिहाज से सुस्त माने जाते हैं। लेकिन इस बार का मजबूत प्रदर्शन देश में विकसित हुए मजबूत मोबाइल फोन विनिर्माण पारिस्थितिकी को दर्शाता है। संघ ने कहा कि अप्रैल-सितंबर के दौरान मोबाइल फोन निर्यात अनुमानित रूप से 13.5 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 8.5 अरब डॉलर था। यह 60% से अधिक की वृद्धि है। यह दर्शाता है कि भारत का मोबाइल फोन निर्माण क्षेत्र निरंतर पैमाना, दक्षता एवं विश्वसनीयता के तीन स्तंभों पर टिके हुए वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार है। अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रिया, नीदरलैंड और ब्रिटेन को भारत में निर्मित मोबाइल फोन का प्रमुख रूप से निर्यात होता है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में अमेरिका को 9.4 अरब डॉलर का फोन निर्यात होने का अनुमान है, जो पिछले साल इसी अवधि में 3.1 अरब डॉलर था। इसमें सालाना आधार पर 200% की वृद्धि दर्ज की गई। कुल फोन निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत रही जबकि पिछले साल यह 37 प्रतिशत थी। आईसीईए ने वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के मोबाइल फोन निर्यात के 35 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान जताया है।

एमईडीएफ में भुगतान के बाद जमे मांस के निर्यात की अनुमति

ठंडा और जमे हुए मांस उत्पादों के निर्यात को वाणिज्य मंत्रालय की इकाई एपीडा द्वारा प्रबंधित मांस निर्यात विकास कोष (एमईडीएफ) में भुगतान के बाद ही अनुमति दी जाएगी। यह निर्णय 29 अक्टूबर, 2025 से लागू होगा। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) देश के कृषि और संबद्ध उत्पाद निर्यात से संबंधित मुद्दों की देखता है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा कि ठंडे और जमे हुए मांस उत्पादों के निर्यात की अनुमति, केवल एपीडा द्वारा संचालित मांस निर्यात विकास कोष (एमईडीएफ) में धन भेजने पर ही दी जाएगी। पशु उत्पादों का निर्यात भारतीय कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाता है। पशु उत्पादों के निर्यात में भैंस का मांस, भेड़/बकरी का मांस, पॉल्ट्री उत्पाद, पशु आवरण, दूध और दुग्ध उत्पाद और शहद शामिल हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में देश का पशु उत्पादों का निर्यात 4.5 अरब डॉलर का हुआ था।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान मुद्राकोष ने बढ़ाकर किया 6.6%

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.6% कर दिया। इससे पहले इसके 6.4% रहने का अनुमान लगाया था।

पहली तिमाही में मजबूत आर्थिक वृद्धि के साथ यह अनुमान बढ़ाया गया है, जो अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को सीमित करेगा। हालांकि, मुद्राकोष (आईएमएफ) ने अपनी ताजा विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में 2026-27 के लिए वृद्धि दर के अनुमान को 0.2% घटाकर 6.2% कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया कि जुलाई के विश्व आर्थिक परिदृश्य की अद्यतन रिपोर्ट की तुलना में, 2025 के लिए वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाया गया है। इसमें पहली तिमाही की मजबूत वृद्धि जुलाई से भारत से आयात पर अमेरिकी शुल्क दर में वृद्धि की भरपाई से कहीं अधिक है। इसके साथ 2026 के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को कम किया गया है।

- **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने इससे पहले 6.4 प्रतिशत रहने का लगाया था अनुमान**

उल्लेखनीय है कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर अप्रैल-जून में 7.8 प्रतिशत रही, जो पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। इस महीने की शुरुआत में विश्व बैंक ने भी चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.3 से बढ़ाकर 6.5% किया था। साथ ही कहा था कि देश सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आईएमएफ ने जुलाई में भारत की आर्थिक वृद्धि के अपने अनुमान को संशोधित कर 2025 और 2026 दोनों के लिए 6.4 प्रतिशत कर दिया था।

परमाणु ऊर्जा में वृद्धि को कानून में बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार की समिति ने 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को हासिल करने के लिए विधायी संशोधनों से लेकर देश में यूरेनियम उत्पादन बढ़ाने समेत कई उपायों की सिफारिश की है। ये उपाय न केवल परमाणु क्षेत्र में निजी निवेश को आकर्षित करेंगे, बल्कि ऐसी परियोजनाओं की स्थापना के लिए आवश्यक मंजूरी में तेजी लाने में भी मदद करेंगे।

विद्युत मंत्रालय ने फरवरी में '2047 तक 100 गीगावाट परमाणु क्षमता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक समिति का गठन किया था।

- **यूरेनियम उत्पादन बढ़ाने समेत कई उपायों की सिफारिश**

समिति ने 2047 तक 100 गीगावाट का लक्ष्य हासिल करने के लिए सभी पहलुओं पर कई दौर की चर्चा की है और लक्ष्य के सामने आने वाली चुनौतियों की पहचान करने के साथ उन्हें कम करने के लिए आवश्यक उपायों की सिफारिश की है। देश में वर्तमान में स्थापित परमाणु ऊर्जा क्षमता 8.88 गीगावाट है।

समिति का अनुमान है कि 100 गीगावाट क्षमता प्राप्त करने के लिए 19 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी। परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 (सीएलएनडीए) में संशोधन, आवश्यक निजी पूंजी लाने और आपूर्तिकर्ताओं एवं संभावित निवेशकों की जोखिम धारणा को कम करने के लिए आवश्यक होंगे। परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 वर्तमान में परमाणु परियोजनाओं में निजी क्षेत्र और यहां तक कि राज्य सरकारों की भागीदारी की भी अनुमति नहीं देता है।

कीमतों में नरमी से थोक महंगाई घटकर 0.13 प्रतिशत

नई दिल्ली, एजेंसी

खाद्य पदार्थों, ईंधन एवं विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में नरमी के बीच सितंबर में थोक मुद्रास्फीति (महंगाई) घटकर 0.13% रह गई। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी दी गई। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति पिछले साल अगस्त में 0.52% और सितंबर में 1.91% थी।

आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की कीमतें सितंबर में 5.22% कम हुईं जबकि अगस्त में यह आंकड़ा 3.06% था। सब्जियों की कीमतों में भी गिरावट देखी गई। सब्जियों की कीमत सितंबर में 24.41% घटी जबकि अगस्त में यह 14.18% कम हुई थी। विनिर्मित उत्पादों के मामले में महंगाई अगस्त के 2.55% के मुकाबले घटकर 2.33% रह गई। ईंधन और बिजली की कीमतें सितंबर

में 2.58% कम हुईं जबकि पिछले महीने इनमें 3.17% गिरावट आई थी।

वित्तीय सेवा कंपनी बार्कलेज इंडिया की मुख्य अर्थशास्त्री आस्था गुडवानी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर वस्तुओं की कीमतों में सामान्य रूप से कमी के कारण थोक महंगाई के लंबे समय तक कम बने रहने की उम्मीद है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के एसोसिएट निदेशक पारस जसराय ने कहा कि सितंबर, 2025 में मुख्य मुद्रास्फीति बढ़कर 31 महीने के उच्चस्तर 1.9% पर पहुंच गई। इसकी वजह सालाना आधार पर आभूषणों की कीमतों में 34.1% की रिकॉर्ड वृद्धि रही।

पीएचडीसीसीआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं महासचिव रंजीत मेहता ने कहा कि थोक कीमतों में कमी की मुख्य वजह खाद्य एवं ऊर्जा की कम लागत, मजबूत कृषि उत्पादन और वैश्विक स्तर पर जिंस की स्थिर कीमतें रहीं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) खुदरा मुद्रास्फीति पर नजर रखता है। केंद्रीय बैंक ने इस महीने की शुरुआत में नीतिगत दरों को 5.5% पर अपरिवर्तित रखा था। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर आठ साल के निचले स्तर 1.5% पर आ गई।

राष्ट्रीय

मंगोलिया के विकास में भारत दृढ़ साझेदार : मोदी

मंगोलिया के राष्ट्रपति उखना भारत की चार दिवसीय यात्रा पर, भारत मंगोलिया के लोगों को मुफ्त ई-वीजा कराएगा उपलब्ध

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगोलिया के राष्ट्रपति हुरेलसुख उखना के साथ व्यापक वार्ता के बाद मंगलवार को कहा कि मंगोलिया के विकास में भारत एक विश्वसनीय साझेदार रहा है और दोनों देश एक स्वतंत्र, खुले और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र का समर्थन करते हैं। उखना सोमवार को भारत की चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। राष्ट्रपति के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा है।

उखना के साथ बातचीत के बाद मोदी ने कहा कि भारत मंगोलिया के लोगों को मुफ्त ई-वीजा उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि भारत की 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर की ऋण सहायता से कार्यान्वित तेल रिफाइनरी परियोजना मंगोलिया की

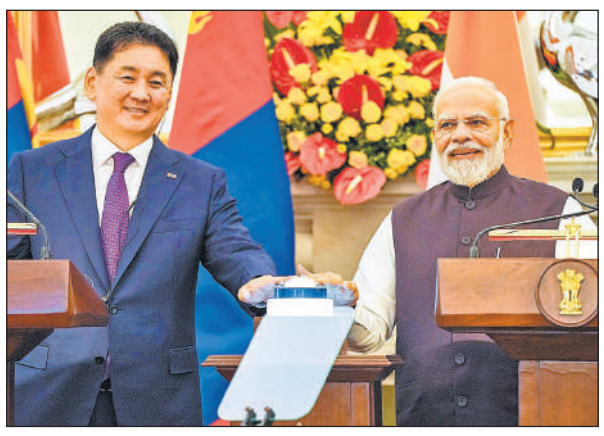

नई दिल्ली में हैदराबाद हाउस में संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान मंगोलियाई राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

ऊर्जा सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह भारत की विश्व में सबसे बड़ी विकास साझेदारी परियोजना है और 2500 से भी अधिक भारतीय पेशेवर मंगोलिया के साथियों के साथ मिलकर इस परियोजना को साकार कर रहें हैं। मोदी ने कहा कि हम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर घनिष्ठ साझेदार के रूप में खड़े हैं और एक स्वतंत्र, खुले,

10 लाख प्राचीन पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण शीघ्र

मोदी ने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी है कि अगले वर्ष भगवान बुद्ध के दो महान शिष्यों सारिपुत्र और मौद्गल्या-यन के पवित्र अवशेषों को भारत से मंगोलिया भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत 'गंदन' बौद्ध मठ में एक संस्कृत शिक्षक भी भेजेगा, ताकि वहां के बौद्ध ग्रंथों का गहराई से अध्ययन किया जा सके और प्राचीन ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि हमने 10 लाख प्राचीन पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण की परियोजना को भी शीघ्र ही शुरू करने का निर्णय लिया है। मंगोलिया में बौद्ध धर्म के लिए नालंदा विश्वविद्यालय की अहम भूमिका रही है।

समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र का समर्थन करते हैं। मंगोलिया के राष्ट्रपति ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका की सराहना की तथा विशेष रूप से नई दिल्ली के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का उल्लेख किया। अपने मीडिया वक्तव्य में मोदी ने यह भी कहा कि भारत और मंगोलिया के बीच संबंध महज कूटनीतिक संबंध से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि सदियों से दोनों देश बौद्ध धर्म के सिद्धांतों से बंधे हुए हैं, यही कारण है कि हमें आध्यात्मिक सहोदर भी कहा जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उखना के साथ हुई बातचीत में दोनों देशों के बीच इस परंपरा और ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

सोनम वांगचुक को एकांत कारावास में नहीं रखा गया है : जोधपुर जेल अधीक्षक

नई दिल्ली, एजेंसी

जोधपुर केंद्रीय कारागार अधीक्षक ने उच्चतम न्यायालय को अवगत कराया कि रासुका के तहत हिरासत में लिये गए जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को एकांत कारावास में नहीं रखा गया है और उन्हें आगंतुकों से मिलने सहित वे सभी अधिकार प्राप्त हैं, जो एक कैदी को मिलते हैं।

वांगचुक राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद हैं। जेल अधीक्षक ने शीर्ष अदालत में दाखिल एक हलफनामे में कहा कि वांगचुक किसी भी पुरानी बीमारी से पीड़ित नहीं हैं और चिकित्सकीय और शारीरिक रूप से स्वस्थ हैं। हलफनामे में कहा गया है कि बंदी को जनरल वार्ड में 20 गुणा 20 फुट के एक मानक बैरक में रखा गया था, जहां वह आज तक बंद हैं और फिलहाल वह इस

- **उच्चतम न्यायालय को बताया कि वांगचुक को आगंतुकों से मिलने सहित सभी अधिकार प्राप्त**

जेल बैरक में अकेले रह रहे हैं। यह हलफनामा वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो की ओर से उच्चतम न्यायालय में दायर की गई उस याचिका के जवाब में दाखिल किया गया है, जिसमें उन्होंने रासुका के तहत अपने पति की हिरासत को चुनौती दी है और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की है। जेल अधीक्षक ने बताया कि वांगचुक पूरी तरह से स्वस्थ हैं और हिरासत के बाद से हर दिन सामान्य आहार ले रहे हैं। हलफनामे में कहा गया है कि यह रेखांकित करना आवश्यक है कि राजस्थान कारागार नियमावली, 2022 के नियम 538 के अनुसार, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 के तहत बंदियों को मामले के तथ्यों से परिचित स्थानीय पुलिसकर्मी की उपस्थिति के बिना अपने मुलाकातियों से बातचीत करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा दिये जाने और इसे छठी अनुसूची में शामिल किये जाने की मांग को लेकर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दो दिन बाद वांगचुक को 26 सितंबर को रासुका के तहत हिरासत में लिया गया था। इस हिंसक प्रदर्शन में चार लोगों की मौत हो गयी और 90 घायल हो गये थे। सरकार ने उन पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है।

यूपीएससी की अंतरिम उत्तर कुंजी संबंधी बदलाव को सुप्रीम मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- **पीठ ने लाखों उम्मीदवारों को राहत देते हुए परीक्षाओं में पारदर्शिता का मार्ग किया प्रशस्त**

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के तुरंत बाद अंतरिम उत्तर कुंजी प्रकाशित करने की संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की नीति में बदलाव को मंगलवार को मंजूरी दे दी। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने लाखों उम्मीदवारों को बड़ी राहत देते हुए भविष्य की परीक्षाओं में पारदर्शिता बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया।

पीठ याचिकाकर्ताओं को उच्च न्यायालयों के माध्यम से पिछली शिकायतों के समाधान की मांग करने की भी अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने उत्तर कुंजी जारी करने की संघ लोक सेवा आयोग की कथित अपारदर्शी नीति को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने न्यायमित्र वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता और एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड प्रांजल किशोर की उनके व्यापक नोट के लिए भी सराहना की, जिसमें प्रारंभिक परीक्षा के बाद उत्तर कुंजी तुरंत जारी करने की सिफारिश की गई थी। इस सिफारिश ने यूपीएससी को हिमांशु एवं अन्य बनाम भारत संघ के मुख्य मामले में दायर अपने प्रति-हलफनामे में इस मांग को स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया। आयोग ने नया ढांचा अपनाया है जिसके तहत आपत्तियों के लिए अंतरिम कुंजियां प्रारंभिक परीक्षा के तुरंत बाद, जबकि अंतिम कुंजियां सभी स्तर के परिणामों के बाद जारी होंगी।

अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई 12 नवंबर को

- **अग्रिम जमानत के लिए सत्र न्यायालय का रुख किए बिना वादियों द्वारा सीधे उच्च न्यायालय जाने का मामला**

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह 12 नवंबर को उस मामले की सुनवाई करेगा, जिसमें अग्रिम जमानत के लिए सत्र न्यायालय का रुख किए बिना वादियों द्वारा सीधे उच्च न्यायालय जाने का मुद्दा उठाया गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ को बताया गया कि केरल में अग्रिम जमानत के 80 प्रतिशत मामले पहले वहां के उच्च न्यायालय में आते हैं।

आठ सितंबर को शीर्ष अदालत ने कहा था कि यद्यपि उच्च न्यायालय और सत्र न्यायालय को गिरफ्तारी-पूर्व जमानत की याचिका पर विचार करने का समवर्ती क्षेत्राधिकार प्रदान किया गया है, लेकिन न्यायालयों के पदानुक्रम की मांग है कि इस तरह के उपाय का अनुरोध करने वाले किसी भी व्यक्ति को सीधे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए।

अडाणी को संपत्तियां बेचने के लिए सहारा की याचिका पर केंद्र और सेबी से उच्चतम न्यायालय ने मांगा जवाब

उच्चतम न्यायालय ने सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड की उस याचिका पर केंद्र, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और अन्य हितधारकों से जवाब मांगा, जिसमें कंपनी ने अडाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को 88 प्रमुख संपत्तियां बेचने की अनुमति मांगी है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और एमएम सुंदरेश की विशेष पीठ ने सहारा समूह के धन अदायगी दायित्वों से संबंधित लंबे समय से चल रहे मामलों में सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एसआईसीसीएल) के अंतरिम आवेदन पर सुनवाई की। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर करते हुए पीठ ने आदेश दिया कि केंद्रीय वित्त और सहकारिता मंत्रालयों को वर्तमान कार्यवाही में पक्ष बनाया जाए और 17 नवंबर तक याचिका पर उनका जवाब मांगा। पीठ ने न्यायमित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता शेखर नफड़े से सहारा फर्म के अदाणी समूह की कंपनी को बेची जाने वाली प्रस्तावित 88 संपत्तियों का विवरण तैयार करने को कहा।

शीर्ष अदालत ने केरल उच्च न्यायालय की उस प्रथा पर ध्यान दिया था, जिसमें वादी द्वारा सत्र न्यायालय में जाए बिना अग्रिम जमानत आवेदनों पर सीधे विचार किया जाता है। मंगलवार को पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा की दलीलें सुनीं, जो इस मामले में न्यायमित्र के रूप में इसकी सहायता कर रहे हैं। मामले में पेश हुए वकीलों में से एक ने कहा कि केरल में लगभग 80 प्रतिशत अग्रिम जमानत याचिकाएं पहले उच्च न्यायालय में आती हैं। सुनवाई के दौरान लूथरा ने न्याय तक पहुंच के पहलू का उल्लेख किया। पीठ ने कहा कि अब हम हर जगह ई-फाइलिंग की ओर बढ़ रहे हैं।

ईसाई स्कूल मुस्लिम को हिजाब के साथ में अनुमति दे : केरल सरकार

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- **प्रधानाचार्य-प्रबंधन को निर्देशित किया कि वे छात्रा की मानसिक परेशानियों का भी समाधान करें**

केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने मंगलवार को कोच्चि में ईसाई संस्थान की ओर से संचालित एक निजी स्कूल को निर्देश दिया कि वह वहां पढ़ने वाली एक मुस्लिम लड़की को हिजाब पहनकर शिक्षा जारी रखने की अनुमति दे। मंत्री ने स्कूल के प्रधानाचार्य और प्रबंधन को निर्देश दिया कि वे छात्रा और उसके अभिभावकों को संस्थान में 'हिजाब' पहनने के कारण होने वाली मानसिक परेशानी का भी समाधान करें।

शिवनकुट्टी के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि उन्हें बुधवार तक इस संबंध में एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। शिवनकुट्टी ने बयान में जोर देकर कहा कि धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को कायम रखने वाले केरल में किसी भी छात्रा के सामने ऐसी कठिनाई पेश नहीं आनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान को संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मंत्री का यह निर्देश एर्णाकुलम के शिक्षा उपनिदेशक द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के बाद आया, जिसमें कहा गया था कि स्कूल प्राधिकारियों की ओर से गंभीर चूक हुई है। उप निदेशक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि छात्रा को हिजाब की वजह से कक्षा में बैठने नहीं देना गंभीर कदाचार और शिक्षा के अधिकार अधिनियम का उल्लंघन है।

ब्रिटेन ने वीजा आवेदकों के लिए अंग्रेजी की परीक्षा की और कठिन

लंदन। ब्रिटेन की सरकार ने भारत सहित दूसरे देशों के वीजा आवेदकों के लिए अंग्रेजी भाषा की अनिवार्य परीक्षा को मंगलवार को और कठिन बनाने की शर्तें पेश कीं। ब्रिटेन में बढ़ते आव्रजन पर बड़ी कार्रवाई के तहत संसद में यह प्रस्ताव रखा गया।

ब्रिटेन का गृह विभाग अंग्रेजी भाषा की यह नई परीक्षा आयोजित की जाएगी। आठ जनवरी, 2026 से सभी कुशल श्रमिकों के लिए आगामी वीजा आवेदन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में परिणामों का सत्यापन किया जाएगा। वीजा आवेदक का अंग्रेजी बोलने, सुनने, पढ़ने और लिखने का

- **बढ़ते आव्रजन पर व्यापक कार्रवाई के लिए संसद में रखा गया प्रस्ताव**

स्तर ए-लेवल अथवा 12वीं कक्षा के समकक्ष होना चाहिए, जिसे लेवल बी2 कहा जाता है। गृह विभाग का मानना है कि इससे तय होगा कि वीजा आवेदक ब्रिटेन के जीवन में घुलमिल सकेंगे। गृहमंत्री शबाना महमूद ने कहा, इस देश ने हमेशा उन लोगों का स्वागत किया है जो यहां आकर देश के विकास में योगदान देते हैं, लेकिन प्रवासियों का हमारी भाषा सीखे बिना यहां आना, हमारे राष्ट्रीय जीवन में योगदान देने में असमर्थ होना अस्वीकार्य है।

मारिया को नोबेल देने से नाराज वेनेजुएला ने नार्वे दूतावास पर ताला लगाया

नार्वे और ऑस्ट्रेलिया में अपने दूतावास पहले ही किए बंद, देश की सरकार की नाक में दम करती रही हैं विपक्ष की नेता माचादो

काराकस, एजेंसी

देश की विपक्षी नेता मारिया कोरिना माचादो को 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार देने से नाराज वेनेजुएला सरकार ने नार्वे के दूतावास पर ताला लगा दिया है। वेनेजुएला में नोबेल समिति के फैसले की ही कड़ी आलोचना का ज्वार थम नहीं रहा है। कहा जा रहा है कि माचादो देश में सत्ता पलटने के लिए विदेशी सैन्य हस्तक्षेप की मांग करती रही हैं और खुद भी तख्तापलट के प्रयासों में भागीदार रही हैं।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने माचादो को धुर दक्षिणपंथी नेता बताते हुए कहा कि वह देश में बाहरी हस्तक्षेप की मांग करती रही हैं, जबकि लोग इसे अस्वीकार कर चुके हैं। हाल के जनमत सर्वेक्षणों से पता चला है कि 90 प्रतिशत से अधिक वेनेजुएलावासी देश के खिलाफ किसी भी बाहरी हस्तक्षेप का विरोध करते हैं। वेनेजुएला के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को संसाधनों के रणनीतिक पुनर्वितरण का हवाला देते हुए नॉर्वे और ऑस्ट्रेलिया में अपने दूतावासों को बंद करने की घोषणा कर दी थी।

सामाजिक अधिकार के लिए काम करने वाले कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने माचादो को पुरस्कार देने की घोषणा के बाद से ही इस फैसले की निंदा की और निराशा जताते हुए हुए कहा शांति के पुरस्कार को आधुनिक उपनिवेशवाद के साधन के रूप में बदल दिया गया है। डोमनिकन राजनीतिक और सामाजिक संगठनों के एक गठबंधन ने संयुक्त रूप से इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा, किसी ऐसे व्यक्ति को नोबेल शांति पुरस्कार देना जिसने खुले तौर पर अमेरिकी और इजराइली सैन्य हस्तक्षेप का आह्वान किया है, उस शांतिवादी भावना का अपमान है जिसने अल्फ्रेड नोबेल को प्रेरित किया था।

देश में तख्तापलट की वकालत करती रही हैं मारिया

माचादो 2002 के तख्तापलट में भाग लेकर चर्चा में आई थीं। तब तत्कालीन राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज़ को कुछ समय के लिए सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। वह 2014 की ला सालिडा सड़क हिंसा में भी शामिल रही थीं, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए थे। माचादो वेनेजुएला पर अमेरिका के आर्थिक प्रतिबंधों का समर्थन करने के साथ इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से वेनेजुएला में सत्ता पलटने के लिए सैन्य सहयोग भी मांग चुकी हैं।

रूबियो ने किया था नोबेल पुरस्कार के लिए समर्थन

नोबेल पुरस्कार के लिए माचादो का समर्थन अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने किया था, जो वेनेजुएला के प्रति वर्तमान अमेरिकी नीतियों के कट्टर समर्थक रहे हैं। माचादो नोबेल मिलने के बाद कई बार उसे ट्रंप को समर्पित करने की घोषणा कर चुकी हैं। अमेरिका ने मादक पदार्थ विरोधी अभियान के नाम पर कैरेबियन सागर में वेनेजुएला क्षेत्र के किनारे बड़े पैमाने पर सैन्य तैनाती कर रखी है। अमेरिकी सेना ने सितंबर से अब तक कम से कम चार नावों पर बमबारी की है, जिसमें कुल मिलाकर 20 से ज्यादा नागरिक मारे गए हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

स्पेसएक्स ने स्टारशिप रॉकेट की 11वीं परीक्षण उड़ान शुरू की

वाशिंगटन। स्पेसएक्स ने सोमवार को अपने एक और विशाल स्टारशिप रॉकेट को परीक्षण उड़ान पर भेजा, जो पिछली बार की तरह इस बार भी सफलतापूर्वक दुनिया के आधे हिस्से में पहुंचा और साथ ही नकली उपग्रहों को भी प्रक्षेपित किया। स्टारशिप अब तक का सबसे बड़ा और सबसे शक्तिशाली रॉकेट है और यह टेक्सास के दक्षिणी सिरे से शाम को गर्जना के साथ उड़ा। उड़ान के बाद इससे बूस्टर अलग हो गया और यह मेक्सिको की खाड़ी में योजनाबद्ध तरीके से पहुंचा। अंतरिक्ष यान हिंद महासागर में उतरने से पहले अंतरिक्ष में उड़ता रहा। स्पेसएक्स के डैन ह्यूट ने घोषणा की 'धरती पर वापसी पर स्वागत है स्टारशिप । क्या दिन है।' यह स्टारशिप की 11वीं परीक्षण उड़ान थी।

चीन कर रहा है अपने चौथे विमानवाहक पोत का निर्माण

बीजिंग। चीन चौथे विमानवाहक पोत का निर्माण कर रहा है और साथ ही समुद्री परीक्षण पूरा होने के बाद 'फुजियान' नामक तीसरे विमानवाहक पोत को सेवा में शामिल करने की तैयारी में है। हांगकांग आधारित 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' ने मंगलवार को विमानवाहक पोत के उपग्रह से लिए गए चित्र पोस्ट करते हुए कहा कि चौथे विमानवाहक पोत का निर्माण कार्य लियाओनिंग प्रांत के डालियान स्थित एक शिपयार्ड में प्रगति पर है। चीनी सैन्य प्रवक्ता झांग शियाओगांग ने पिछले महीने कहा था कि तीसरा विमानवाहक पोत 'फुजियान' जल्द ही नौसेना में शामिल कर लिया जाएगा। चीन के तीनों ही विमानवाहक पोत पारंपरिक ऊर्जा से संचालित हैं।

रूस के आर्कान्जेस्क क्षेत्र में मिला 340 कैरेट का बड़ा हीरा

मॉस्को। रूस के आर्कान्जेस्क क्षेत्र में एक भंडार से 340 कैरेट का एक उच्च गुणवत्ता वाला हीरा मिला है। गवर्नर अलेक्जेंडर त्सिबुल्स्की ने कहा कि यह हीरा आधुनिक रूस में खोजे गए पांच सबसे बड़े हीरों में से एक है और यह स्थानीय वी. ग्रिब भंडार के औद्योगिक विकास के दौरान मिला। यह अब तक का सबसे बड़ा हीरा है। गवर्नर के अनुसार, यह रत्न न केवल अपने असाधारण आकार के लिए, बल्कि अपनी गुणवत्ता और बाजार के दामों के लिए भी खास है। उन्होंने कहा, ऐसे सभी प्राकृतिक हीरों की तादाद दो प्रतिशत से अधिक नहीं हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट वैश्विक दृष्टिकोण जरूरी

संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदानकर्ता देशों के सैन्य प्रमुखों के सम्मेलन में बोले सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली, एजेंसी

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य की अभूतपूर्व चुनौतियों से निपटने के लिए शांति स्थापना मिशनों में एकजुटता और वैश्विक दृष्टिकोण का आह्वान किया। जनरल द्विवेदी ने मंगलवार को यहां संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदानकर्ता देशों (यूएनटीसीसी) के सैन्य प्रमुखों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज दुनिया एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है जहां 56 से अधिक संघर्ष चल रहे हैं और इनमें लगभग 90 देश शामिल हैं।

सेना प्रमुख ने कहा, विघटनकारी तकनीकों का प्रसार, गैरसरकारी तत्वों का बढ़ता प्रभाव, हाइब्रिड युद्ध और दुष्प्रचार के प्रकोप ने संघर्ष की पारंपरिक सीमाओं को धुंधला कर दिया है। उन्होंने कहा, बदलती भूराजनीतिक स्थिति उस आम सहमति की भावना को कमजोर कर रही हैं जो संयुक्त राष्ट्र की एकजुट कार्रवाई का आधार है। ऐसी वास्तविकताएं अधिक लचीली,

- **कहा- 56 से ज्यादा संघर्षों में उलझे हैं 90 देश, संवेदनशील मोड़ पर खड़ी है दुनिया**

त्वरित और एकीकृत प्रतिक्रियाओं की मांग करती हैं जो केवल शांति रक्षक ही मिलकर कर सकते हैं।

सेना प्रमुख ने कहा कि ये उभरते ख़तरे बदलती भूराजनीतिक स्थितियों से और भी जटिल हो गए हैं, जो पारंपरिक रूप से एकजुट संयुक्त राष्ट्र कार्रवाई की नींव रखने वाली आम सहमति की भावना को लगातार कमज़ोर कर रहे हैं। वैश्विक शांति स्थापना प्रयासों के प्रति भारत की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा, शांति स्थापना में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक के रूप में भारत ने संयुक्त राष्ट्र के कुल 71 शांति अभियानों में से 51 अभियानों में लगभग तीन लाख पुरुषों और महिलाओं को भेजा है। इनमें कोरिया (1950) और कांगो (1960) में हमारी शुरुआती तैनाती से लेकर अभी चल रहे 11 मिशनों में से 9 में हमारी सेना तैनात है।

यूएनटीसीसी के सम्मेलन में 32 देशों के सैन्य प्रमुखों के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

सम्मेलन में शामिल है 32 देशों का शीर्ष सैन्य नेतृत्व

सम्मेलन में 32 देशों का वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व हिस्सा ले रहा है। इनमें अल्जीरिया, आर्मेनिया, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, घाना, भूटान, ब्राज़ील, बुरुंडी, कंबोडिया, मिस्र, इथियोपिया, फिजी, फ्रांस, इटली, कज़ाकिस्तान, किर्गिस्तान, मेडागास्कर, मलेशिया, मंगोलिया, मोरक्को, नेपाल, नाइजीरिया, पोलैंड, रवांडा, श्रीलंका, सेनेगल, तंजानिया, थाईलैंड, युगांडा, केन्या, उरुग्वे, वियतनाम शामिल हैं। सम्मेलन में साझा क्षमता निर्माण के लिए रक्षा प्रदर्शनी भी आयोजित की जा रही हैं।

राजनाथ ने कहा- खुलेआम वैश्विक नियमों का उल्लंघन कर रहे कुछ देश

नई दिल्ली। सम्मेलन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ देश अंतरराष्ट्रीय नियमों का खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं जबकि कई अन्य देश अगली सदी में वर्चस्व स्थापित करने के लिए अपने खुद के मानदंड बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत पुरानी पड़ चुकी अंतरराष्ट्रीय संरचनाओं में सुधार की वकालत करते हुए अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को कायम रखने में मजबूती से खड़ा है। रक्षा मंत्री ने उन देशों का नाम नहीं लिया जो वैश्विक मानदंडों का उल्लंघन कर रहे हैं या अपने नए मानदंड बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम आज की चुनौतियों का सामना पुराने बहुपक्षीय ढांचों से नहीं कर सकते। व्यापक सुधारों के बिना संयुक्त राष्ट्र विश्वास के संकट का सामना कर रहा है।

जेलेंस्की-ट्रंप की मुलाकात से पहले रूस का यूक्रेन में अस्पताल पर हमला

कीव, एजेंसी

रूसी सेना ने यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव पर रातभर शक्तिशाली ग्लाइड बम और ड्रोन से हमला किया, जिसमें एक अस्पताल को निशाना बनाया गया। इसमें सात लोग घायल हो गए।

यह हमला ऐसे समय हुआ है जब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की वाशिंगटन जाने तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से और अधिक अमेरिकी सैन्य मदद मांगने की तैयारी कर रहे हैं। क्षेत्रीय प्रमुख ओलेह सिनीहुबोव ने कहा कि यूक्रेन के खारकीव पर हुए हमले में शहर का मुख्य अस्पताल प्रभावित हुआ, जिससे 50 मरीजों को निकालना पड़ा। जेलेंस्की ने कहा कि हमले का मुख्य लक्ष्य ऊर्जा प्रतिष्ठान थे। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा, हर दिन, हर रात रूस बिजली संयंत्रों, बिजली लाइनों और हमारी प्राकृतिक गैस सुविधाओं पर हमला करता है।

यूक्रेनी नेता ने विभिन्न देशों से आग्रह किया कि वे रूस के लंबी दूरी के हमलों को रोकने में मदद करें और इसके लिए वे यूक्रेन को अधिक वायु रक्षा प्रणालियां उपलब्ध कराएं। जेलेंस्की ने कहा, हम अमेरिका और यूरोप, जी-7 तथा उन सभी साझेदारों की कार्रवाई पर भरोसा कर रहे हैं, जिनके पास ये प्रणालियां हैं और जो हमारे लोगों की सुरक्षा के लिए इन्हें उपलब्ध करा सकते हैं। दुनिया को मॉस्को को वास्तविक वार्ता के लिए मेज पर बैठने के लिए मजबूर करना होगा। लेकिन यूक्रेन को विदेशी सैन्य सहायता के नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि हाल ही में सहायता में भारी गिरावट आई है।

यूक्रेन को मिलने वाली सहायता पर नजर रखने वाले जर्मनी के कील इंस्टीट्यूट ने बताया कि जुलाई और अगस्त में सैन्य सहायता में वर्ष की पहली छमाही की तुलना में 43 प्रतिशत गिरावट आई है। जेलेंस्की शुक्रवार को वाशिंगटन में ट्रंप से मिलने वाले हैं। वार्ता के केंद्र में यूक्रेन को अमेरिका द्वारा लंबी दूरी तक मार करने वाले अत्याधुनिक अस्त्र उपलब्ध कराने पर चर्चा होने की उम्मीद है।

- **खारकीव शहर पर रात भर बरसाए शक्तिशाली ग्लाइड बम, ड्रोन से किया हमला, अस्पताल से निकाले गए मरीज**

यूनाइटेड अगेंस्ट न्यूक्लियर ईरान की ओर से यूक्रेन से प्राप्त ईरानी शाहिद-136 ड्रोन को मंगलवार को लंदन की संसद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदर्शित किया गया। यह वही हथियार है जिसका इस्तेमाल रूस ने यूक्रेन के खिलाफ विनाशकारी प्रभाव के लिए किया है।

गाजा युद्धविराम पर बंधकों के शवों को लेकर अनिश्चितता का साया बरकरार

हमास ने लौटाए सिर्फ चार शव, 24 अभी भी उसी के कब्जे में

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल-हमास युद्ध में मंगलवार को भी संघर्ष विराम कायम रहा, हालांकि कई जटिल मुद्दे अनसुलझे होने के कारण इस पर अनिश्चितताओं का दौर जारी है। सबसे बड़ा प्रश्न यह उठ रहा है कि हमास 28 बंधकों के शव इजराइल को कब लौटाएगा, साथ ही उससे रिहा किए गए बंधकों और कैदियों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में भी सवाल पूछे जा रहे हैं।

मृत बंधकों में से चार के शव ही सोमवार को इजराइली अधिकारियों को सौंपे गए जो युद्धविराम समझौते के पहले चरण का हिस्सा है। मंगलवार को इनमें से दो की पहचान इजराइल के गाइ इलूज और नेपाल के छात्र बिपिन जोशी के तौर पर की गई। सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले के दौरान दोनों को अगवा किया गया था। इजराइल ने कहा कि इलूज की मौत उपचार के बिना बंदी बनाने के दौरान हुए घावों के कारण हुई, जबकि जोशी की युद्ध के पहले महीनों में हत्या कर दी गई थी। मुक्त किए गए बंधकों का मंगलवार को इलाज किया गया। इलाज कुछ सप्ताह जारी रहने का अनुमान है।

इजराइल की कैद से रिहा किए गए फिलिस्तीनियों का गाजा में हुआ जोरदार स्वागत।

इजराइल ने सारे शव लौटाने के लिए दिया शाम तक का वक्त

यरूशलम। इजराइल ने मंगलवार को हमास की ओर से अपने सभी 28 बंधकों के शव न सौंपे जाने से गहरी निराशा जताई और आगे किसी भी प्रगति के लिए शाम तक की समयसीमा तय की है। शीर्ष इजराइली अधिकारियों ने हमास पर जानबूझकर वादे से पीछे हटने का भी आरोप लगाया है। इजराइल का मानना है कि हमास पहले से ही कुछ शवों को अपने पास रखे हुए है और संभवत: उसके अधिकारियों पर दबाव बनाने के लिए उन्हें सौंपने से इन्कार कर रहा है। एक मध्यस्थ देश के अरब राजनयिक ने हिब्रू मीडिया एजेंसियों को बताया कि मध्यस्थ इस मुद्दे पर काम कर रहे हैं और उन्हें नहीं लगता कि गाजा समझौता खतरे में है। सोमवार को हमास ने चार बंधकों के शव सौंपे थे, 24 उसी के कब्जे में हैं।

मेडागास्कर में सैन्य तख्तापलट, राष्ट्रपति देश छोड़कर भागे

एंटानानारिवो, एजेंसी

हिंद महासागर में स्थित द्वीपीय राष्ट्र मेडागास्कर में सैन्य तख्तापलट हो गया है। सशस्त्र बल यहां सत्ता संभाल रहे हैं। मेडागास्कर में एक विशिष्ट सैन्य इकाई के कर्नल ने मंगलवार को यह जानकारी सार्वजनिक की।

उनकी यह घोषणा संसद द्वारा राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान के तुरंत बाद आई है। राष्ट्रपति राजोएलिना सैनिकों के

विद्रोह के कारण देश छोड़कर भाग गए हैं। कर्नल माइकल रैंड्रियनिरिना ने कहा कि सेना एक परिषद बनाएगी जिसमें सेना और अर्द्धसैनिक कानून प्रवर्तन बल के अधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि एक नागरिक सरकार का शीघ्र गठन करने के लिए एक प्रधानमंत्री नियुक्त किया जाएगा। इससे पहले राष्ट्रपति राजोएलिना सात वर्षों से सत्ता पर काबिज थे जिनके कार्यकाल का अब अंत होना माना जा रहा है।

युवा कर रहे थे देश भर में सरकार विरोधी प्रदर्शन सेना की एक इकाई ने भी लिया था हिस्सा

इससे पहले एक विशिष्ट सैन्य इकाई ने सप्ताहांत में युवाओं के नेतृत्व वाले सरकार विरोधी प्रदर्शनों में भाग लिया था और उनसे पद छोड़ने का आह्वान किया था। राष्ट्रपति ने सोमवार रात सोशल मीडिया पर प्रसारित एक भाषण में कहा कि उन्होंने अपनी जान के डर से देश छोड़ दिया है। तख्तापलट की कोशिशों के बीच मंगलवार को राजोइलिना ने देश की संसद के निचले सदन को भंग करने की घोषणा भी की। उनका ठिकाना बताया जा रहा है। युवा प्रदर्शनकारियों ने 25 सितंबर को पानी और बिजली की कमी के खिलाफ प्रदर्शन शुरू किया। कुछ प्रदर्शन हिंसक हो गए और जल्द ही राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग तक पहुंच गए। छह अक्टूबर को देश भर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे।

बांग्लादेश में कारखाने और गोदाम में आग से 16 की मौत

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में मंगलवार को कपड़े के कारखाने और रसायन के एक गोदाम में आग लगने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि कपड़ा कारखाने के बगल में स्थित रसायन गोदाम में भीषण आग लग गई। बाद में कपड़ा कारखाने से 16 शव बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि ऐसा संदेह है कि आग रसायन गोदाम में लगी और अनवर फैशन गारमेंट्स कारखाना तथा शाह आलम रसायन गोदाम तक फैल गई।

बातचीत ठप, अमेरिका में लंबे समय तक शटडाउन रहने की आशंकाएं बढ़ीं

वाशिंगटन। रिपब्लिकन पार्टी से स्पीकर माइक जॉनसन ने सोमवार को कहा कि संघीय सरकार का 'शटडाउन' (सरकारी वित्तपोषण रुकने से कामकाज ठप होना) अब तक का सबसे लंबा 'शटडाउन' हो सकता है। जॉनसन ने कहा कि जब तक डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित अपनी मांगों को नहीं छोड़ते और इसे पुनः शुरू नहीं करते, तब तक वह उनके साथ बातचीत नहीं करेंगे।

'शटडाउन' के 13वें दिन कैपिटल में

- **स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा- अमेरिकी इतिहास में हो सकता है सबसे लंबा शटडाउन**

स्पीकर ने कहा कि उन्हें ट्रंप प्रशासन द्वारा बर्खास्त किए जा रहे हजारों संघीय कर्मचारियों के विवरण की जानकारी नहीं है। यह एक बेहद असामान्य सामूहिक छंटनी है जिसे व्यापक रूप से सरकार के दायरे को सीमित करने के लिए 'शटडाउन' का लाभ उठाने के तरीके के रूप में देखा जा रहा है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 15 अक्टूबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-कृष्ण पक्ष, नवमी 10.33 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

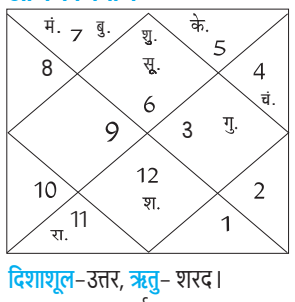

दिशाशूल-उत्तर, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुष्य 12.00 तक तत्पश्चात अश्लेषा।

मेष — आज आप वैचारिक रूप से थोड़ा कमजोर महसूस करेंगे। गुप्त शत्रु आपको आपके शुभचिंतकों के प्रति भड़काने का प्रयास कर सकते हैं। अनावश्यक कार्यों में धन बर्बाद हो सकता है। माता के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

वृष — आज शुभ समाचार मिलने से पूरा दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। मित्रों के साथ करियर को लेकर चर्चा करेंगे। काम की अधिकता के बावजूद नौकरी में शानदार प्रदर्शन करेंगे। जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझेगा।

मिथुन — आज परिवार के छोटे सदस्यों की प्रसन्नता देखकर आप भी खुश रहेंगे। व्यापार की चुनौतियों का समाधान निकाल लेंगे। आज आप धन कमाने के अलग-अलग तरीकों पर विचार कर सकते हैं। दांपत्य संबंध बहुत ही अच्छे रहेंगे। गले में खराश जैसी समस्या हो सकती है।

कर्क — आज घर में धार्मिक आयोजन होने से आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। आज आप अच्छे मूड में रहेंगे। सिद्धांतों के बजाय व्यवहारिक तरीके से समस्याओं का समाधान करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई में आ रही परेशानियां दूर होंगी।

सिंह — आज प्रतिक्रियावादी होने के बजाय ज्यादातर शान्त रहें। घर की देखरेख को आज समय देना पसंद करेंगे। आज रोगियों को सेहत का विशेष ध्यान रखना चाहिए। नकारात्मक लोग आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते

कन्या — आज करियर के तरक्की के बेहतरीन अवसर आपको मिल सकते हैं। काफी समय से लंबित कार्य अब शुरू होने के अच्छे योग हैं। आपकी आमदनी में वृद्धि होगी। आपको अच्छे कार्यों के कारण पुरस्कार मिल सकता है। दांपत्य संबंध काफी रोमान्टिक हो सकते हैं।

तुला — आज आप शांति से अपना दिन बिताना चाहेंगे। आर्थिक दृष्टिकोण से समय बहुत ही अच्छा है। धर्म-कर्म के प्रति आपकी आस्था बढ़ेगी। पारिवारिक उत्तरदायित्व का भली-भांति निर्वाह करेंगे। जॉब में आपको नया काम सौंपा जा सकता है।

वृश्चिक — आज कारोबारी यात्रा के लिए जा सकते हैं। वाद-विवाद से आपको बचना चाहिए। कई दिनों बाद प्रेमीजन से मुलाकात होगी। उच्च शिक्षा में बेहतरीन परिणाम मिलेंगे। मित्रों के साथ संबंध मधुर होंगे। आपके विचारों को समाज में प्रमुखता मिलेगी।

धनु — आज जिसका हित करने का प्रयास करेंगे हो सकता है वही आपको धोखा दे दे। भूमि-संपत्ति विवादों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। परिवार में थोड़ी अशांति रहेगी। किसी से आज बड़ा लेन-देन न करें। हृदय रोगियों को दवाइयों और दिनचर्या का विशेष ध्यान रखना चाहिये।

मकर — आज दांपत्य संबंध काफी रोमान्टिक रहेंगे। आय में वृद्धि होने से आपका आत्मविश्वास भी बढ़ा हुआ रहेगा। मित्रों के साथ आनंद का समय बितायेंगे। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को प्रमोशन मिल सकता है। भाई-बहनों की सहायता से आपको कार्यक्षेत्र में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे।

कुंभ — आज नए संपर्क विकसित होने से मन प्रसन्न रहेगा। परिजनों के लिए खरीदारी कर सकते हैं। बिना मतलब दूसरों के मामलों में न पड़ें। अपनी योजनाओं को फिलहाल अपने तक ही सीमित रखें। संतान को शिक्षा में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

मीन — आज आपकी कार्यशैली में बेहतरीन सुधार होगा। किसी पॉलिसी में बड़ा पूंजी निवेश कर सकते हैं। मन में परोपकार का हित जागृत होगा। यश और कीर्ति मिलने से आपके मन में अहंकार का भाव भी जागृत हो सकता है। वैवाहिक संबंध मधुर रहेंगे।

सुडोकू-130

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		3		5				
6			4			9		
	4				3			8
9					5			
8		6			1	3		5
			2					4
5			1	3			2	
	7	1			4			9
			5	9		6		

सुडोकू - 129 का हल

3	2	5	9	6	8	1	4	7
4	8	7	2	1	3	9	5	6
9	6	1	7	4	5	8	3	2
8	5	6	3	2	9	4	7	1
2	1	4	8	7	6	3	9	5
7	3	9	4	5	1	2	6	8
6	7	2	1	9	4	5	8	3
1	9	3	5	8	7	6	2	4
5	4	8	6	3	2	7	1	9

मुझे लगता है कि हम जानते हैं कि पांच-छह महीनों में हम किस तरह की क्रिकेट खेल रहे हैं। इसलिए एक टीम के रूप में यह अच्छा संकेत है कि हम ऐसा करने में सफल रहे हैं। जब से गंभीर ने कहा कि मुझे छठे नंबर पर बल्लेबाजी करनी है तब से मैं बल्लेबाज के रूप में सोच रहा हूं। -रविंद्र जडेजा

स्टेडियम

बरेली, बुधवार 15 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

फिडे विश्व कप: गुकेश को मिली शीर्ष वरीयता

नई दिल्ली : गोवा में 30 अक्टूबर से शुरू हो रहे फिडे विश्व कप में मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी होंगे, उनके बाद हमवतन अर्जुन एरिगैसी और आर प्रज्ञानानंदा का स्थान है। यह टूर्नामेंट 27 नवंबर तक चलेगा। इसमें दुनिया भर के प्रमुख सितारे भाग लेंगे और डेनमार्क के अनीश गिरि को चौथी वरीयता दी गई है। इस प्रतियोगिता में 20 लाख डॉलर की बड़ी पुरस्कार राशि होगी और इसमें दुनिया भर से 206 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। पुरस्कारों के अलावा खिलाड़ी 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में तीन स्थानों के लिए भी प्रतिस्पर्धा करेंगे। गोवा में शीर्ष तीन पर रहने वाले खिलाड़ियों को कैंडिडेट्स में सीधे प्रवेश मिलेगा। इस प्रतियोगिता में अमेरिका के वेस्ले सो पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं, जिनके बाद क्रमशः विन्सेंट केमर, वेई यी, नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव, शखरियार मामेदयारोव और हंस नीमन का स्थान है।

जोश और जम्पा, भारत के साथ पहले वनडे से बाहर

पर्थ : ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर जोश इंगलिस और लेग स्पिनर एडम जम्पा क्रमशः चोट और पारिवारिक कारणों से भारत के खिलाफ रविवार को होने वाले पहले वनडे मैच में नहीं खेल पाएंगे। भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे शृंखला खेलेगा, जिसके बाद पांच मैचों की टी-20 शृंखला होगी। अगले दो वनडे मैच एडिलेड (23 अक्टूबर) और सिडनी (25 अक्टूबर) में होंगे। इंगलिस पिंडली की चोट से उबर रहे हैं, जिससे वह इस महीने की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 शृंखला में नहीं खेल पाए थे। उनकी जगह जोश फिलिप को विकेटकीपर के रूप में ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है।

आइसलैंड ने फ्रांस का विजय अभियान थामा

रेक्जाविक : फ्रांस ने आइसलैंड के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलकर 2026 में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में स्थान सुरक्षित करने का मौका गंवा दिया। फ्रांस ने इससे पहले लगातार तीन मैच में जीत हासिल की थी। दो बार की विश्व चैंपियन टीम अगर आइसलैंड को हरा देती और यूक्रेन की टीम अज़रबैजान को हराने में नाकाम रहती, तो फ्रांस की टीम विश्व कप में जगह पक्की कर सकती थी। यूक्रेन ने 2-1 से जीत दर्ज की। विश्व कप 2022 का उपविजेता फ्रांस अभी भी ग्रुप डी में 10 अंकों के साथ शीर्ष पर है, जो यूक्रेन से तीन अंक अधिक हैं। फ्रांस की टीम कप्तान किलियन एमबाप्पे के बिना मैदान पर उतरी थी, जिन्होंने शुक्रवार को अजरबैजान के खिलाफ टीम की 3-0 की जीत में गोल किया था, लेकिन दाएं टखने में चोट के कारण वह लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए थे।

पैरा पावरलिफ्टिंग में मैथ्यू ने कांस्य जीता

नई दिल्ली : भारत के अनुभवी पैरा पावरलिफ्टर जोबी मैथ्यू ने मिस्र के काहिरा में आयोजित पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप के लेजेंड्स (मास्टर्स) वर्ग में कांस्य पदक जीता। मैथ्यू ने अपने पहले प्रयास में 147 किग्रा के भार उठाया लेकिन इसे अमान्य घोषित कर दिया गया। उन्होंने इसके बावजूद दूसरे प्रयास में 148 किग्रा वजन आसानी से उठा लिया। मैथ्यू ने इस लय को जारी रखते हुए अपने अंतिम प्रयास में 152 किग्रा का वजन उठाकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इससे पहले उनका पिछले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 150 किग्रा था जिसे उन्होंने दो महीने पहले बीजिंग विश्व कप में हासिल किया था। थाईलैंड के फोंगसाकोन चुमचाई ने 162 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता जबकि पेरू के नील ग्रेसिया ने 161 किग्रा वजन उठाकर रजत पदक जीता।

रोहित-कोहली के भविष्य पर गंभीर ने कहा- मौजूदा समय में रहने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

विराट कोहली और रोहित शर्मा 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप खेलने के इच्छुक हैं, लेकिन भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मंगलवार को इस स्टार जोड़ी के भविष्य को लेकर कोई वादा नहीं किया। गंभीर ने कहा कि वनडे विश्व कप में अभी दो साल से अधिक का समय है और वर्तमान में रहना जरूरी है।

शुभमन गिल की वनडे कप्तान के रूप में नियुक्ति के साथ राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने पहले ही वनडे क्रिकेट में बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है और 2027 में कोहली (39) और रोहित (40) की उम्र को देखते हुए उनके भविष्य पर काफी संदेह है। गंभीर ने कहा कि 50 ओवर का विश्व कप अभी ढाई साल दूर है। वर्तमान में रहना बहुत जरूरी है। जाहिर है वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वे वापसी कर रहे हैं। उनका अनुभव ऑस्ट्रेलिया में काम आएगा। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के समापन पर कहा कि उम्मीद है कि ये दौरा दोनों खिलाड़ियों के लिए सफल साबित होगा, लेकिन इससे जरूरी बात यह है कि टीम एक सफल शृंखला खेले। ऐसा माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में होने वाले नौ वनडे मैचों (ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन-तीन मैच) में इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर काफी कुछ निर्भर करेगा। भारतीय टीम पिछले एक साल में गंभीर की कोचिंग में सभी प्रारूपों में बदलाव के दौर से गुजर रही है। राष्ट्रीय टीम में शामिल करते समय किसी खिलाड़ियों के गुणों पर गंभीर ने कहा कि इस सूची में प्रतिभा सबसे पहली चीज है। फिर काम के प्रति लगन और ड्रेसिंग रूम में आपके व्यवहार खासकर टेस्ट क्रिकेट में काफी मायने रखता है। हम यह भी परखने की कोशिश करते है कि रन बनाने और विकेट लेने के अलावा आप किस तरह से टीम के लिए योगदान दे सकते हैं। आप में खेल के लिए जज्बा होना भी काफी जरूरी है। आप में अगर ये सारे गुण है तो आप निश्चित रूप से एक सफल टेस्ट करियर बना सकते हैं।

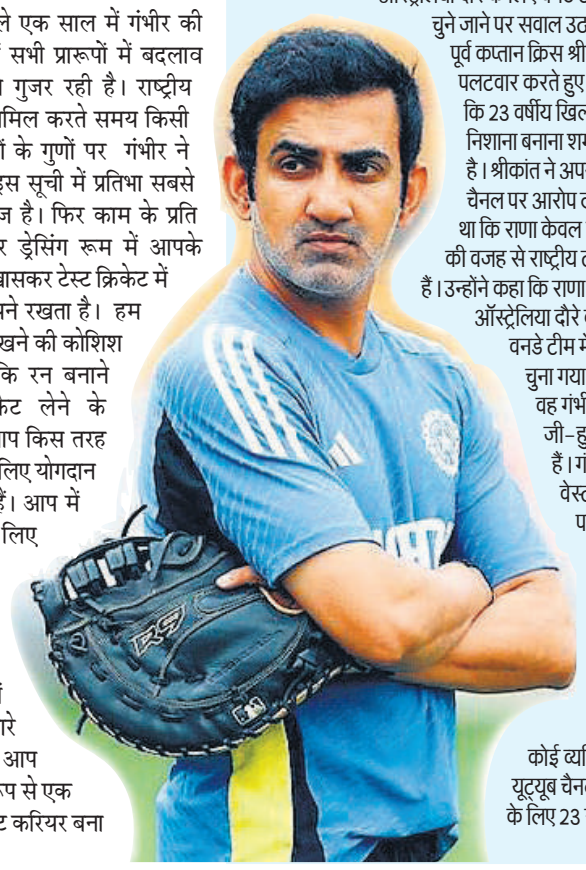

के. श्रीकांत से गंभीर बोले- 23 साल के खिलाड़ी को निशाना बनाना शर्मनाक

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने तेज गेंदबाज हर्षित राणा को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे टीम में चुने जाने पर सवाल उठाने वाले पूर्व कप्तान क्रिस श्रीकांत पर पलटवार करते हुए कहा कि 23 वर्षीय खिलाड़ी को निशाना बनाना शर्मनाक है। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर आरोप लगाया था कि राणा केवल गंभीर की वजह से राष्ट्रीय टीम में हैं। उन्होंने कहा कि राणा को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे टीम में इसलिए चुना गया क्योंकि वह गंभीर की जी-हुजूरी करते हैं। गंभीर ने वेस्टइंडीज पर भारत की टेस्ट शृंखला जीत के बाद कहा कि यह शर्मनाक है कि कोई व्यक्ति अपना यूट्यूब चैनल चलाने के लिए 23 साल के खिलाड़ी को निशाना बना रहा है। अगर आप मुझे निशाना बनाना चाहते हैं, तो बनाइए। मैं इससे निबट सकता हूं, लेकिन यूट्यूब व्यूज के लिए 23 साल के युवा खिलाड़ी को ट्रोल करना शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि उनके (राणा के) पिता चयनकर्ता नहीं हैं। उन्होंने अपनी योग्यता के आधार पर टीम में जगह बनाई है। इन युवा लड़कों को निशाना मत बनाइए। हालांकि यह पता नहीं चल सका है, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से यह निशाना श्रीकांत के बेटे अनिरुद्ध पर लगाया जा सकता है, जिन्हें एक बार ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत ए टीम में चुना गया था। तब श्रीकांत चयन समिति के अध्यक्ष थे। श्रीकांत ने हाल ही में कहा था कि केवल एक सदस्य है, हर्षित राणा... कोई नहीं जानता कि वह टीम में क्यों है। सबसे अच्छा यही है कि हर्षित राणा की तरह बनें और टीम में चयन के लिए गंभीर की लगातार हां में हां मिलाते रहें। गंभीर ने कहा कि अगर राणा अच्छा प्रदर्शन नहीं करते हैं तो चयन समिति उन्हें हटा देगी। राणा ने अब तक तीनों प्रारूप में 10 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 19 विकेट लिए हैं। भारत के मुख्य कोच ने कहा कि लोगों को उनके प्रदर्शन के आधार पर निशाना बनाइए और चयनकर्ता इसी काम के लिए हैं। अगर आप सोशल मीडिया पर किसी 23 साल के खिलाड़ी के बारे में बुरी बातें कहेंगे, तो इससे उसकी मानसिकता पर क्या असर पड़ेगा। अगर आपका बच्चा कल क्रिकेट खेलता है, तो कल्पना कीजिए कि उसके साथ दुर्व्यवहार हो। वह 23 साल का है, 33 साल का नहीं। मेरी आलोचना करो, मैं इसे बर्दाश्त कर सकता हूं, लेकिन वह 23 साल का लड़का है, इसलिए यह स्वीकार्य नहीं है। गंभीर ने कहा कि भारतीय क्रिकेट के प्रति नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए और आपको अपना यूट्यूब चैनल चलाने के लिए ये चीजें नहीं करनी चाहिए। यह केवल हर्षित के मामले में ही नहीं है। भविष्य में अन्य खिलाड़ियों के साथ भी ऐसा हो सकता है। आप लोगों (मीडिया) से भी मेरा यही कहना है कि आप मुझे निशाना बनाइए, लेकिन खिलाड़ियों को नहीं।

शुभमन को कप्तान बनाकर किसी ने कोई एहसान नहीं किया, वह इसके हकदार

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने युवा कप्तान शुभमन गिल की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने इंग्लैंड में कप्तान के रूप में अपनी सबसे कठिन परीक्षा पास कर ली है और किसी ने भी उन्हें टेस्ट और वनडे दोनों प्रारूपों में कप्तान नियुक्त करके कोई एहसान नहीं किया है। भारत ने गिल की कप्तानी में इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच की शृंखला बराबर कराई थी जबकि अब उसने वेस्टइंडीज को दोनों मैच में हराया। गिल को अब रोहित शर्मा की जगह वनडे टीम का कप्तान बनाया गया है, जिसकी शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के दौरे से होगी। गंभीर से जब पूछा गया कि वह मुख्य कोच के रूप में नए कप्तान को कैसे संभालते हैं, उन्होंने कहा कि उन्हें अपना स्वाभाविक दृष्टिकोण बनाए रखने की इजाजत देकर। मुझे लगता है कि उन्हें टेस्ट या वनडे कप्तान बनाकर किसी ने उन पर कोई एहसान नहीं किया है। मुझे लगता है कि वह इसके हकदार हैं। उन्होंने कड़ी मेहनत की है। कप्तान के रूप में इंग्लैंड दौरे में वह पहले ही सबसे कठिन परीक्षा पास कर चुके हैं। इंग्लैंड का दौरा काफी कठिन था क्योंकि हमारा मुकाबला विदेशी परिस्थितियों में मजबूत टीम से था। गिल ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और खिलाड़ियों के बीच सम्मान अर्जित किया। गंभीर फिलहाल वर्तमान पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और इसे लेकर चिंतित नहीं हैं कि भारत 2027 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलेगा या नहीं।

द. अफ्रीका शृंखला से पहले रणजी खेलें खिलाड़ी

गौतम गंभीर चाहते हैं कि टेस्ट विशेषज्ञ खिलाड़ी बेंगलुरु स्थित उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में कौशल विशेष अभ्यास की जगह आगामी दक्षिण अफ्रीका शृंखला से पहले मैच अभ्यास के लिए अपने-अपने राज्यों के लिए रणजी ट्रॉफी खेलें। गंभीर ने कहा कि भारतीय टीम का कार्यक्रम काफी व्यस्त है क्योंकि भारत की टी-20 टीम नौ नवंबर को ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलेगी और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट 14 नवंबर को कोलकाता में शुरू होगा। कोच ने कहा कि कभी-कभी यह मुश्किल होता है, लेकिन पेशेवरता इसी को कहते हैं। खिलाड़ियों को अपने दिनों का सर्वश्रेष्ठ तरीके से इस्तेमाल करने की कोशिश करनी चाहिए, क्योंकि हम जानते हैं कि यहां से वन-डे क्रिकेट, फिर टी-20 और चार दिन बाद फिर टेस्ट मैच खेलना काफी मुश्किल है। जो खिलाड़ी केवल टेस्ट का हिस्सा हैं, उनके लिए तैयारी करना और घरेलू क्रिकेट खेलना बहुत महत्वपूर्ण है।

राहुल का अर्धशतक, भारत ने किया क्लीन स्वीप

पांचवें दिन वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर दो मैचों की टेस्ट शृंखला की अपने नाम

लोकेश राहुल।

- मैच में आठ विकेट लेने पर 'प्लेयर ऑफ द मैच' बने बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव
- बल्ले-गेंद से शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुने गए ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा

नई दिल्ली, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज केएल राहुल के नाबाद अर्धशतक की मदद से भारत ने दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच के पांचवें दिन मंगलवार को वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर दो मैच की शृंखला में क्लीन स्वीप किया। भारत ने 121 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवें दिन एक विकेट पर 63 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई। उसे जीत के लिए केवल 58 रन की जरूरत थी। भारत ने आखिर में 35.2 ओवर में तीन विकेट पर 124 रन बनाए। राहुल 58 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत ने सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (175) और कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 129) के शतकों की मदद से अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 518 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी जिसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 248 रन ही बना पाई थी और उसे फॉलोऑन करना पड़ा था। वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में जॉन कैम्पबेल (199 गेंदों पर 115 रन) और शाई होप (214 गेंदों पर 103 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 177 रन की साझेदारी की जिससे उसकी टीम 390 रन बनाने में सफल रही। इससे मैच पांचवें दिन तक खिंच गया। भारत ने अहमदाबाद में खेला गया पहला टेस्ट मैच तीन दिन के अंदर पारी और 140 रन से जीता था।

अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते भारतीय खिलाड़ी।

- भारत पहली पारी : 518/5 (घोषित)
- वेस्टइंडीज पहली पारी : 248/10
- वेस्टइंडीज दूसरी पारी: 390/10

भारत

124/3 (35.2 ओवर) (दूसरी पारी)

■	यशस्वी का फिलिप बो वारिकन	08
■	केएल राहुल नाबाद	58
■	साई सुदर्शन का होप बो चेज़	39
■	शुभमन गिल का ग्रीव्स बो चेज	13
■	ध्रुव जुरेल नाबाद	06

गेंदबाजी : जेडन सील्स 3-0-14-0, जोमेल वारिकन 15.2-4-39-1, खारी पियरे 8-0-35-0, रोस्टन चेज़ 9-2-36-2

भारत की घरेलू धरती पर श्रेष्ठता की पुष्टि करने के अलावा यह जीत भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में शुभमन गिल की शृंखला में पहली जीत के रूप में भी दर्ज की जाएगी। राहुल ने छह चौके और दो छक्के लगाए तथा साई सुदर्शन (39) के साथ दूसरे विकेट के लिए 79 रन जोड़े। गिल ने 13 रन बनाए जबकि ध्रुव जुरेल छह रन बनाकर नाबाद रहे।

बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को मैच में आठ विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जिसमें पहली पारी में लिए गए पांच विकेट भी शामिल हैं। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों ने इस मैच में अपना जज्बा दिखाया लेकिन इसके बावजूद रोस्टन चेज, क्रैग ब्रैथवेट के बाद, कप्तान के रूप में अपने पहले पांच टेस्ट मैच हारने वाले वेस्टइंडीज के दूसरे कप्तान बन गए। चेज़ ने पुरस्कार वितरण समारोह में कहा कि मुझे लगता है कि हमारे खिलाड़ी कैरेबियाई देशों के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से हैं। इसलिए हमें इस आखिरी टेस्ट मैच को एक मानदंड के रूप में उपयोग करना होगा। हमें यहां से जितना संभव हो सके उतना सुधार करना होगा। दो टेस्ट मैचों में भारतीय गेंदबाजों ने विपक्षी टीम के सभी 40 विकेट चटकाए। भारतीय बल्लेबाजों की ओर से दो मैचों में पांच शतक बनाए गए। भारतीय बल्लेबाजों की असली परीक्षा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट शृंखला में होगी।

खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने के लिए कभी-कभी आपको साहसिक फैसले लेने पड़ते हैं: गिल

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि वह अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने के लिए साहसिक फैसले लेने में नहीं हिचकिचाते और वह इस भूमिका के आदी हो चुके हैं। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में जीत के बाद कहा कि मैं खेल की परिस्थितियों के अनुसार फैसला करता हूं। कभी-कभी आपको साहसिक फैसले लेने होते हैं और यह इस पर निर्भर होता है कि कौन सा खिलाड़ी आपके लिए विकेट ले सकता है या रन बना सकता है। मुझे लगता है कि मैं इस टीम के सभी खिलाड़ियों से काम लेने का आदी हो रहा हूं। मुझे ज़िम्मेदारी निभाना अच्छा लगता है। मुझे ज़िम्मेदारी निभाना पसंद है और मैं इसे अपने तरीके से करता हूं। कुछ अहम फ़ैसलों में शामिल होना मुझे बहुत पसंद है और मुझे लगता है कि इससे मेरे अंदर का सर्वश्रेष्ठ सामने आता है।

बारिश की भेंट चढ़ा मैच, श्रीलंका और न्यूजीलैंड को एक-एक अंक

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच मंगलवार को आईसीसी महिला वनडे विश्व कप मुकाबले को लगातार बारिश के कारण रद्द करना पड़ा, जिससे दोनों टीमों को एक एक अंक मिला। मेजबान टीम ने दमदार प्रदर्शन कर 6 विकेट पर 258 रनों का स्कोर खड़ा किया, लेकिन न्यूजीलैंड के खेलने से ठीक पहले आर प्रेमदासा स्टेडियम में बारिश शुरू हो गई, जिससे मैच नहीं हो सका।

मैच के बाद अटापट्टू ने कहा कि हमने परिस्थितियों का आकलन कर अच्छा क्रिकेट खेला। दुर्भाग्य से हम मैच पूरा नहीं कर सके। अगला मैच बेहद अहम है। हमें तीन मैच जीतने होंगे। उम्मीद करते हैं कि हमारे मैच में बारिश नहीं हो। श्रीलंका चार मैचों में दो अंक लेकर सातवें स्थान पर है जबकि न्यूजीलैंड तीन अंक से तालिका में पांचवें स्थान पर है। यह नतीजा न्यूजीलैंड के लिए भी बड़ा झटका है जो पहले ही दो हार झेल चुका है और अब उसके लिए सेमीफाइनल की दौड़ मुश्किल हो गयी है। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने कहा कि दुर्भाग्य से मौसम ने हमें मैच नहीं खेलने दिया, हम लक्ष्य का पीछा करने को उत्साहित थे। आंकड़े और संख्याएं केवल यहीं तक सीमित रह सकती हैं। यह विश्व कप का दूसरा मैच है जो बारिश के कारण रद्द हो गया। इससे पहले पिछले हफ्ते श्रीलंका का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच भी बारिश के कारण रद्द हो गया था। इससे पहले बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद श्रीलंका ने निलाक्षिका डिसिल्वा (नाबाद 55 रन) के आक्रामक और कप्तान चामरी अटापट्टू (53 रन) के संयमित अर्धशतक से छह विकेट पर 258 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

कोलंबो में खेले जा रहे महिला विश्व कप मैच के दौरान श्रीलंकाई कप्तान चामरी अटापट्टू और विश्मी गुणारत्ने।

भरत 8,000 मीटर ऊंची नौ चोटियों पर चढ़ने वाले पहले भारतीय बने

कोलकाता। आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पर्वतारोही भरत थम्मिनेनी मंगलवार को छठे सबसे ऊंचे पर्वत 'माउंट चो ओयू' (8,188 मीटर) पर चढ़ाई करने के साथ दुनिया की 14 सबसे ऊंची चोटियों में से नौ पर फतह करने वाले पहले भारतीय बन गए। इस 36 वर्षीय पर्वतारोही के करीबी सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि इस उपलब्धि से पहले थम्मिनेनी ने मई 2017 में माउंट एवरेस्ट, सितंबर 2018 में मनास्लू, मई 2019 में ल्होत्से, मार्च 2022 में अन्नपूर्णा, अप्रैल 2022 में कंचनजंगा, मई 2023 में मकालू, अक्टूबर 2024 में शीशपंगमा और अप्रैल 2025 में धौलागिरी पर चढ़ाई की थी। ये सभी 8,000 मीटर से अधिक ऊंची चोटियां हैं। बची हुई पांच शीर्ष चोटियां के2, नंगा पर्वत, गशेरब्रुम 1 और 2 तथा ब्रॉड पीक पाकिस्तान में हैं।

सुल्तान जोहोर कप | भारत ने दो गोल से पिछड़ने के बाद बनाई बढ़त, पाकिस्तान ने अंतिम क्षणों में बराबरी की

भारत-पाकिस्तान के बीच मैच 3-3 से ड्रॉ रहा

जोहोर बाहरु (मलेशिया), एजेंसी

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने मंगलवार को सुल्तान जोहोर कप के अपने ग्रुप चरण के तीसरे मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेला। भारत ने रोमांचक मुकाबले में दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बढ़त बनाई लेकिन पाकिस्तान ने गोल करके अंक बराबर कर लिए। इस परिणाम का मतलब है कि भारत को अब तक टूर्नामेंट में हार का सामना नहीं करना पड़ा है।

भारत के लिए अरिजीत सिंह हुंडल (43वें मिनट), सौरभ आनंद कुशवाहा (47वें मिनट), मनमीत सिंह (53वें मिनट) ने गोल दागे। पाकिस्तान के लिए हन्नान शाहिद (5वें मिनट) के अलावा सूफियान खान (39वें मिनट, 55वें मिनट) ने दो गोल किए। भारत ने शानदार शुरुआत करते हुए गेंद पर दबदबा बनाए रखा। भारत ने शुरुआत में सर्कल में कई बार सेंध लगाई जिससे पाकिस्तान बैकफुट पर रहा। पाकिस्तान ने पलटवार करते हुए जल्द ही पेनल्टी स्ट्रोक हासिल कर लिया। कप्तान शाहिद ने बिना कोई गलती किए गेंद गोलकीपर के दाईं ओर से नीचे की ओर डालकर अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी। इसके बाद सूफयान ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके पाकिस्तान की बढ़त 2-0 कर दी। भारत ने क्वार्टर के अंत में एक पेनल्टी स्ट्रोक हासिल किया। तीन मिनट से भी कम समय रहते हुंदल ने गोल करके अंतर कम किया। इसके बाद कुशवाहा ने एक बेहतरीन शॉट लगाकर स्कोर बराबर कर दिया।

भारत के आक्रामक रुख से पाकिस्तान बैकफुट पर

बराबरी गोल करने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज भारत ने आक्रामक रुख अपनाया जिससे पाकिस्तान बैकफुट पर आ गया। फिर मनमीत ने गोल करके मैच में पहली बार भारत को बढ़त दिलाई। हालांकि यह बढ़त ज्यादा देर तक नहीं टिक पाई क्योंकि सूफयान ने मैच में दूसरी बार पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बराबरी हासिल कर ली।